जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 30 | संख्याः 50 | प्रभात | अजमेर, शुक्रवार 19 सितम्बर, 2025 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

साउदी अरब का पाक को गुपचुप समर्थन, अब खुल्लम-खुल्ला गठबंधन में परिवर्तित हुआ

दोनों देशों के मध्य हुए ''डिफैंस'' अनुबंधन से, ''एक पर आक्रमण, दोनों पर आक्रमण'' माना जायेगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18, सितंबर। एक नाटकीय घटनाक्रम, जो दक्षिण एशिया के रणनीतिक मानचित्र को बदल सकता है, में सऊदी अरब और पाकिस्तान ने बुधवार को रियाद में एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में यह वचन दिया गया कि एक पर हमला, दोनों पर हमला माना जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हुई राजकीय यात्रा के दौरान यह समझौता हुआ, जो दशकों से चल रहे अनौपचारिक सैन्य संबंधों को

- साउदी अरब को पाकिस्तान के ''न्यूक्लियर बम'' की सुरक्षा (न्यूक्लियर छाते) का लाभ मिलेगा तथा पाकिस्तान के लिए साउदी की आर्थिक ताकत व सद्भावना एक कवच का काम करेगी।
- भारत के लिए डबल संकट है। साउदी अरब को भारत खाड़ी देशों में अपना सबसे नज़दीकी राष्ट्र गिनता था। पाकिस्तान से कई बार हुए युद्ध के दौरान भी भारत ने साउदी अरब से रिश्ते दोस्ती भरे ही रखे थे और साउदी अरब, भारत का पाँचवा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर रहा है तथा साउदी अरब के लिए भी भारत दूसरे नम्बर पर सबसे बड़ा व्यावसायिक पार्टनर रहा है।

एक बाध्यकारी संधि में बदल देता है।

संयुक्त बयान में इस समझौते को आठ दशकों की साझेदारी की परिणति बताया गया, जो इस्लामी एकता और साझा रणनीतिक हितों में निहित है। इसमें गहन रक्षा सहयोग और किसी भी आक्रमण के विरुद्ध एक मजबूत संयुक्त प्रतिरोध की बात कही गई है।

लेकिन इसके पीछे एक ऐसा घटनाक्रम है जिसे नई दिल्ली चिंताजनक नजरों से देख रही है। पहली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैबिनेट मीटिंग आज दिन में 12 बजे

जयपुर, 18 सितंबर। राजस्थान सरकार की कैबिनेट बैठक शुक्रवार की दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे मंत्रिपरिषद की बैठक भी प्रस्तावित है। दोनों बैठकों में राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित बांसवाड़ा यात्रा को लेकर तैयारियों की समीक्षा की जा सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी 25 सितंबर को माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र का शिलान्यास करेंगे और करीब 1.21

- प्रधानमंत्री की बांसवाड़ा यात्रा की तैयारी व ''शहर चलो, गाँव चलो'' अभियान पर चर्चा होगी।

लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात देंगे। ऐसे में कैबिनेट बैठक में उनके दौरे की व्यवस्थाओं और संबंधित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में "शहर चलो, गांव चलो" अभियान के तहत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब भारत को अपनी सेना के लिए हथियारों व अन्य सामान का स्वयं ही निर्माण करना पड़ेगा

चीन द्वारा सैनिक परेड में स्वनिर्मित हथियारों व अन्य सामान के प्रदर्शन से विश्व स्तब्ध रह गया था, कुछ वैसा ही होना पड़ेगा भारत में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ आपसी रक्षा समझौता भारत के लिए एक नया सुरक्षा परिदृश्य पैदा करता है, जिससे भूमध्य सागर से लेकर भारतीय उपमहाद्वीप तक पूरे क्षेत्र के देशों के बीच और ज्यादा ध्रुवीकरण होगा।

भारत ने बेशक सामान्य भाव बनाए रखा और प्रेस बयान जारी किया, लेकिन सुरक्षा और रणनीतिक विशेषज्ञ इस घटनाक्रम पर गहरी नजर रखे हुए हैं। बयान से साफ है कि यह अचानक नहीं हुआ है, बल्कि काफी समय से इसकी तैयारी चल रही थी।

सऊदी अरब के साथ आपसी रक्षा संधि के जरिए पाकिस्तान ने एक बार फिर ऐसा समझौता किया है, जिससे उसे मध्य-पूर्व के सभी देशों के रणनीतिक परिदृश्य में अहमियत मिल

- अब तक भारत विदेश से हथियार आदि खरीद लेता था। पर, इस दौड़ में पाकिस्तान आगे निकल सकता है, साउदी अरब के पैसे के जोर पर।
- इसका एक परिणाम यह भी होगा कि भारत मजबूरन इज़रायल के नज़दीक होगा, नवीनतम् टैक्नॉलजी व जानकारियाँ पाने के लिए।
- और, अब तक जो भारत गर्व करता रहा है, अपने आईटी इंजिनियर्स व सॉफ्टवेयर एक्सपर्ट्स पर, उनको भी कमर कसनी होगी, इज़रायल आदि से प्राप्त नवीन टैक्नॉलजी को परिष्कृत कर, भारत को इस मामले में स्वावलम्बी बनाने के लिए। केवल थ्योरैटिकल ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुस्लिम द्वारा मैसूर दशहरा उत्सव का उद्घाटन कराने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज

कर्नाटक सरकार ने 22 सितम्बर से शुरु हो रहे दशहरा उत्सव में बुकर विजेता, लेखिका बानू मुश्ताक को चीफ गैस्ट बनाया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18, सितंबर। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई जिसमें प्रसिद्ध लेखिका ''बानू मुश्ताक'' द्वारा कर्नाटक में दशहरा उत्सव का उद्घाटन किए जाने पर आपत्ति जताई गई है।

हाल ही में ''कर्नाटक उच्च न्यायालय'' ने ऐसी कई याचिकाएं एक साथ खारिज कर दी थीं, जिनमें दावा किया गया था कि बानू मुश्ताक की भागीदारी लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती है, क्योंकि उन्होंने पहले ''हिंदू विरोधी'' बयान दिए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को इस याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किये जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी। इस याचिका में कर्नाटक

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिका न केवल विचारार्थ स्वीकार कर ली है, बल्कि उसकी शीघ्र सुनवाई पर भी सहमति दे दी है।
- याचिका में कहा गया है कि बानू मुश्ताक पूर्व में कई हिंदू विरोधी बयान दे चुकी हैं, उन्हें चीफ गैस्ट बनाने से हिंदू भावनाएं आहत हुई हैं।
- ज्ञातव्य है कि कर्नाटक हाई कोर्ट ने यह याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि बानू मुश्ताक कई सार्वजनिक पदों पर रही हैं और किसी खास धर्म के व्यक्ति द्वारा दूसरे धर्म के कार्यक्रम में शामिल होने से संविधान प्रदत्त अधिकारों का हनन नहीं होता है।

उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार के उच्च निर्णय में दखलंदाजी करने से इनकार किये जाने को चुनौती दी गई है, जिसके अंतर्गत राज्य सरकार ने मैसूर के दशहरा महोत्सव के उद्घाटन के लिये बुकर पुरस्कार प्राप्त लेखिका बानू मुश्ताक को आमंत्रित किया है। मुख्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ'

नयी दिल्ली, 18 सितंबर। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने अपनी एक टिप्पणी को लेकर गुरुवार को भ्रम दूर करने की कोशिश की।

न्यायमूर्ति गवई ने खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति के पुनर्निर्माण की राकेश दलाल की याचिका पर 16

- सीजेआई गवई ने खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति के निर्माण संबंधी याचिका को खारिज करते समय की गई टिप्पणी को गलत तरीके से पेश करने पर यह बात कही।

सितंबर को अपनी टिप्पणी पर जारी तीखी प्रतिक्रिया के बीच कहा कि वे सभी धर्मों का सम्मान करते हैं।

पीठ ने मध्य प्रदेश में यूनेस्को विश्व धरोहर खजुराहो मंदिर परिसर के हिस्से (जवारी मंदिर) में भगवान विष्णु की सात फुट ऊँची मूर्ति के पुनर्निर्माण और पुनः स्थापित करने के निर्देश देने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीवर की ''मैनुअल क्लीनिंग'', सुप्रीम कोर्ट ने पीडब्ल्युडी पर 5 लाख का जुर्माना ठोका

यह मामला सुप्रीम कोर्ट के ही एक गेट के सामने सीवर की सफाई से जुड़ा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमैंट (पी.डब्ल्यु.डी.) पर 5 लाख रु. का जुर्माना लगाया। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के गेट एफ के बाहर मैनुअल सीवर सफाई कराए जाने को लेकर की गई, जो सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों का उल्लंघन है।

कोर्ट ने पाया कि पी.डब्ल्यु.डी. ने न केवल सुरक्षा उपकरणों के बिना मजदूरों को काम पर लगाया, बल्कि एक नाबालिग को भी इस खतरनाक कार्य में लगाया गया। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर आदेश का दोबारा उल्लंघन हुआ तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि यह जुर्माना चार सप्ताह के भीतर 'राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग' के पास जमा कराया जाए।

- अगस्त में कोर्ट ने नोट किया कि उसकी नाक के नीचे ही मैनुअल क्लीनिंग पर दिए गए आदेशों का उल्लंघन हो रहा है, इस पर पीडब्ल्युडी से जवाब मांगा गया।
- इस मामले में एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) अधिवक्ता के. परमेश्वर ने कोर्ट को सप्रमाण बताया कि पीडब्ल्युडी ने जिन मजदूरों से सफाई करवाई, उनमें एक नाबालिग भी था और मजदूरों को सुरक्षा उपकरण भी नहीं दिए गए थे।
- पीडब्ल्युडी ने अपने जवाब में कहा कि यह ढके हुए नालों से मिट्टी हटाने का ही काम था। इसमें कोई खतरा नहीं था और सुप्रीम कोर्ट के किसी भी आदेश का उल्लंघन नहीं हुआ।
- पर, सुप्रीम कोर्ट ने इस जवाब पर असंतोष जताया और गुरुवार को पीडब्ल्युडी पर जुर्माना लगाने का आदेश दिया तथा कहा कि जुर्माना राशि चार सप्ताह के भीतर राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग में जमा करवाई जाए। कोर्ट ने कहा, दोबारा अगर आदेश का उल्लंघन हुआ तो एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

गुरुवार को न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजनिया की पीठ ने मामले की सुनवाई की। सीनियर एडवोकेट के. परमेश्वर, जो इस मामले में कोर्ट के एमिकस क्यूरी हैं, ने कहा कि, ''जिन लोगों को जबरन सफाई के लिए लगाया गया, उनमें एक नाबालिग भी शामिल है। उसका नाम और पता रिकॉर्ड में है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि नाबालिग काम कर रहा है। तिलक नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की गई, लेकिन न पी.डब्ल्यु.डी. ने कार्रवाई की और न ही पुलिस ने। यह सिर्फ श्रम कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है।'' वे कहते हैं, उन्होंने एक लैटर जारी किया पर वह कारण बताओ नोटिस तक नहीं था। उनके जवाब में कहा गया कि कुछ भी गलत नहीं हुआ है हमने सुरक्षा उपकरण दिए थे और नाबालिग के होने का तो सवाल ही नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साध्वी प्रज्ञा सहित 7 को बॉम्बे हाईकोर्ट का नोटिस

भोपाल, 18 सितंबर। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में बरी साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सभी सात लोगों को नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट ने उन्हें 6 हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही अदालत ने

- मालेगांव केस में साध्वी प्रज्ञा सहित 7 लोगों को एनआईए कोर्ट द्वारा बरी करने के आदेश को पीड़ित परिवारों ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

एनआईए को भी नोटिस जारी किया है। विस्फोट में मारे गए छह लोगों के परिवारों ने विशेष एनआईए अदालत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मुझे चुनाव आयोग की ''वोट चोरी'' का पर्दाफाश करने में आयोग के कुछ लोगों की मदद मिल रही है'

राहुल गांधी ने पुरजोर तरीके से कुछ और ''सबूत'' पेश किये ''वोट चोरी'' प्रकरण में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नए पार्टी मुख्यालय में अपनी हाइड्रोजन बम प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने ते मुद्दे पर एक महिला और एक पुरुष को पेश किया।

राहुल गांधी ने कहाः ''मैं इस मंच पर ऐसा कुछ भी नहीं कहूंगा जो 100 प्रतिशत सबूतों पर आधारित न हो।'' उन्होंने कहा कि उन्हें इस कथित हेराफेरी के सबूत मिले हैं।

कांग्रेस नेता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बबीता चौधरी नाम की महिला को मंच पर बुलाया, जिनका नाम, उनके अनुसार, मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने सूर्यकांत नामक व्यक्ति को भी पेश किया, जिसके मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कथित रूप से बबीता का नाम हटाने के लिए किया गया।

राहुल ने सूर्यकांत से पूछाः ''आपने 14 मिनट में 12 वोटर कैसे डिलीट कर दिए?''

उन्होंने आरोप लगाया कि यह काम पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा नहीं, बल्कि कॉल सेंटर स्तर पर बड़े पैमाने पर किया गया।

- भाजपा ने पलटवार में कहा, राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस नब्बे चुनाव हार गई है। अतः उनकी कुण्ठा व निराशा दिनों-दिन बढ़ रही है और झूठे-सच्चे आरोप लगाना उनकी आदत बन गई है।
- अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे घर-घर में अभियान के रूप में जनता को यह बतायें कि अगर गलती से किसी तरह से इंडिया गठबंधन की सरकार बन गई तो बिहार के हर जिले में केवल घुसपैठिये ही रहेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि किसी ने एक केंद्रीकृत आपराधिक तंत्र खड़ा किया है जो चुनाव चोरी के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में इस गिरोह ने 6018 मतदाता विलोपन आवेदन फर्ज़ी तरीके से दायर किए, वो भी अन्य राज्यों के मोबाइल नंबरों से।

आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने यह चौंकाने वाला खुलासा भी किया कि उनकी पार्टी को चुनाव आयोग के अंदर के लोगों से ही मदद मिल रही है, जिससे देशभर में हो रही कथित वोट चोरी का पर्दाफाश हो रहा है।

राहुल गांधी ने दावा किया, ''अब हमें चुनाव आयोग के अंदर से मदद मिलनी शुरू हो गई है। पहले यह नहीं हो रहा था, लेकिन अब हो रहा है और यह रुकेगा नहीं। भारत के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। जैसे ही युवाओं को पता चलेगा कि वोट चोरी हो रही है, उनकी ताकत सामने आएगी।''

उन्होंने आरोप लगाया कि, ''कर्नाटक के अलंद में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। हमें यह नहीं पता कि 2023 के चुनावों में कुल कितने वोट डिलीट हुए, लेकिन यह मामला संयोग से पकड़ा गया। बूथ लेवल ऑफिसर को पता चला कि उसके चाचा का वोट डिलीट हो गया था।

राहुल के दावों से विचलित, भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि अगर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चारधाम हैलिकॉप्टर सेवा के नियम सख्त किए

नयी दिल्ली, 18 सितंबर। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उत्तराखंड में चारधाम यात्रा हेलिकॉप्टर सेवा के लिए नियम कड़े कर दिये हैं।

उत्तराखंड सरकार, डीजीसीए, हेलिकॉप्टर सेवा कंपनियों और नागरिक

- नगर विमानन महानिदेशालय ने हैलिकॉप्टर सेवा पुनः बहाल करते हुए सख्त सुरक्षा मानदंडों का पालन करने के निर्देश दिए।

उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों के बीच कई दौर की वार्ता के बाद बढ़े हुये सुरक्षा उपायों के साथ 15/16 सितंबर से सेवा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

''जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।'' - अरविन्द कटोच

क्या एसआईआर पर निर्णय लेना आयोग का विवेकाधिकार है?

रा

क्या एसआईआर पर निर्णय लेना आयोग का विवेकाधिकार है?

दिनांक 13 सितम्बर, 2025 को चुनाव आयोग ने अपने शपथ-पत्र द्वारा जो उसने अश्विनी उपाध्याय सीनियर एडवोकेट के द्वारा प्रेषित एक पीआईएल में दिया है, जिसमें अश्विनी उपाध्याय ने माननीय सुप्रीम कोर्ट से निवेदन किया है कि चुनाव आयोग समयबद्ध तरीके से सभी राज्यों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्) करायें, क्योंकि कुछ राज्यों में बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में मतदाता सूची में अपने नाम दर्ज करा चुके हैं। इस पीआईएल पर विरोध प्रदर्शन करते हुये चुनाव आयोग ने अपने शपथ-पत्र में घोषणा की है कि निर्वाचन सूची की पवित्रता और अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के संवैधानिक व वैधानिक उत्तरदायित्व को आयोग समझता है और वह मानता है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अथवा सामान्य पुनरीक्षण असेम्बली के जनरल चुनाव अथवा बाई चुनाव से पूर्व कराये और यह चुनाव आयोग का विवेकाधिकार है। शपथ-पत्र में यह भी स्पष्ट चुनाव आयोग का कथन है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस बाबत दिया गया कोई भी निर्देश उसके अधिकार क्षेत्र में जो बिना किसी नियंत्रण के संविधान ने दिया उसमें हस्तक्षेप होगा।

चुनाव आयोग ने अपने शपथ-पत्र में सुप्रीम कोर्ट का ध्यान रूल 25 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, Registration fo Electors Rules 1960 सपठित धारा 21 जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 आकर्षित किया है जिसमें चुनाव आयोग का दायित्व निर्धारित किया है कि वह मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कराये उसमें समयावधि का कोई प्रतिबंध नहीं है। जनरल इलेक्शन से पूर्व पुनरीक्षण कराना चुनाव आयोग का विवेकाधिकार है।

चुनाव आयोग ने अपने शपथ-पत्र में यह भी कहा है कि विशेष पुनरीक्षण के कार्य में 1 जनवरी, 2026 को योग्यता तारीख माना जावेगा जिसका अर्थ है इस तारीख को 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र पूरी की है उन नागरिकों को मतदाता सूची में सम्मिलित किया जावेगा।

अपने गत अतिथि सम्पादकीय में लेखक ने स्पष्ट किया है कि दिनांक 10 सितम्बर, 2025 को अधिकारियों को बुलाई गई बैठक में निर्देश दिये हैं, उनके अनुसार कोई भी नागरिक मतदाता मतदसूची से बाहर न रह जावे और अपात्र इसमें शामिल न हों। आधार कार्ड को 11 अन्य दस्तावेजों के साथ शामिल किया जावे ये दस्तावेज निवास स्थान को प्रमाणित करते हैं, वे व्यक्ति की नागरिकता के प्रमाण नहीं है। यह भी निर्देश दिया है कि अवैध प्रवासियों की जांच की जावे, उनसे शपथ-पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था। विकल्प में उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 और दिसम्बर 2024 के मध्य हुआ है। उनसे अपने माता पिता के जन्म स्थान के दस्तावेज लिये जावें।

देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र की सफलता शुद्ध, त्रुटिहीन मतसूची पर निर्भर करता है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदों और विधायकों की संवैधानिक पदों पर निर्वाचन के लिये मतदाता सूची तैयार करने का और निर्वाचन के संचालन, अधीक्षण व निर्देशन और नियन्त्रण का पूर्ण दायित्व दिया है। अनुच्छेद 326 में यह स्पष्ट किया है कि मतदान करने का अधिकार केवल नागरिक को दिया है

उक्त लेख में स्पष्ट किया है कि देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र की सफलता शुद्ध, त्रुटिहीन मतसूची पर निर्भर करता है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदों और विधायकों की संवैधानिक पदों पर निर्वाचन के लिये मतदाता सूची तैयार करने का और निर्वाचन के संचालन, अधीक्षण व निर्देशन और नियन्त्रण का पूर्ण दायित्व दिया है। अनुच्छेद 326 में यह स्पष्ट किया है कि मतदान करने का अधिकार केवल नागरिक को दिया है जिन्हें वयस्क मताधिकार दिया है। संसद का चुनाव की प्रक्रिया के हेतु कानून बनाने का अधिकार दिया है और कानून को सुविधाजनक रूप से संचालित हो उसके हेतु नियम बनाने का प्रावधान है। संविधान के प्रावधान के अधीन ही संसद का कानून और रूल्स हैं। यह भी अनुच्छेद 329 में स्पष्ट है कि निर्वाचन सम्बन्धित मामलों में न्यायालयों का हस्तक्षेप भी वर्जित है।

चुनाव आयोग ने देश में मतसूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रारम्भ किये जाने के आदेश भी जारी कर दिये हैं।

चुनाव आयोग (निर्वाचन आयोग) ने अपने शपथ-पत्र के तर्कों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि समयबद्ध एसआईआर कराने के निर्देशन की प्रार्थना चाही गई याचिका खारिज की जावे, क्योंकि नियमित अन्तराल पर पूरे देश में एसआईआर कराने का निर्देश देना, चुनाव आयोग के विशेष अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण होगा।

बिहार एसआईआर मामलों में ड्राफ्ट मतदाता सूची जा की जा चुकी है चुनाव आयोग ने अपने एडवोकेट के माध्यम से सूचित किया है कि 7.24 करोड़ मतदाताओं के नामों में से 99.6 वोटरों ने अपने नाम शामिल करने के फार्म भरकर दे दिये हैं, केवल विवाद 65 लाख तथाकथित मतदाताओं के नाम हैं वो भी तीन केटेगरी के हैं, मृतक, अवैध प्रवासी तथा वे हैं, जिनके नाम दो जगह हैं। यह भी विवाद सामने आया है कि लोगों ने मतदाता सूची में स्थान पाने के लिये जो आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि डोक्यूमेंट्स दिये हैं वे फर्जी हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

दिनांक 15 सितम्बर, 2025 को अश्विनी उपाध्याय की पिटीशन पर कडे.शब्दों में यह स्पष्ट कर दिया कि बिहार एसआईआर की वैधता पर कोर्ट का जो निर्णय होगा वह Pan India Exercise

देशव्यापी एसआईआरद्ध पर भी लागू होगा; क्योंकि कोर्ट टुकड़ों में निर्णय नहीं देगी। सुप्रीम कोर्ट की इसी खण्डपीठ ने पूर्व में कई अन्तरिम आदेश दिये हैं जिनमें आधार कार्ड को अन्य 11 डोक्यूमेन्ट्स के साथ निवास के डोक्यूमेंन्ट के रूप में माने जाने का आदेश भी है, जो नागरिकता का प्रमाण नहीं है, किन्तु मतदाता सूची में से नाम काटे जाने अथवा जोड़ने पर देखा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोर्ट बिहार एसआईआर की वैधता पर दिनांक 7 अक्टूबर, 2025 को सुनेगी और अन्तिम निर्णय देगी। अश्विनी उपाध्याय ने माननीय खण्डपीठ से निवेदन किया कि देशव्यापी स्तर पर एसआईआर प्रक्रिया लगाू होनी चाहिये तथा अवैध प्रवासियों के नाम जो देश के नागरिक नहीं हैं, उनके नाम काटे जाने चाहिये। अश्विनी उपाध्याय एडवोकेट ने अतः कोर्ट से निवेदन किया कि माननीय खण्डपीठ अपने पूर्ववर्ती आदेश को जिसमें आधार कार्ड को भी नाम काटे जाने अथवा जोडने के मामले में विचार करने का उल्लेख था उसे संशोधित किया जावे, क्योंकि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इस प्रार्थना-पत्र का नोटिस विपक्ष को दिये जाने का आदेश दिया गया है। अतः यह माना जाता है कि इस विषय पर बहस होगी।

-अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राशिफल शुक्रवार 19 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2082, आश्लेषा नक्षत्र प्रातः 7.06 तक, सिद्ध योग रात्रि 8.41तक, गर करण दिन 11.36 तक, चन्द्रमा प्रातः 7.06 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति – सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज भद्रा रात्रि 11.37 से आरम्भ होगी। आज त्रयोदशी ओर मघा का श्राद्ध, प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि, कलयुमादि तिथि है युगान्द 5.27 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघडिया - चट-सूर्योदय से 7.48 तक, लाभ-अमृत 7.48 से 10.50 तक, शुभ 12.31 से 1.51 तक, चट 4.55 से सूर्यास्त तक

राहुकाल - 10.30 से 12.00 तक सूर्योदय 6.18 सूर्यास्त 6.23

मेष

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

वृष

घर-परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार सुख सुविधाएं बडेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
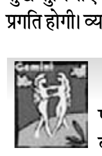
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
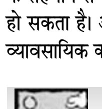
घर-परिवार में वाद-विवाद हो सकते है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। वाणि पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
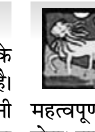
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बडेगा।

कन्या
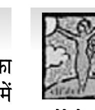
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अर्नगल कार्यों में खराब हो सकता है।

तुला
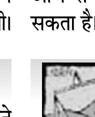
आर्थिक-वित्तीय मामलों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
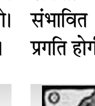
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। मन में भय बना रहेगा। यात्रा में दुर्घटना का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामुहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
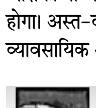
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिती ठीक रहेगी।

भारत को आर्थिक व रणनीतिक छलांग के लिए एक ही मंत्र चाहिए-निजी क्षेत्र को शोध और नवाचार में खुली छूट

सुनील दत्त गोयल

आर एंड डी में निजी क्षेत्र को फ्री-हैंड: भारत की अगली छलांग का पासपोर्ट भारत को अपनी अगली आर्थिक और रणनीतिक छलांग के लिए एक ही मंत्र चाहिए-निजी क्षेत्र को शोध और नवाचार में खुली छूट और बड़े प्रोत्साहन। आज भारत का कुल निवेश जीडीपी के लगभग 0.5-0.7 के दायरे में अटका है, जबकिप्रमुख अर्थव्यवस्थाएं 3.5-4.5 तक पहुंच चुकी हैं। चीन न सिर्फअधिक निवेश करता है, बल्किकंपनियों को 125-150 तक के सुपर-डिडक्शन, लंपसम कैश बोनस और पेटेंट खर्चका रीइम्बर्समेंट जैसी उदार नीतियां देकर निवेश को गुणा देता है-अर्थात यदिकोई कंपनी 100 करोड़ में लगाती है तो कुल सरकारी सहायता का प्रभाव 250-300 करोड़तक हो जाता है। भारत को भी यही करना होगा: लागत घटाइए, जोखिम बांटिए, और निजी पूंजी को नवाचार की दौड़में आगे बढ़ाइए। भारत को सूचना-प्रौद्योगिकी, दूरसंचार-सर्विलांस/मॉनिटरिंग, रक्षा उत्पादन और मेडिकल-फार्मा पर तत्काल प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकियही क्षेत्र आर्थिक सुरक्षा, तकनीकी संप्रभुता और रोजगार सृजन के सबसे मजबूत इंजन बन सकते हैं।

सूचना-प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) भारत ने डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को 20 स्तर पर परिभाषित और मान्यता दिलाई है, जिससे पहचान, भुगतान और डेटा-साझाकरण के माध्यम से समावेशी सेवा-प्रदायन का वैश्विक मानक स्थापित हुआ है । 20 टास्क फ़ोर्सकी अंतिम रिपोर्टबताती है कि आर्थिक परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और शासन-परिवर्तन का आधार बन चुका है और इसे वैश्विक दक्षिण तक बढ़ाने का रोडमैप स्पष्ट है ।

दूरसंचार और सर्विलांस-मॉनिटरिंग राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता के लिए स्पेस-आधारित सर्विलांस/रीकॉन और संचार अवसंरचना का तीव्र विस्तार आवश्यक है, जिसे आगामी 3 वर्षोंमें 100-150 अतिरिक्त उपठाह जोड़कर सुरक्षा और मॉनिटरिंग क्षमताओं को मजबूत करने की योजना से बल मिलेगा । वैश्विक प्रवृत्तियों के अनुरूप ऊर्जा व रक्षा (R&D) पर सरकारी समर्थन तेज़ी से बढ़रहा है, जो उन्नत दूरसंचार और स्पेस-आधारित मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी में नवाचार को गतिदेने का अवसर है ।

रक्षा और साइबर: नई लड़ाइयों की तैयारी भविष्य की लड़ाइयां स्टार-वॉर जैसी हाई-टेक वॉरफेयर होंगी-उपग्रहो, ड्रोन, AI , इलेक्ट्रॉनिक और साइबर डोमेनों में। यूक्रेन-रूस युद्ध ने दिखाया कि50,000 का ड्रोन 100 करोड़के टैंक को निष्क्रिय कर सकता है; शक्तिका समीकरण तकनीक से तय होगा। चीन की कक्षा में सैकड़ों निगरानी उपठाह सक्रिय हैं; भारत के पास निगरानी/रीकॉन क्षमता में विस्तार की भारी गुंजाइश है। यदिहमारी परमाणु पनडुब्बी परियोजना 2038 तक पूरी होगी, तो यह प्रश्न जरूरी है: तब तक तकनीक कहां पहुंच चुकी होगी? उत्तर साफ है-हमें समय-संवेदी, निजी भागीदारी-आधारित मॉडल अपनाना होगा, जहां डिजाइन से लेकर प्रोटोटाइपिंग तक निजी उद्योग और स्टार्टअप्स अठिम पंक्तिमें हों, और सरकार एंकर-ठाहक बने। साइबर सुरक्षा में भी निजी क्षेत्र को फ्री-हैंड, बड़े प्रोत्साहन और तेज़अनुमतियां देकर रेड-टीमिंग, जीरो-ट्रस्ट, क्रिप्टोग्राफी, और सुरक्षा-ठोड हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर में तेजी लानी होगी। अगला युद्ध भौतिक सीमाओं से पहले फाइबर और स्पेक्ट्रम में लड़ा जाएगा।

फार्माऔर मेडिकल R&D : लैब-ऑफ़-द-वर्ल्डकी ओर भारत सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री में वैश्विक ताकत है और अमेरिका सहित कई देशों को भारी मात्रा में निर्यात करता है। यह लाभ उठाने का समय है-किडनी, लिवर, ब्रेन, स्पाइन, मानसिक स्वास्थ्य, डायबिटीज, कैंसर, बोन मैरो, थैलेसीमिया जैसे क्षेत्रों में मिशन-मोड को बढ़ावा देकर क्लीनिकल-टेक, बायोसिमिलर्स, जीन-थेरेपी और मेडिकल-डिवाइस में वैश्विक लीड ली जा सकती है। जनरेशन, क्लिनिकल ट्रायल इकोसिस्टम, रेगुलेटरी फास्ट-ट्रैक और अस्पताल-उद्योग-अकादमिक गठजोड़से भारत फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड से लैब ऑफ द वर्ल्ड बन सकता है।

AI-IT - और इंडस्ट्रियल R&D : प्रतिभा है, नीतिचाहिए , सेमीकंडक्टर उप-प्रणालियां, रोबोटिक्स, एडवांस्ड मटेरियल्स और ठीन-टेक में भारत के पास युवा प्रतिभा और परिसरों से निकलती डीप-टेक कंपनियों का पूल है। बाधा है-उच्च पूंजी लागत, जोखिम, धीमी अनुमतियां और अनिश्चित मांग। सरकार यदिएंकर-ठाहक बने, मानकीकरण और टेस्ट-बेड दे, और कर-प्रोत्साहन से लागत घटाए, तो निजी निवेश स्वतः बढ़ेगा। संक्षेप में, सरकार को दिशा और भरोसा देना है; पूंजी और क्रियान्वयन युवा कर देगा।

क्या करना होगा: एक साहसी प्रोत्साहन पैकेज सुपर-डिडक्शन और कैश सपोर्ट: निजी व्यय पर 150-200 सुपर-डिडक्शन; प्रोटोटाइप/-लक्ष्य प्राप्तिपर लंपसम कैश बोनस; पेटेंट फाइलिंग/प्रोसीक्यूशन/विदेशी फाइलिंग फीस का 100 तक रीइम्बर्समेंट (सीलिंग के साथ)।

मैचिंग ठांट्स: 5-50 करोड़तक मैचिंग-ग्रांट स्कीम, विशेषकर डीप-टेक/डिफेंस-टेक/बायो-टेक के लिए, जहां निजी पूंजी के साथ सरकार जोखिम साझा करे।

तेज़अनुमतियां: डिफेंस और साइबर के फील्ड-ट्रायल/इम्पोर्ट-लाइसेंस/एक्सपोर्ट के लिए 30-90 दिन की टाइम-लिमिटेड, सिंगल-विंडो क्लियरेंस।

एंकर-प्रोक्योरमेंट: जैसे मॉडलों का विस्तार; ट्रायल-टू-प्रोक्योर फ्रेमवर्कताकिसफल प्रोटोटाइप को तेज़ी से ऑर्डर मिलें; /स्टार्टअप को कोटा।

ग्तमार्शियलाइजेशन: सार्वजनिक लैब/ को स्टार्टअप्स हेतु रॉयल्टी-लाइट लाइसेंस; सॉवरेन पेटेंट फंड जो रणनीतिक पेटेंट खरीद/संरक्षण करे।

वाउचर और टैक्स क्रेडिट: को प्रयोगशालाएं/टेस्ट-बेड उपयोग हेतु वाउचर; 10 वर्षके लिए टैक्स-क्रेडिट की स्थिरता ताकिप्लांट और प्रतिभा पर दीर्घकालीन निवेश हो।

त्वरित अवमूल्यन और सपोर्ट: लैब उपकरण/क्लीन-रूम/टेस्ट-रिग पर 1-2 वर्षमें त्वरित अवमूल्यन; पूंजी-गहन डीप-टेक के लिए क्रेडिट गारंटी।

साइबर-टेक बूस्ट: राष्ट्रीय बग-बाउंटी/रेड-टीम कार्यक्रम; सरकार-उद्योग डेटा सैंडबॉक्स; सुरक्षा-ठोड ओपन-सोर्सके लिए अनुदान।

फार्मा-मिशन: रोग-विशेष मिशन (कैंसर, डायबिटीज, थैलेसीमिया, मानसिक स्वास्थ्य) के लिए स्तरित-ठांट, तेज़नैतिक-स्वीकृतियां, और ग्लोबल ट्रायल नेटवर्कसे कनेक्टिविटी।

टैलेंट और इन्क्यूबेशन: एंटरप्रेन्योर-इन-रेज़िडेंस फैलोशिप, शहर-स्तरीय डीप-टेक क्लस्टर, और विश्वविद्यालय-उद्योग संयुक्त लैब्स जिनके परिणामों की खरीद का पूर्व-प्रतिबद्ध रोडमैप हो।

शासन-सुधार: नीतिकी विश्वसनीयता ही पूंजी है निवेश का सबसे बड़ा मित्र नीति-स्थिरता है। 10-वर्षीय स्पष्ट रोडमैप, कर-नीतिमें उलटफेर से बचाव, मानकीकरण/टेस्टिंग ढांचे का आधुनिकीकरण, और डेटा/गोपनीयता/निर्यात नियमों की स्पष्टता-ये सब निजी जोखिम घटाते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की समस्या-सूचियां नियमित रूप से जारी हों ताकिस्टार्टअप्स सटीक समाधान विकसित करें। सबसे बढ़कर, सरकार अनुमोदक से सक्षमकर्ताबने-न्यूनतम फॉर्म, अधिकतम विश्वास, और परिणाम-आधारित जवाबदेही।

निष्कर्ष: नेतृत्व की नियतिऔर युवा की ऊर्जा भारत के उद्योगपतिऔर युवा इंजीनियर-साइंटिस्ट में वह क्षमता है जो वैश्विक मानचित्र बदल सकती है। उन्हें सिर्फअधिकार, भरोसा और प्रोत्साहन चाहिए। सरकार की पूंजी से अधिक मूल्यवान है सरकार का स्पष्ट संकेत: निजी क्षेत्र को पूर्णस्वतंत्रता, बड़े इंसेंटिव और तीव्र अनुमतियां मिलेंगी। यही समय है जब भारत लागत-प्रतिस्पर्धासे ज्ञान-प्रतिस्पर्धाकी ओर निर्णायक कदम बढ़ाए-वरना कल की लड़ाइयों में आज की हिचकिचाहट हमारी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाएगी।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़कॉमर्सएंड इंडस्ट्री
पूर्वउपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड जयपुर, राजस्थान,

टवेरा गाडी जवाई नदी के बहाव में फंसी

सायला, (निसं)। थानाक्षेत्र के बोरवाडा गांव में जवाई नदी में रपट के ऊपर से बहते पानी को पार करने के दौरान सवारियों से भरी एक टवेरा गाडी बहते पानी के बीच फंस गई। जिससे एक बार तो गाडी में सवार यात्रियों की सांसे अटक गई। गनीमत रही कि नदी का वेग सामान्य था। अन्यथा बडा हादसा हो सकता था।

जानकारी के अनुसार बोरवाडा में जवाई बांध के पानी की निकासी से जवाई नदी रपट के ऊपर से प्रवाहित हो रही है। जिससे आमजन व वाहनों की आवाजाही बंद है। लेकिन गुरुवार को रानीवाडा कांबा से टवेरा चालक छह यात्रियों को लेकर आ रहा था। जिन्हें बोरवाडा होकर आगे निकलना था। वाहनचालक को नदी के दूसरे छोर पर निवासरत किसानों व ग्रामीणों ने रपट के ऊपर होकर बहती नदी से गाडी निकालने को मना किया था।

शकुन्तला को मिली पशु बीमा पॉलिसी

धौलपुर की बसेडी ग्राम पंचायत के झील गांव निवासी शकुन्तला देवी परिवार की अतिरिक्त आय के लिए भैंस पालती है क्योंकि वह और उसका पति पीतम सिंह अपनी छोटी सी जोत के कारण खेती पर निर्भर नहीं रह सकते। किसी भी पशु की मृत्यु उसके परिवार की आर्थिक स्थिति को परेशानी में डाल देती है लेकिन मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की दूरगामी सोच से राज्यभर में 17 सितम्बर से संचालित ठाामीण सेवा शिविर अभियान के पहले ही दिन शकुन्तला की दोनों भैंसों का मंगला पशु बीमा किया गया। झील के अटल सेवा केन्द्र में आयोजित शिविर से पहले ही पशुपालन विभाग के कार्मिक शकुन्तला समेत ठााम पंचायत के प्रत्येक घर पहुंचे तथा उन्होंने सूची बनाई कि किस परिवार को किस योजना का पात्र होने के बावजूद अभी तक लाभ नहीं मिला है। इस योजना में बीमित गाय, भैंस और ऊंट का 40 हजार रूपये तथा बकरी व भेड का 4 हजार रूपये का 1 वर्ष अवधि के लिए निःशुल्क बीमा किया जाता है। शकुन्तला ने राज्य सरकार की इस योजना का निःशुल्क लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का आभार व्यक्त किया है। शकुन्तला को कैंप में मंगला पशु बीमा योजना की पॉलिसी दी गई। इससे यह परिवार प्रसन्न है कि राजस्थान सरकार के इस कार्यक्रम के तहत इन्हें आर्थिक सुरक्षा कवच व गारंटी प्राप्त हुई है।

ग्रमीण सेवा शिविर अभियान के पहले ही दिन शकुन्तला की दोनों भैंसों का मंगला पशु बीमा किया गया।

राजकुमार मीण, सहायक निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क

ताड़का वध के मंचन ने रोमांचित किया

पावटा। कस्बा पावटा स्थित रामलीला मैदान में आदर्श रामलीला मंडल पावटा द्वारा लीलाओं का मंचन किया जा रहा है। बुधवार को स्थानीय कलाकारो द्वारा ताड़का वध के दृश्यों को मंचित किया गया जिसे देख दर्शक रोमांचित हो उठे। जिसको देखने के लिए दर्शकों की काफी भीड़ रही। वही व्यास पीठ पर बैठे व्यास योगेश शर्मा द्वारा गाई गई चौपाइयो ने दृश्यों को और मार्मिक बना दिया। इससे पूर्व विश्वामित्र (रामशरण बोहरा) के यज्ञ को राक्षसों ने किस प्रकार भंग किया, उसके दृश्य मंचित किए गए। राक्षसों के आंतक से तंग होकर वे राजा दशरथ (महेश पारीक) की शरण में भगवान श्रीराम-लक्ष्मण (लक्की- शुभम) को लेने पहुंचे। विश्वामित्र ने जब राजा दशरथ को राक्षसों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान भंग करने का हाल सुना कर इनकी रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण को भेजने का आग्रह किया।

जयपुर की फर्म को सेवा में त्रुटि का दोषी माना, खर्चा लौटाने सहित एक लाख दस हजार का जुर्माना

जालोर (कासं)। जालोर सहित राजस्थान के किसानों के लिए एक अच्छी खबर है। अगर किसी ने भी गारंटी अवधि में ग्रीन हाउस या अपने कृषि कुएं पर कृषि उपकरण लगाए हैं और वो गारंटी अवधि में है, तो चिंता करने की जरुरत नहीं है। जिला उपभोक्ता न्यायालय की ओर रुख करने परिवादी पेश कर राहत प्राप्त कर सकते है। जिला उपभोक्ता आयोग जालोर के अध्यक्ष घनश्याम यादव ने एक किसान को गारंटी अवधि में क्षतिग्रस्त ग्रीन हाउस नहीं बदलने वाली होर्टीकल्चर डवलपमेंट सोसायटी और सप्लायर्स फर्म राधा गोविंद को सेवा में त्रुटि का दोषी मानते हुए ग्रीन हाउस में लगाये गई राशि पांच लाख अडतीस हजार रुपये मय ब्याज अदा करने सहित एक लाख दस हजार का भारी जुर्माना ठोका है। परिवादी कांतिलाल पुत्र गलबाराम, जाति मेघवाल निवासी भागली सिंधलान ने अपने खातेदारी खेत में ग्रीन हाउस लगाने के लिए सहायक निदेशक, होर्टीकल्चर डवलपमेंट सोसायटी जालोर को 23 नवम्बर 2017 को ऑनलाइन रसीद कटवा कर आवेदन किया था। इसके पश्चात होर्टीकल्चर व मैसर्स राधा गोविन्द ट्रेडर्स के प्रो. मदन मोहन यादव, जयपुर के साथ पांच सौ रुपये के स्टाम्प पर एक अनुबंध भी किया था। जिसके तहत अप्रार्थीगण ने परिवादी के खेत क्षेत्रफल 1.19 हैक्टर भूमि पर ग्रीन हाउस लगाने तथा ग्रीन हाउस का निर्माण एवं स्थापना करने से तीन वर्ष तक उसे ठीक करने अथवा बदलने की निःशुल्क गारन्टी भी दी। परिवादी ने ग्रीन हाउस लगाने के लिए मैसर्स राधा गोविन्द ट्रेडर्स जरिए चेक एवं नकद कुल पांच लाख अडतीस हजार रुपये अदा किए थे। संपूर्ण राशि प्राप्त करने के बाद उन्होने परिवादी के खेत में ग्रीन हाउस लगाया, लेकिन कुछ समय तक सही ढंग से कार्य करने के बाद ग्रीन हाउस की नेट गुणवता वाली नहीं होने से ग्रीन हाउस की नेट पूरी तरह से फट गई, जो गारंटी अवधि के दौरान थी। परिवादी ने अप्रार्थीगण को कई बार शिकायत की, लेकिन गारंटी अवधि के बावजूद उसे नहीं बदला गया और ना ही ठीक किया गया। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष घनश्याम यादव और सदस्य निरंजन शर्मा ने पत्रावली पर आए तथ्यों और उनके जवाब का अवलोकन करने के पश्चात सहायक निदेशक, होर्टीकल्चर डवलपमेंट सोसायटी जालोर और मैसर्स राधा गोविंद ट्रेडर्स के प्रो. मदन मोहन यादव को सेवा में त्रुटि का दोषी माना तथा परिवदी द्वारा ग्रीन हाउस के लिए चुकाई गई।

सेवा शिविर में व्यवस्थाएं पुख्ता रखें : धनकड़

पावटा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में सेवा पर्व पखवाड़े के तहत 17 सितंबर से शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों का शुभारम्भ जिलेभर में किया गया। जहां दिनांक वार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनखड़ ने नगरपालिका पावटा प्रागपुरा व ग्राम पंचायत तुलसीपुरा व पांचूडाला में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत शुरू हुए शहरी सेवा शिविर 2025 का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को शिविरों के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक आमजन को शिविरों से लाभान्वित करने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए निर्देशित किया है।
शिविर में पालिका के अतिरिक्त चिकित्सा विभाग पावटा, सार्वजनिक निर्माण विभाग पावटा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग पावटा, जेवीवीएनएल विभाग पावटा, आयोजना विभाग पावटा, आयुर्वेद विभाग पावटा, रसद विभाग पावटा, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा न्याय एवं अधिकारिता विभाग पावटा सहित अन्य विभागों द्वारा आमजन की समस्याओं को सुन उनका समाधान किया गया। विधायक कुलदीप धनखड ने कहा कि सभी विभाग सक्रियता से भागीदारी निभाकर पंचायत एवं वार्डवार समस्याओं को चिन्हित करें, जिन व्यक्तियों को प्री कैम्पस में योजनाओं के लाभ के लिए चिन्हित किया गया है उन्हें सूचित कर मौके पर लाभान्वित कराए। उन्होंने कहा कि शिविर में आने वाला कोई भी व्यक्ति निराश होकर नहीं लौटे। विधायक धनखड़ ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चेक वितरण किया।

दो स्कूलों के प्रधानाचार्यों को कारण बताओ नोटिस

■ **शिक्षा मंत्री के दौरें में कक्षा में मोबाइल पर बातें करते मिले शिक्षक**

कोटा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को कोटा के शहरी क्षेत्र के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। शिक्षा मंत्री गुरुवार को सुबह 8 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजपोल पहुंचे। दिलावर ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पवित्रा त्रिपाठी के साथ स्कूल में चल रही कक्षाओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने एक-एक कक्षा में जाकर बच्चों से बात की और क्लास में पढ़ा रहे शिक्षकों से मोबाइल मांगा। चार शिक्षकों के पास क्लास में मोबाइल मिला। जिसे मंत्री के निर्देश पर विभाग द्वारा जब्त कर लिया गया। दिलावर ने स्कूल में सरकारी निर्देशों की अवहेलना करने पर वरिष्ठ अध्यापक सीमा यादव, अध्यापक लेवल-2 ललिता शर्मा, अध्यापक लेवल -1 तथा बेसिक कंप्यूटर अध्यापक रश्मि माथुर को कारण बताओं नोटिस देने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री के निर्देश पर स्कूल प्रधानाचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बृजराजपुर, चित्तौड़ा का नोहरा में शिक्षा मंत्री जब पहुंचे तो बच्चे इधर-उधर घूमते नजर आए। किसी भी कक्षा में अध्यापक नहीं थे। एक कक्ष में गणित के वरिष्ठ अध्यापक अजीत कुमार जैन मोबाईल पर बात करने में व्यस्त थे। शिक्षा मंत्री ने संबंधित शिक्षक को निलंबित करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालय से शिक्षकों के गायब होने, विद्यार्थियों के उचित गणवेश में नहीं होने, अध्यापक कक्षाओं में नहीं होने तथा प्रधानाचार्य के कक्ष में बैठे होने, विलंब से स्कूल आने, स्कूल में अनुशासन नहीं होने, आदेशों के बावजूद भी विद्यालय किराए के भवन में चलने के कारण प्रिंसिपल बिंदु अग्रवाल को नोटिस जारी किया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, महावीर नगर थर्ड में शिक्षा मंत्री कक्षा में पहुंचे तो बच्चे बैठे थे और एलईडी स्क्रीन पर ऑनलाईन क्लास चल रही थी। लेकिन क्लास में कोई शिक्षक नहीं था। कक्षा बारहवीं में 4 बच्चे बैठे थे, लेकिन शिक्षक नहीं था। मंत्री ने पूछा किसका कालांश है। बच्चों ने बताया कि रिजवाना मैडम का है। इकोनॉमिक्स की क्लास है। मंत्री ने पूछा रिजवाना मैडम कहां है तो बताया कि वो स्कूल में परीक्षा केंद्र है उसकी तैयारी कर रही है। मंत्री को किसी भी कक्षा-कक्ष में शिक्षक क्लास लेते नहीं मिले। कई शिक्षक तो मंत्री को देख कर हाजरी रजिस्टर में अपनी-अपनी हाजरी दर्ज करने दौड़े।

स्कूल में ना तो मेगा पीटीएम आयोजित की गई और ना ही पौधारोपण हुआ। बच्चों की होमवर्क डायरी तथा टीचर्स डायरी भी शिक्षक दिखा नहीं पाए। शिक्षा मंत्री ने स्कूल में गंदगी सहित तमाम अव्यवस्थाओं के लिए प्रिंसिपल को नोटिस देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जहां कई स्कूलों में अव्यवस्थाएं मिली तो वही पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्रीपुरा की व्यवस्था को देखकर मंत्री दिलावर प्रसन्न हो गए।

फ्लैग मार्च निकाला : सरवाड़ में केन्द्रीय गृह मंत्रालय के आदेशानुसार जयपुर राजस्थान में तैनात रैपिड एक्शन फोर्स की 83 बटालियन के कमांडेंट कुलदीप कुमार जैन के मार्गदर्शन एवं नंदिनी शर्मा सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में द्रुत कार्य बल की एक प्लाटून द्वारा शहर में प्रमुख मार्गो से होते हुए सदन बाजार में फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान सरवाड़ थानाअधिकारी जगदीश प्रसाद अपने थाने के जाप्ते के साथ फ्लैग मार्च में मौजूद रहे वहीं फ्लैग मार्च पथवारी माता मंदिर परिसर से शुरू होकर बस स्टैंड विजय द्वार, सदर बाजार दुधादिया मोहल्ला दाऊल मीर मंदिर काजियान मस्जिद दरगाह बाजार मोमिन चौक नाथ मोहल्ला बस स्टैंड पहुंचकर संपन्न हुआ।

जिला कलेक्टर ने किया ग्रामीण सेवा शिविरों का अवलोकन

अजमेर (कासं)। सेवा पखवाड़ा 2025 के अन्तर्गत आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों का जिला कलेक्टर लोक बन्धु के द्वारा गुरूवार को अवलोकन किया गया। जिला कलेक्टर लोक बन्धु ने पालरा एवं बीर ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्राम सेवा शिविर का निरीक्षण कर आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के दस्तावेजों का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराएं। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े समस्त किसानों की भी फॉर्मर रजिस्ट्री होनी चाहिए। साथ ही किसानों को गिरदावरी एप का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इससे गिरदावरी का कार्य तेज गति से हो पाएगा। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित ग्राम पंचायत के समस्त 10 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों के बैंक खाते आवश्यक रूप से खुलवाए। न्यायलयों के भी सभी नोटिस तामील होने चाहिए। समस्त सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। पालनहार योजना के लाभार्थियों के सम्पर्क में रहकर सत्यापन करावें। समस्त किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पोलिसी वितरित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग द्वारा समस्त पुरानी शिकायते प्री-कैम्प के दौरान ही निस्तारित कर देनी चाहिए। बिजली के झुलते तारों को ठीक करवाएं।

पण्डित दीन दयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के अन्तर्गत भी निर्देशानुसार कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी गरिमा नरूला, जिला रसद अधिकारी मोनिका जाखड़, तहसीलदार ओम सिंह लखावत, विकास अधिकारी सुधीर पाठक सहित जन प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यायपालिका, प्रशासन और पुलिस मिलकर मध्यस्थता का मार्ग प्रशस्त करेंगे

ब्यावर (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में चल रहे मेडिएशन फॉर द नेशन अभियान के तहत ब्यावर जिले में 24, 25 एवं 26 सितम्बर 2025 को मध्यस्थता कैम्प आयोजित किए जायेंगे , जिनका उद्देश्य लंबित मामलों का शीघ्र और आपसी सहमति से निपटारा करना है। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला एवं सेशन न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित किया और उनके प्रश्नों का उत्तर दिया, उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, प्रशासन और पुलिस मिलकर मध्यस्थता का मार्ग प्रशस्त करेंगे। अधिकांश प्रकरण राजीनामे से समाप्त होते हैं, ऐसे में अनावश्यक समय गंवाने के बजाय हमें अधिक से अधिक मामलों को मध्यस्थता से निस्तारित करना चाहिए। वर्तमान में ब्यावर जिले में लंबित प्रकरणों के अवलोकन में पाया गया कि ऐसे बहुत सारे मुकदमे लंबित है जिनमे राजीनामे की गुंजाइश है। आवश्यकता एक ऐसे मंच की है जहां पर दोनों पक्ष आमने-सामने बैठकर अपने विवादों को मध्यस्थता के माध्यम से समाप्त करने की कोशिश करते हैं। इससे न्यायालय में लंबित प्रकरणों का भार काम होगा जिससे न्यायपालिका त्वरित निर्णय देगी तो अपराधियों में भय और आमजन में न्याय पर विश्वास और अधिक बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि केरल में इस अभियान का सफल प्रयोग हो चुका है और अब ब्यावर भी इसी राह पर आगे बढ़ेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगामी 24 से 26 सितम्बर तक ब्यावर में आयोजित होने वाले मध्यस्थता कैम्प की रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी दी गई।अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश विजय प्रकाश सोनी ने कहा कि अक्सर छोटे-छोटे प्रकरण व्यक्ति के ईगो के कारण कोर्ट तक पहुंच जाते हैं, जबकि अंततः वे मध्यस्थता और राजीनामे पर ही समाप्त होते हैं। ऐसे में मध्यस्थता की राह सबसे उपयुक्त है। जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने जिला न्यायाधीश महोदय को आश्वस्त किया कि अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन पूर्णतः मुस्तैद रहेगा।पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने भी इस अभियान को अत्यंत उपयोगी बताया और मीडिया से आव्हान किया कि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। पुलिस प्रशासन सदैव इस कार्य के लिए तैयार है।

जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज की मांग

अजमेर (कासं)। बोराज गांव में 4 सितंबर को तालाब की पाल टूटने की घटना के बाद अब जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। गुरुवार को युवा कांग्रेस ने एसपी वंदिता राणा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया कि प्रशासनिक लापरवाही और मिलीभगत के कारण हजारों लोग जलमग्न हुए और उनका जीवन संकट में पड़ा। युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया कि 4 सितंबर 2025 को अजमेर जिले के बोराज गांव स्थित तालाब की पाल टूटने की घटना से हजारों नागरिकों का जीवन संकट में आ गया। स्थानीय निवासियों द्वारा लगातार पानी रिसाव और पाल टूटने की संभावना के बारे में संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को पूर्व में मौखिक रूप से सूचित किया गया था।

जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज की मांग : सागर मीणा ने बताया कि पूर्व में अधिकारियों को सूचित किया था, लेकिन इसके बावजूद जल संसाधन विभाग के अधिकारियों, एडीए सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने संवैधानिक, वैधानिक जिम्मेदारी नहीं निभाई। अधिकारियों की लापरवाही के चलते ही हजारों मकान सप्ताह से अधिक समय तक जलमग्न रहे तथा मानव जीवन प्रत्यक्ष रूप से संकट में पड़ा। यह स्पष्ट रूप से गंभीर आपराधिक लापरवाही प्रमाणित होती है, उन्होंने कहा कि लापरवाही एवं घातक कृत्य से मानव जीवन एवं स्वास्थ्य को संकट में डालना जिससे साधारण व गंभीर चोटे अतः मृत्यु का खतरा उत्पन्न हुआ। अधिकारियों द्वारा जानबूझकर लापरवाही और मिली भगत से जिम्मेदारी तय या तथ्य छुपाने का कार्य किया। ये न केवल प्रशासनिक लापरवाही बल्कि दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों ने एसपी वंदिता राणा को ज्ञापन सौंपकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है, जिससे कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही फिर से न हो सके। एसपी को ज्ञापन देने वालों में सागर मीणा, लोकेश शर्मा, प्रदेश सचिव अकबर हुसैन, संजय मेघवंशी, कविता कहार, नितेश राठौड़, गर्व दत्त, चिरंजीव सिंह, मुनींद्र मीणा, फैजान हैदर, अमित जैन, सलमान चीता, सद्दाम खान, अभिनव भटनागर, प्रिंस प्रजापत, शाहबाज खान, यश बुंदेल, नितिन शर्मा, अली नासिर व पद अधिकारी मौजूद रहे।

राहुल गांधी का वोट चोर गद्दी छोड़ो अभियान

अजमेर(कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के निर्देश पर देशभर में चलाए जा रहे वोट चोर गद्दी छोड़ो अभियान के तहत बुधवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम के तहत हस्ताक्षर अभियांन चलाने के लिए बुधवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संभागीय प्रभारी रामविलास चौधरी, अजमेर प्रभारी प्रदेश महासचिव चेतन डूडी एवं विधानसभा प्रभारी प्रदेश सचिव मुकुल गोयल की सदारत में हुई। बैठक में शहर अध्यक्ष विजय जैन ने वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम के तहत विधानसभा स्तर ब्लॉक स्तर, मंडल स्तर एवं वार्ड स्तर तक हस्ताक्षर अभियान चलाने पर विचार व्यक्त किए। जैन ने कहा कि अभियान की शुरुआत इसलिए की है ताकि देश में चुनावी व्यवस्था को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया जा सके। जिला प्रभारी चेतन डूडी और कार्यक्रम प्रभारी मुकूल गोयल ने बताया कि कांग्रेस इस अभियान को बूथ स्तर तक ले जाएगी। आम जनता से हस्ताक्षर कराकर चुनाव आयोग को सौंपे जाएंगे ताकि निष्पक्ष चुनावी व्यवस्था के लिए दबाव बनाया जा सके। संभाग प्रभारी रामविलास चौधरी ने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में चलाया जा रहा यह अभियान देश के हर राज्य में जन समर्थन जुटा रहा है। कांग्रेस पार्टी का उद्देश्य है कि चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और भ्रष्टाचारमुक्त हो, जिससे मतदाता का विश्वास लोकतंत्र में बना रहे। बैठक में डॉ राजकुमार जयपाल, महेंद्र सिंह रलावता, हेमंत भाटी, नाथूराम सिनोदिया, हाजी इंसाफ अली, डॉ सुनील लारा, रामनारायण गुर्जर, डॉ गोपाल बाहेती, गजेन्द्र सिह रलावता अंकुर त्यागी, श्याम प्रजापति, विपिन बैसिल, रश्मि हिंगोरानी, रेनू मेघवंशी, प्रियंका चौधरी, कैलाश कोमल, बलराम शर्मा, अशोक बिंदल, आदी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की चन्द्रवरदाई नगर योजना के आवसीय भूखण्ड सख्या F-102 क्षेत्रफल 136.11 वर्ग गज आवंटी / अन्तरिति रमेश गिदवानी पुत्र टिलूमल गिदवानी निवासी F-102 चन्द्रवरदाई नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 6/7/25 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा पंजीकृत /अपंजीकृ दिनांक 6/9/2024 संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु श्रीमती शालू गिदवानी पत्नि स्व रमेश गिदवानी निवासी F-102 चन्द्रवरदाई नगर अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। - योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत अरांई पंचायत समिति अरांई(अजमेर)

क्रमांक: ग्रा.पं.अ./218/2025 — आम सूचना — दिनांक-17/09/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी गोपाल गुर्जर पुत्र गोगाराम गुर्जर निवासी अरांई द्वारा निम्नलिखित पट्टारा.प.रा.नि.173/क के अन्तर्गत आवेदन प्रस्तुत कर वसीयतनामा के आधार पर स्वयं के नाम इन्द्राज करवाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिस पर ग्राम पंचायत की पाक्षिक बैठक दिनांक 23/10/2024 को निर्णय लिया जाकर 1 माह का आपति नोटिस जारी किया जाता है। पट्टे का विवरण-

क्र.सं.	नाम मय पिता का नाम	पट्टा सं./वर्ष	क्षेत्रफल	सीमाएं
1.	छोगा पुत्र सुखेदव गुर्जर	01/4/2007	1350 वर्ग फीट	उत्तर- सड़क के मध्य से 75 फीट दूरी पर दक्षिण- श्रीमती गायत्री पत्नि जसवंत मीणा पूर्व- 20 फीट चौड़ा रास्ता व स्वयं का निकास पश्चिम- कौडिया सागर की पाल

उक्त किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो मय दस्तावेजों के कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी आपति 1 माह में दर्ज करवा सकते है। 1 माह के समय उपरान्त किसी भी प्रकार की कोई आपति पर विचार नहीं किया जाएगा। अतः सूचित रहे।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अरांई, पं.स.अरांई, जिला अजमेर — प्रशासक, ग्राम पंचायत अरांई, पं.स.अरांई, जिला अजमेर

प्ररूप-10- नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर परिषद केकड़ी (अजमेर) - राजस्थान

क्रमांक/नपकि/प्रा.अ./कृ.भू.नि./2023/1831 — -लोक सूचना- — दिनांक-28/2/2025

आवेदक शकील मोहम्मद पुत्र इकबाल मोहम्मद जाति-मुसलमान निवासी-गुमान सिंह जी का दरवाज, पुर्वियों का मोहल्ला नया शहर किशनगढ जिला अजमेर राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक प्रयोजनार्थ गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

तहसील और जिले का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
किशनगढ़-अजमेर	सांवतसर	74/4	खसरा नं. 74/4 में कुल रकबा 0.1052 हैक्टेयर अर्थात 1052.00 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू- राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 10 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज को जारी की गयी। -प्राधिकारी अधिकारी आयुक्त नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाड़ा (राज0)

प्ररूप-10- 6नियम 6 (7) देखिए 8

सं.-919-22 — प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा — दिनांक: 17/09/25

लोक सूचना

आवेदक कोमल इन्फावेन्चर प्रा0लि0 तरवारिया जिला भीलवाड़ा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

जिले सहित	तहसील का नाम	ग्राम का नाम खसरा सं.	क्षेत्र
राजस्व ग्राम तस्वारियां	अन्टाली	राजस्व ग्राम तरवारिया खसरा संख्या-1735/1500 व 1736/1500	कुल क्षेत्रफल 5990.00 वर्गमीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गयी। -प्राधिकारी अधिकारी (अधिशाषी अधिकारी) नगरपालिका गुलाबपुरा

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ जिला-अजमेर (राज.)

क्रमांक :नपकि/भूमि/2025/6636 — आम सूचना — दिनांक-18/09/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती निर्मला मुखिया पत्नी श्री सुरेश मुखिया ने खांचा भूमि/भोगपड़त के तहत पट्टा चाहने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जो की कृष्णा विहार कॉलोनी, चैनपुरिया मदनगंज किशनगढ़ में है जिसका कुल क्षेत्रफल 99.61 वर्गगज है जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से है-

पूर्व में- चैनपुरिया रोड — पश्चिम में- स्वयं का भूखण्ड बाद में 30' आम रास्ता

उत्तर में- अन्य प्लाट — दक्षिण में- श्री संजय जी, श्री जीत कुमार जी, श्री उपराव जी का मकान

उक्त सीमा मध्य स्थित खांचा भूमि/भोगपड़त के तहत पट्टा जारी किये जाने में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो लिखित में सूचना प्रकाशन में 7 दिवस में प्रस्तुत करे बाद-मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति/ऐतराज मान्य नहीं होगा। अतः सूचित रहे। -प्रभारी, भूमि शाखा, नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर निगम,अजमेर

क्रमांक :न.नि.अ/भवन/25-26/269 — आपत्ति सूचना — दिनांक: 8.9.25

श्री किशन आसुदानी पुत्र स्व. श्री दौलतराम आसुदानी, श्रीमती रितु आसुदानी पत्नी श्री किशन आसुदानी, श्रीमती सुमन आसुदानी पत्नी श्री राजकुमार आसुदानी, नरेश आसुदानी पुत्र स्व. श्री दौलतराम आसुदानी, श्रीमती ज्योति आसुदानी पत्नी श्री नरेश आसुदानी निवासीगण 271 हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य कोटडा रोड अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 7/489 पुराना, 595/36 नया, ए.एम.सी. नं. 492/14 पुराना 601/37 नया का एक भाग है जो वाके नला बाजार अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 194.55 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है -

पूर्व- आम रास्ता नला बाजार — पश्चिम- अन्य की सम्पत्ति

उत्तर- गली आम व अन्य सम्पत्ति — दक्षिण - श्री हरिदास जी की दुकान व गोदाम व अन्य की सम्पत्ति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त अजमेर नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम,अजमेर

क्रमांक :न.नि.अ/भवन/25-26/270 — आपत्ति सूचना — दिनांक: 8.9.25

श्री राजकुमार आसुदानी पुत्र स्व. श्री दौलतराम आसुदानी, श्री किशन आसुदानी पुत्र स्व. श्री दौलतराम आसुदानी, श्रीमती सुमन आसुदानी पत्नि राजकुमार आसुदानी, श्रीमती रितु आसुदानी पत्नी श्री किशन आसुदानी एवं श्री गर्वित आसुदानी पुत्र श्री नरेश आसुदानी निवासीगण 271 हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य कोटडा रोड अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 14/532 व 14/533 पुराना, 39/644-39/645 नया, ए.एम.सी. नं. 39/633 का पश्चिमी भाग स्थित नला बाजार एवं ए.एम.सी. नं. 7/527 पुराना 639/39 नया स्थित चून पचान गली अजमेर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 124. 92 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है -

पूर्व-श्री अमोलकचन्द कासलीवाल व अन्य की सम्पति ए.एम.सी. नं. 14/535 — पश्चिम-जायदाद श्री नेमीचन्द जी इन्द्रभान सोनी ए.एम.सी. नं. 14/531

उत्तर- गली — दक्षिण - रास्ता आम नला बाजार का है

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम,अजमेर

क्रमांक :न.नि.अ/भवन/25-26/268 — आपत्ति सूचना — दिनांक: 8.9.25

श्रीमती रितु आसुदानी पत्नी श्री किशन आसुदानी, श्री राजकुमार आसुदानी पुत्र स्व. श्री दौलतराम आसुदानी निवासीगण 271 हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य कोटड़ा रोड अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 7/515, 507/07, 07/508 7/513 7/514 चूनपचान गली नला बाजार अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 182.37 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है -

पूर्व- चौक व अन्य की सम्पत्ति — पश्चिम- अन्य की सम्पत्ति

उत्तर- अन्य की सम्पत्ति — दक्षिण - रास्ता आम

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त अजमेर नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक: नियमन/25-26/1365 — आम सूचना — दिनांक-17/09/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रकाशचंद रांका पुत्र श्री सोहनलाल रांका निवासी के.एस. तालेड़ा मार्केट, पीपलिया बाजार, ब्यावर ने राजस्व ग्राम नयानगर के खसरा नंबर 1682 में स्थित परमेश्वर नगर के भूखण्ड संख्या 03 कुल क्षेत्रफल 140.61 वर्गगज भूमि का वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु आवेदन किया गया है।अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो 15 दिवस के भीतर-भीतर निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपति विचारणीय नहीं होगी। (सीमाएं साई प्लान के अनुसार)

पूर्व	:	प्लाट नं. 04
पश्चिम	:	रोड 60 फीट
उत्तर	:	प्लाट नं. 02
दक्षिण	:	रोड 30 फीट

आयुक्त, नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक: नियमन/25-26/1379 — आम सूचना — दिनांक-17/09/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गिरधारी लाल अग्रवाल पुत्र श्री मदनलाल निवासी भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर द्वारा राजस्व ग्राम नृसिंहपुरा के खसरा नं. 452, 457 से 460 में स्थित अराजपत्रित कर्मचारी कॉलोनी गायत्री नगर के भूखण्ड सं ख्या 27 कुल क्षेत्रफल 272.22 वर्गगज भूमि का आवासीय लीज होल्ड से मिश्रित प्रयोजनार्थ भू उपयोग परिवर्तन सहित फ्री होल्ड पट्टा विलेख हेतु आवेदन किया गया है। अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो 15 दिवस के भीतर-भीतर निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपति विचारणीय नहीं होगी। (सीमाएं साई प्लान के अनुसार)

पूर्व	:	प्लाट नं. 32
पश्चिम	:	रोड 20 फीट
उत्तर	:	प्लाट नं. 28
दक्षिण	:	रोड 60 फीट

आयुक्त, नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक-1057 — जाहिर आम सूचना — दिनांक-15-09-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2/214, पंचशील, अजमेर क्षेत्रफल 120.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री पवन माथुर पुत्र श्री एच.डी. माथुर को आवंटित कर दिनांक 14.07.2000 को आवास का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री पवन माथुर पुत्र श्री एच.डी. माथुर द्वारा दिनांक 26.02.2003 को आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात श्री पवन माथुर पुत्र श्री एच.डी. माथुर द्वारा आवास का वैचान श्री अनूप पारदासानी पुत्र श्री दौलतराम व श्रीमती नैना पारदासानी पत्नि श्री अनूप पारदासानी को दिनांक 27.10.2022 को कर दिया गया है। मण्डल द्वारा श्री अनूप पारदासानी व श्रीमती नैना पारदासानी के पक्ष में दिनांक 30.05.2023 को नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। पुनः श्री अनूप पारदासानी व श्रीमती नैना पारदासानी द्वारा आवास का वैचान श्रीमती माना देवी पत्नि श्री महेश चौधरी को दिनांक 04.04.2025 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 965 में पृष्ठ संख्या 73 क्रम संख्या 202503002103299 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 3858 के पृष्ठ संख्या 450 से 468 पर दिनांक 04.04.2025 को चस्पा किया गया है। अब श्रीमती पाना देवी पत्नि श्री महेश चौधरी ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती पाना देवी पत्नि श्री महेश चौधरी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। -सहायक प्रशासनिक अधिकारी, राजस्थान आवासन मण्डल,अजमेर

आम सूचना

मेरे दादाजी श्री लक्ष्मण पुत्र स्व. कज्जा जाति जाट निवासी गांव खेडा कर्मसोतान तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर का स्वर्गवास दिनांक 10 अगस्त 1967 को मेरे निवास स्थान पर हो गया है, जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे। प्रार्थी-गोविन्द पुत्र स्व. रुघनाथ

आम सूचना

मेरा हाऊसिह बोर्ड खोड़ा गणेश रोड़ स्थित मकान नंबर 3 डी 190 PH-1V खोडा गणेश रोड, प्लॉट एरिया 45.210 SQM का पजेशन (कब्जा) सर्टिफिकेट संख्या 1616, 14 सितम्बर 2020 एवं अल्माटमेन्ट संख्या 4368, 18 मार्च 2020 जो की किशनलाल सोलंकी पुत्र मेघाराम सोलंकी के नाम पंजीकृत है। यह है की अलाटमेंट लेटर व पजेशन लेटर दोनों ओरिजनल प्रपत्र दिनाक 15 सितम्बर 2025 को खोड़ा गणेश चौराहे के आस पास मदनगंज-किशनगढ़ में कही गुम हो गये, उपरोक्त दस्तावेज जिस किसी व्यक्ति को मिले तो निम्न पता पर पहुंचाने की कृपा कराये। प्रार्थी-किशनलाल सोलंकी मकान नंबर 188 हाउसिंह बोर्ड खोडा गणेश रोड़, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/148515
DATE :- 17.09.2025 — रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/7399 — दिनांक-17/09/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री बसंत कुमार गहलोत पुत्र श्री नोरतमल जी माली, ब्यावर ने क्षेत्र नं. कॉलोनी मां अन्नपूर्णा नगर द्वितीय प्लॉट/मकान 17-ए क्षेत्रफल 75 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड श्री छगनलाल पुत्र श्री रामपाल व अन्य के नाम दर्ज है। तत्पश्चात बेचान नामा दिनांक 21.8.2025, 18.1.2016, 10.8.2015, 4.6.2007 स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/147560
DATE :- 12.09.2025 — रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/7401 — दिनांक-17/09/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री मुकेश कुमार गौड़ पुत्र श्री बदरी नारायण जी गौड़, श्रीमती पूनम गौड़ पत्नी श्री राजेन्द्र गौड़ निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 5 साकेत नगर 2/179 क्षेत्रफल 107.54 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री लाल चन्द वर्मा पुत्र श्री अमरा राम जी के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि बेचान नामा दिनांक 07.10.2024 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नही होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/146383
DATE :- 4.09.2025 — रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/7432 — दिनांक-18/09/2025

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री अशोक खत्री निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 6 अक्षय नगर प्लाट नं. 6 का पूर्वी भाग क्षेत्रफल 86.66 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री शांति लाल पुत्र श्री रतनलाल जी कटारिया के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि-बेचान नामा दिनांक 14.07.2024, 28.10.2022 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/147741
DATE :- 12.09.2025 — रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/7436 — दिनांक-18/09/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री ताराचन्द पुत्र श्री कन्हैयालाल निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 7 श्रद्धानन्द बाजार 2 मकान नं. म्यु नं. 4/492 हाल नया नंबर 37 प्रा नं. सी क्षेत्रफल 9.55 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में सरस्वती देवी पत्नी श्री भागचंद जी के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि बेचान-नामा दिनांक 27.8.2025, व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/146364
DATE :- 04.09.2025 — सजरा प्रमाण पत्र

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/7433 — दिनांक-18/09/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री शेखरक चन्द, महावीर चन्द, नवीनचन्द, पुत्र श्री नोरतमल निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 5 सोहन मुणोत नगर प्लाट नं. 23 व 23 भाग 1 क्षेत्रफल 227.59 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री नोरतमल पुत्र श्री घीसूलाल के नाम दर्ज है। तत्पश्चात सजरा प्रमाण पत्र व मृत्यु प्रमाण व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/145960
DATE :- 12.09.2025 — रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/7400 — दिनांक-17/09/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री मंजुलता जैन पत्नी श्री पारसमल जी निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 1 रवि विहार कॉलोनी नया नगर खसरा नं. 424 मीन प्लाट नं. 07 क्षेत्रफल 151.66 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री मेवा गुर्जर पुत्र श्री हरलाल गुर्जर, श्रीमती राधा पत्नी श्री बन्ना जी गुर्जर के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि बेचान-नामा दिनांक 26.5.2011, 27.8.2021, 15.9.2023 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नही होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम kalicharandass से बदलकर kalicharandass khandelwal रखा है अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। M-30 Madhav kunj sagarvihar colony vaishali nagar ajmer

आम सूचना

मेरी दादी रुकमा देवी पत्नी लक्ष्मण जाति जाट निवासी गांव खेडा कर्मसोतान तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर का स्वर्गवास दिनांक 12 सितम्बर 1966 को मेरे निवास स्थान पर हो गया है, जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे। प्रार्थी-गोविन्द पुत्र स्व. रुघनाथ

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उतराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की हरीभाऊ उपाध्याय नगर (विस्तार) अजमेर योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 562 क्षेत्रफल 136.11 के आवंटी/अन्तरिति श्रीमती सुषमा अग्रवाल पत्नि श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल निवासी 562 हरीभाऊ उपाध्याय नगर (विस्तार) अजमेर की मृत्यु दिनांक 22.02.2012 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों में क्रमशः श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल पुत्र श्री रामावतार अग्रवाल निवासी अजमेर सौरभ अग्रवाल, अभीलाष अग्रवाल पुत्रगण श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल निवासी अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्री गौरव अग्रवाल पुत्र श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल निवासी 562 हरीभाऊ उपाध्याय नगर (विस्तार) के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 11.07.2025 एवं 13. 07.2025 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./69क/2025/3237 — आम सूचना — दिनांक:15-9-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिए जाएंगे। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो / प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देखें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क.सं.	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा नं.	भू.सं.	क्षेत्र
1.	नरबदा देवी पत्नी भंवरलाल प्रजापत	जयभोले कॉलोनी बिजयनगर	265,266	26-ए का 1/2 हिस्सा	92.90 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 — गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर — ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./69क/2025/3418 — आम सूचना — दिनांक:17-9-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है. कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिए जाएंगे। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो / प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देखें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क.सं.	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा नं.	भू.सं.	क्षेत्र
1.	हंजा देवी राव पत्नी प्रकाश राव	नेहरू कॉलोनी तारों का खेडा चौसला बिजयनगर	3993	27	69.68 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

बोली आमंत्रण सूचना

बोर्ड परीक्षा 2026 हेतु विभिन्न प्रकार के लिफाफें निर्माण एंव आपूर्ति (अनुमानित राशि रू 15.00 लाख) के उपापन हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से ऑनलाईन बोली दिनांक 24.09.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली संबंधी विस्तृत विवरण राज्य सरकार के उपापन पोर्टल (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.gov.in एवं बोर्ड वेबसाईट rajeduboard.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN CODE - SEB 2526A0018 — सचिव

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक: न.पावि./नामा/2025/3432 — आम सूचना — दिनांक: 18/9/2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लाट गृहकर पंजिका में अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है। अगर किसी को आपति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	मूल आवंटी/नामान्तरण	भूखंड का विवरण	भूखंड का नाप	प्रयोजनार्थ
189	संजय कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत	भंवर लाल कुमावत पुत्र मूलचंद कुमावत	आबादी क्षेत्र पीपली चौराहा बिजयनगर बस स्टैंड रोड का पार्ट ए व बी पार्ट	252.63 SQ Yard	व्यवसायिक
190	संजय कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत	भंवर लाल कुमावत पुत्र मूलचंद कुमावत	संजीवनी एनक्लेव फेस प्रथम बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 841 से 844 व 846 848 से 853 भू.सं. 01	2767.02 SQ Yard	व्यवसायिक
191	संजय कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत	भंवर लाल कुमावत पुत्र मूलचंद कुमावत	संजीवनी एनक्लेव फेस प्रथम बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 841 से 844 व 846 848 से 853 भू.सं. 01	1777.48 SQ Yard	व्यवसायिक
192	संजय कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत	भंवर लाल कुमावत पुत्र मूलचंद कुमावत	संजीवनी एनक्लेव फेस प्रथम बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 841 से 844 व 846 848 से 853 भू.सं. 03	2599.86 SQ Yard	व्यवसायिक
193	संजय कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत	भंवर लाल कुमावत पुत्र मूलचंद कुमावत	संजीवनी एनक्लेव फेस प्रथम बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 841 से 844 व 846 848 से 853 भू.सं. 19	90.19 SQ Yard	व्यवसायिक
194	संजय कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत	भंवर लाल कुमावत पुत्र मूलचंद कुमावत	विद्या विहार बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 857 भू.सं. ए	2914.00 SQ Yard	व्यवसायिक

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय ग्राम पंचायत छोटा लाम्बा प.सं. अरांई

क्रमांक 94 — दिनांक 18.9.25

आपति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लाम्बा के राजस्व ग्राम के आवासीय मकानों/भूखंडो के पट्टो हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है, जिनके पंचायतीराज नियम 157 व अन्य नियम के तहत पट्टे जारी किये जाने प्रस्तावित है। जिन पर आपतिया आमंत्रित की जाती है। उक्त आवेदनकर्ताओं के सम्बन्ध में किसी प्रकार कि कोई आपति हो तो कार्यालय में आपति मय दस्तावेज 30 दिवस के भीतर प्रस्तुत करे।

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	जाति	ग्राम	आस पड़ोस
1	धर्मनाथ/जगन नाथ कालबेलिया	कालबेलिया	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
2	तेजू राम/रिद्धकरण	जाट	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
3	पप्पू/रिद्धकरण	जाट	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
4	बद्री/भूरा	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
5	गोपाल / सुगना	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
6	छग्गन /कालूराम	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
7	बाबूलाल/कालूराम	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
8	मोहित/कालूराम	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
9	श्योजीराम/कालूराम	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
10	झमकू/रतना	बगरिया	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
11	लादू/श्योचंद	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
12	धुकल/मदुरम	जाट	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
13	मुकेश/कालूराम	जाट	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
14	सांवरलाल/शिवराज	प्रजापत	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
15	निरंजन जागिंड / गणेश	जांगिड	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
16	सुखदेव / परमेश्वर	जाट	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
17	हरिराम / परमेश्वर	जाट	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
18	पप्पू बैरवा / हरजी	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार
19	शिवराज / बिशना	बैरवा	लाम्बा	मिसल पत्रवालिनुसार

नोट उपरोक्त सुचिनुसार यदि पूर्व में किसी स्तर से कोई भी पट्टा जारी हो किसी प्रकार का आपसी भाई बटवारा ओर विवाद हो या किसी न्यायायलय में कोई प्रकरण विचाराधीन हो या किसी भी पडोसी, व्यक्ति, संस्था, सरकारी विभाग, राजस्व विभाग को उपरोक्त सूचि के आवेदनकर्ताओ के सम्बन्ध में किसी प्रकार कि कोई आपति हो तो आपत्ति प्रकाशन होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर ग्राम पंचायत कार्यालय में आपति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे। बाद मियाद किसी भी कार्यवाही के लिए ग्राम पंचायत जिम्मेदार नहीं रहेगी और न ही किसी आपति पर विचार किया जायेगा। यदि पूर्व में पट्टे पर पट्टा जारी होना पाया जाता है तो पूर्व में जारी पट्टा स्वत ही निरस्त समझा जायेगा, जिसकी जिम्मेवारी स्वयं प्राथी कि होगी एवं पट्टाधारक कानूनी कार्यवाही के लिया जिम्मेदार होगा। अतः सूचित रहे।

प्रशासक, ग्राम पंचायत लाम्बा, पं. स. अरांई (अजमेर) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत लाम्बा, पं. स. अरांई (अजमेर)

सीकर पुलिस पर कुल्हाड़ी डंडों से हमला

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित खोखरिया गांव में सीकर पुलिस पर मंगलवार की रात को हमला हुआ। धोखाधड़ी के प्रकरण में जांच एवं नोटिस देने पहुंची सीकर पुलिस थाने के एएसआई और दो सिपाहियों पर बाप- बेटों ने मिलकर कुल्हाड़ी और डण्डों से सामूहिक हमला किया। एएसआई के सिर पर गंभीर चोट लगी है। दोनों सिपाही भी घायल है। जिनका एमडीएम अस्पताल में उपचार चल रहा है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर बाप और तीन बेटों को हत्या प्रयास, राजकार्य में बाधा आदि धाराओं में केस दर्ज किया है।

बनाड़ थानाधिकारी गंगाराम ने बताया कि सीकर के उद्योग नगर थाने के एएसआई रंगलाल मीणा, सिपाही राजेश सहित पांच लोग मंगलवार की रात को जोधपुर खोखरिया गांव में नरपतराम के खिलाफ धोखाधड़ी प्रकरण को लेकर नोटिस देने पहुंचे थे। यहां पहुंचने से पहले स्थानीय पुलिस को कोई सूचना नहीं दी गई थी। आरोपी पक्ष और सीकर पुलिस में पहले ही वार्तालाप हो रखा था और आरोपी पक्ष ने उन्हें यहां बुला लिया।

इस पर एएसआई रंगलाल निजी गाड़ी कर पार्टी के साथ यहां दो सिपाहियों को लेकर पहुंचे। यहां खोखरियां बसंत विहार में आरोपी नरपतराम माली उसके बेटों राजू, जितेंद्र, महेंद्र आदि ने मिलकर लाठियों, डण्डों एवं कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया।

बीकानेर के सोलर प्लांट विवाद में खूनी संघर्ष

लाठियां लेकर गाडियों में भरकर आए लोग, स्थानियों को रोजगार नहीं देने पर 2 पक्ष भिड़े

- **झगड़े का वीडियो भी सामने आया है, जिसमे दिखा कि लोग गाड़ियों में भर कर आए थे**
- **झगड़ा इतना बढ़ा कि कुछ ग्रामीण लहूलुहान हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए परस्पर एफआईआर दर्ज करवा दी है**

बीकानेर । यहां छत्तरगढ़ थाना क्षेत्र में सोलर प्लांट पर स्थानीय लोगों को काम नहीं देने के मामले में दो पक्ष आमने-सामने हो गए।

झगड़ा इतना बढ़ा कि कुछ ग्रामीण लहूलुहान हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए परस्पर एफआईआर दर्ज करवा दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें नजर आ रहा है कि गाडियों में भरकर लोग पहुंचे। इस दौरान उनके हाथों में लाठियां भी नजर आ रही है। वहीं कुछ लोग खून से लथपथ दिख रहे है। बीकानेर के छत्तरगढ़ थाना इलाके में केला ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थापित सोलर प्लांट पर गाडियों में भरकर लोगों पक्षों के लोग पहुंचे। इस दौरान उनके हाथों में लाठियां थी।

दोनों पक्षों में स्थानीय लोगों को सोलर प्लांट में रोजगार देने की बात को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। जिससे सिर फूटने, चोटिल होने से लोग लहूलुहान हो गए।

दरअसल, केला ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थापित सोलर प्लांट में स्थानीय लोगों के बीच रोजगार को लेकर विवाद हो गया। लंबे समय से लोग सोलर प्लांट में स्थानीय लोगों को रोजगार देने की मांग कर रहे थे। जो पहले से काम कर रहे थे, उनके साथ विवाद भी था।

इसी को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और झगड़ा हो गया। इस दौरान एक दूसरे पर हमला कर दिया। जमकर धक्का-मुक्की और लकड़ी-लाठी से वार के चलते कुछ लोगों के सिर फूट गए और चोटें आई। जिससे घायल लोग खून से लथपथ हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि प्लांट प्रशासन बाहरी लोगों को रोजगार दे रहा है, जबकि गांव के युवाओं को बेरोजगार छोड़ रखा है।

वहीं, प्लांट प्रबंधन का कहना है कि चयन प्रक्रिया योग्यता के आधार पर की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। मामले में श्रीडूंगरगढ़ के सेरुणा गांव के अशोक नाथ ने 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

आरोप है कि इन लोगों ने रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट की। इसमें कालू मोहम्मद, निहाल खान, अली शेर, सुमेर खान, कुर्बान खान, अरशद, राजू, बरकत, मोहम्मद अली, लियाकत खान, शरीफ खान, मेलू खान, मोहम्मद बख्श, कालू खान, जाकब खान, आशिक खान, अजूब खान और मसे खान पर मारपीट का आरोप लगाया है। उधर दूसरे पक्ष के छत्तरगढ़ निवासी लियाकत अली ने मामला दर्ज कराकर आरोप लगाया है कि प्रेम नाथ, महेंद्र नाथ, सोमनाथ, लक्ष्मण नाथ, कुंभ नाथ, गोरख नाथ, राजू नाथ और सार नाथ ने मिलकर उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने दोनों मामले दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है।

हथियार रखने के आरोपी को दो साल की सजा

जोधपुर, (कासं)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस मधुसूदन मिश्रा ने अफीम रखने के मामले में एक आरोपी को दो साल की कैद और बीस हजार रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित करने का आदेश दिया है।

लोक अभियोजक गोविन्द जोशी ने अदालत को बताया कि 16 जनवरी 2011 को लूणी थानाधिकारी नितिन दवे ने इत्तला के आधार पर आरोपी रामनिवास उर्फ भुट्टा के यहां दबिश दी व घर से निकलते मारूति कार देखी, जिसमें दो व्यक्ति रामनिवास व हनुमानराम सवार थे। तलाशी लेने पर रामनिवास की पहनी पेन्ट में एक धारदार चाकू व अन्य सामान मिले।

वहीं दूसरे मुल्जिम हनुमानराम की तलाशी में एक देशी कट्टा व नौ कारतूस और पोलिथीन थेली में अफीम मिला जो पचास ग्राम था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने रामनिवास की मृत्यु हो जाने के कारण उसके विरूद्ध कार्यवाही ड्रॉप कर दी और आरोपी गुड़ा विश्नोइयान गोदारों की ढाणी निवासी हनुमानराम को अफीम रखने के लिए एक साल व अवैध हथियार रखने के मामले में दो साल की सजा सुनाई और बीस हजार रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित करने का आदेश दिया।

पुरानी रंजिश को लेकर बदमाशों ने रेस्टोरेंट में की तोड़फोड़

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी थाना इलाके में बुधवार देर रात्रि को कुछ बदमाश पिस्टल, लाठी, पाईप और डंडा लेकर स्टेशन क्षेत्र में स्थित एक नॉनवेज रेस्टोरेंट पर पहुंचे और रेस्टोरेंट में जमकर उत्पात मचाया। पूरा घटनक्रम रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने रेस्टोरेंट के मालिक पर बंदूक तानी और रेस्टोरेंट में काफी तोड़फोड़ की, पूरे घटनाक्रम के पीछे पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है। रेस्टोरेंट के मालिक ने भीमगंजमंडी थाने में हमले की शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि घटनाक्रम बुधवार रात्रि का है। स्टेशन स्थित नॉनवेज रेस्टोरेंट के मालिक अतीक ने थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में कहा कि वह कुछ दोस्तों के साथ अपने रेस्टोरेंट में बैठा था तभी सलमान, गोलू, सद्दाम और सलमान सहित अन्य बदमाश उसकी दुकान में घुसे, इनके बीच आपसी कहासुनी हुई।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्र.: संक्षिप्त वि.सं.10/ परीक्षा/सहा.आचार्य (कॉलेज शिक्षा)/RPSC/EP-I/2025-26 दिनांक:18.09.2025

आयोग द्वारा कॉलेज शिक्षा विभाग के लिए राजस्थान शिक्षा सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम, 1986 के अन्तर्गत सहायक आचार्य (Assistant Professor) के विभिन्न 30 विषयों के कुल 574 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। शैक्षिणक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

आयु सीमा	दिनांक 01.07.2025 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम।
आवेदन अवधि	दिनांक 20.09.2025 से दिनांक 19.10.2025 रात्रि 12-00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा दिनांक 01.12.2025 से 24.12.2025 तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना :- परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन दिनांक 18.09.2025 एवं सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन / सूचना / स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/___/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक-18.09.2025

आयोग द्वारा कॉलेज शिक्षा विभाग के लिए सहायक आचार्य के विभिन्न 30 विषयों के कुल 575 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन संख्या 24/2024-25 दिनांक 13.12.2024 जारी किया गया जिसके तहत् One Time Registration (OTR) के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये एवं अभ्यर्थियों से अन्य कोई आवेदन शुल्क प्राप्त नहीं किया गया था। उक्त भर्ती के संबंध में विषयवार वर्गीकरण हेतु शुद्धि पत्र संख्या 18/2024-25 दिनांक 10.01.2025 जारी करते हुए कुल पदों की संख्या 574 दर्शायी गयी थी।

कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 16.09.2025 द्वारा भर्ती से संबंधित सेवा नियम, 1986 में आवश्यक संशोधन किये जाने के फलस्वरूप सहायक आचार्य के पदों पर भर्ती हेतु जारी विज्ञापन संख्या 24 / 2024-25 दिनांक 13.12.2024 को एतद् द्वारा प्रत्याहारित (Withdraw) किया जाता है।

DIPR/C/___/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

रास्ता रोक कर बाइक सवार पर जानलेवा हमला

.पावटा। मालेरा का जोहडा वाला रास्ता, किराडोद निवासी प्रकाश चंद यादव पुत्र रामसिंह यादव पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया गया है। घायल को पावटा उपजिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। जहां घायल के सिर में गंभीर चोट आई है। इस संबंध में घायल प्रकाश चंद यादव पुत्र रामसिंह यादव ने दो नामजद लोगों व एक अन्य के खिलाफ प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया व बताया कि प्रागपुरा में सुभाष चौक के सामने मेरी मेडिकल की दुकान है। बुधवार 17 सितंबर रात्रि करीब 9 बजे रोज की तरह बाइक से घर की तरफ जा रहा था। जैसे ही में बीच रास्ते मंगराला की ढाणी वाला रास्ता स्थित जीतू यादव के खेतों के पास पहुंचा तो तीन बाइक सवारों द्वारा बाइक से मेरा रास्ता रोककर सरिया, डंडे, तलवार से जान से मारने की नियत से मुझ पर हमला कर दिया।

जिस पर मेरे सिर में गंभीर चोट लगी व में बेहोश हो गया। हमलावर मुझे मृत समझकर भाग गए। इस हमले में मेरे सिर पर पहना हुआ हेलमेट भी चूर चूर हो गया। वही घटना की सूचना आस पास के लोगों व राहगीरों ने मेरे परिवार के लोगों को दी।

दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम पुलिस टीम ने आकस्मिक चैकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए 27 किलो 690 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा सहित दो तस्करो को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने कार से मादक पदार्थ को जब्त करते हुए तलाशी के दौरान दो फर्जी नम्बर प्लेट भी बरामद की है। पुलिस टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए पंजाब निवासी दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध मादक पदार्थो की तस्करी एवं तस्करों की धरपकड़ के लिये अभियान चलाये जा रहे है।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

क्रमांक:– काईन हाउस / 2025–26 / 02 दिनांक:–17.09.2025

ई–निविदा सूचना संख्या 02/2025–26

नगर निगम उदयपुर के काईन हाउस एवं नन्दी शाला में निराश्रित गौवंश को चारा (हरा,सूखा,खाखला,कुट्टी,रजका) सप्लाई करना एवं खिलाना, गौवंश के लिए पानी की व्यवस्था करना, काईन हाउस का सम्पूर्ण रख–रखाव,एवं सफाई करना, गौवंश का प्राथमिक उपचार करना इत्यादि के कार्य हेतु ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदा दिनांक 18.09.2025 से दिनांक 29.09.2025 तक आमंत्रित की जाकर दिनांक 01.10.2025 को खोली जायेगी। कार्य की प्री–बीड मिटिगं दिनांक 23.09.2025 को निगम में प्रात 11.00 बजे आयोजित की गई है। कार्य की अनुमानित लागत एक वर्ष हेतू 240.00 लाख रू है। बीड से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN :- UNP2526WSOB00087

राज.संवाद / सी / 25 / 10383 आयुक्त नगर निगम उदयपुर

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण

क्रमांक:– एफ.10 / EE-city /2025–26 / 5207 दिनांक:– 16.09.2025

:: ई–निविदा सूचना ::

(UBN NO. DLB2526WLOB18468)

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन द्विस्तरीय बीड प्रणाली ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.Rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

महापौर नगर निगम जोधपुर–दक्षिण आयुक्त नगर निगम जोधपुर–दक्षिण

राज.संवाद / सी / 25 / 10387

लूटपाट करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने चाकू की नोक पर रेलवे कर्मचारी से लूटपाट करने के दर्ज प्रकरण में कार्यवाही करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 15 सितम्बर को फरियादी चंद्रमोहन ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि वह रेलवे में लॉको पायलेट के पद पर कार्यरत हैं। फरियादी ने कहा कि 10 सितम्बर को मेवाड़ एक्सप्रेस लेकर कोटा पहुंचा था, रात्रि के समय ड्यूटी ऑफ करके मोटरसाईकिल से घर की तरफ जाते समय रेलवे कॉलोनी इलाके के केनाल रोड़ नहर पर राजपूताना होटल से पहले दो बाईक लेकर खड़े 5 जनों ने उसे रोककर हाथापाई की और चाकू की नोंक पर ड्यूटी का बैग छीनकर फरार हो गये, बैग में रेलवे का कई सामान था। शहर एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये शहर

चाकू की नोक पर रेलवे कर्मचारी से लूटपाट करने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा ।

पुलिस उप अधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने अथक मेहनत एवं मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए 4 आरोपी डडवाडा निवासी कृष्णा प्रजापत (18), चौपड़ा फार्म निवासी अमन मेहरा (26), इन्द्रा कॉलोनी माला रोड़ निवासी आशीष नायक (19) एवं पूनम कॉलोनी निवासी सन्नी पासी (26) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों ने पूछताछ में लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकारा है।

अंडरपास की सर्विस रोड क्षतिग्रस्त

हनुमानगढ़ । यहा हनुमानगढ़ में श्रीगंगानगर रेल फाटक पर बने अंडरपास की सर्विस रोड अत्यधिक बारिश के कारण कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है। गुरुवार को शहर के नागरिकों ने मौके पर पहुंचकर अंडरपास के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

नागरिकों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी द्वारा 25 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस अंडरपास के पास बारिश के बाद गहरा गड्ढा हो गया है। कचरा हटाने पर गड्ढा काफी गहरा पाया गया। अंडरपास की दीवार और पास के मंदिर की दीवार में भी दरारें आ गई हैं।

विकास झोरड़ ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार हुआ है, जिसकी पोल अब खुल रही है।नागरिकों के अनुसार, पीडब्लूयूडी को पहले भी इन दरारों और गड्ढों की जानकारी थी, लेकिन विभाग ने केवल लीपापोती कर दी थी।

राजस्थान सरकार
शिक्षा विभाग
कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)

केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail:- adpcsamsakarauli@gmail.com

क्रमांक-एडीपीसी/समग्र शिक्षा/करौली / /2025-26/277 दिनांक-12.09.25

ई-निविदा सूचना संख्या 01 (सिविल) / 2025-26

(राजकीय विद्यालय/आंगनबाडी में मरम्मत कार्यो हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अद्धर्शासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में मरम्मत कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से बजट घोषणा 2025-26, एवं पी.एम.श्री. वर्ष 2024-25 योजनान्तर्गत स्वीकृत 01 राजकीय विद्यालय एवं 40 आंगनवाडियों में मरम्मत कार्यो हेतु राशि रू 60.64 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 0.98 लाख से 1.97 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाएं 15/09/2025 प्रातः 10.00 बजे से 22/09/2025 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बंधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एव http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

यू.बी.एन. नं RSE2526WSRC00795

DIPR/C/13686/2025 (सर्वेश कुमार गुप्ता) अति0 जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा करौली

Municipal Corporation Jodhpur (North)

Nagar Nigam Bhawan, Polytechnic college campus, Residency Road, Jodhpur-342004
Phone No:- 0291-2651464 Fax-0291-2651464 ID :- nnjnorth@gmail.com

Sr. No. - 2763-2767 Date - 17.09.2025

NOTICE INVITING BIDS

(UBN Number DLB2526WSOB18572)

Online bids are invited electronically on behalf of the Municipal Corporation Jodhpur North for the work **"Cleaning of Gulab Sagar, Fateh Sagar and others in Jodhpur using mechanized cleaning solution"**, from enlisted / eligible bidders of appropriate class of the department/ organization, latest up to 3 PM on 29.09.2025.

The complete Bidding Document may be seen or downloaded from the website of State Public Procurement Portal http://sppp.rajasthan.gov.in or e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in or the official website http://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn.

Commissioner
Raj.Samwad/C/25/10385 Municipal Corporation Jodhpur (North)

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner

Email ID - eepheddn1bkn@gmail.com, Contact No. 0151-2941473

No.-1799 to 1819 Date: 15-9-25

Notice Inviting Bid : 61-66/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 26.09.2025 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 143.98 Lacs. UBN No. PHE2526WSRC06535, PHE2526WSRC06536, PHE2526WSRC06538, PHE2526WSRC06539, PHE2526WSRC06540, PHE2526WSRC06541

जल सीमित है, इसकी बचत करे।

(Dharmendra Kumawat) Executive Engineer PHED, Distt (R) Div I Bikaner

DIPR/C/13480/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No. 838 Date:- 08.09.2025

Notice Inviting Bid

Bid for "BA-17.00/214.01/2025-26 Per Constituency Rs. 10.00 /15.00 Cr. NP/ML Road Work, SR to Road Work, Existing Type-III Residential Accommodation For Conversion Into Type-II & Const. of New Toilet Block Work" NIT No. 10/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 24.09.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procuremen portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 126.25 lacs.

UBN No.-1. PWD2526WSOB11707, 2. PWD2526WSOB11708
3. PWD2526WSOB11709, 4. PWD2526WSOB11710,
5. PWD2526WSOB11711

(Laxmi Narayan Meena) Executive Engineer PWD Division Mangrol

DIPR/C/13368/2025

लिव इन में रहने वाले युगल ने सुसाइड की

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान स्थित मंदिर वाला बेरा क्षेत्र में लिव इन में रहने वाले एक युगल ने किराए के कमरे में सामूहिक रूप से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। मरने से पहले सुसाइड नोट लिखा और मर्जी से जान देने की बात की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को फंदे से उतरवाने के बाद अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। कार्रवाई के बाद शव परिजन को सुपुर्द किए गए। घटना रात की है।

माता का थान पुलिस थानाधिकारी मानाराम ने बताया कि मंदिर वाला बेरा क्षेत्र में प्रेम सांखला का मकान आया है। जहां पर 42 वर्षीय मोहन सोनी पुत्र राधाकृष्ण सोनी और उम्मेद चौक की रहने वाली अनुराधा पुत्री गुमानसिंह यहां प्रेम सांखला के मकान में लिव इन में रह रहे थे। इनके द्वारा लिव इन में रहने के कोर्ट दस्तावेज भी बना रखे थे। रात में पुलिस को सूचना मिली कि उनका कमरा बंद है और कोई दरवाजा भी नहीं खोल रहा है। इस पर थानाधिकारी मानाराम आदि वहां पहुंचे।

थानाधिकारी मानाराम के अनुसार दोनों के शव एक ही पंखे के हुक में साड़ी पर लटके मिले। कमरें में सुसाइड नोट मिला जिस पर मर्जी से जान देने और किसी को परेशान नहीं किए जाने की बात की। मृतक मोहन सोनी सवारी टैक्सी चलाता था।

अनुराधा पूर्व में शादीसुदा थी। मामले को लेकर मृतक के भांजे मेड़ता सिटी खाखडकी निवासी दिलीप पुत्र नैनाराम सोनी ने मर्ग की रिपोर्ट दी है। शवों को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, P.W.D. DN. VALLABHNAGR

No. :- 759 Date: 08.09.2025

Notice Invision Bid No. 09/2025-26

NIB No.: PWD2526A3158

Bids for Various works are invited from interested bidders upto 16.09.2025 9.00 AM to 25.09.2025 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal ("http://eproc.rajasthan.gov.in" and "http://sppp.rajasthan.gov.in") of the state, and department website. The approximate value of procurement of 4 Works is Rs. 208.92 Lacs.

UBN No :- 1. PWD2526WSOB11807, 2. PWD2526WSOB11808
3. PWD2526WSOB11809, 4. PWD2526WSOB11810

Executive Engineer P.W.D. Dn. Vallabhnagar

DIPR/C/13432/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं.क्षे.वि., इं.गा.न.प., बीकानेर

क्रमांकः- 2915-2930 दिनांकः- 08-09-2025

ई-निविदा सूचना संख्या 08 वर्ष 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Construction of Pucca Water Course in IGNP Stage-1 in Suratgarh Assembly Chak 3 LC-B, 3 JSD-B & IGNP Stage-I in Khajuwala Assembly 5 NGM की अनुमानित लागत क्रमशः 56.69, 142.03, 68.40 लाख है, के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन/डाउनलोड की अवधि दिनांक 12.09.2025 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 26.09.2025 को सायं 06.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलैक्ट्रोनिक फोर्मेट में www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 29.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https:// cad.rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www. dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

1. UBN NO. CDB2526WSOB00130, 2. UBN NO. CDB2526WSOB00131
2. UBN NO. CDB2526INSOB00132

DIPR/C/13410/2025 अधिशाषी अभियन्ता, ओएफडी खण्ड प्रथम, सिंक्षेवि, इंगानप, बीकानेर, मोबाईल-9414603873

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1727 **Notice Inviting Bid-30-36/2025-26** दिनांक-11/09/2025

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 23.09.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 199.81 lacs.

NIT No. 30-UBN No. PHE2526WSOB06451, NIT No. 31-UBN No. PHE2526WSOB06452, NIT No. 32-UBN No. PHE2526WSOB06453, NIT No. 33-UBN No. PHE2526WSOB06454, NIT No. 34-UBN No. PHE2526WSOB06460, NIT No. 35-UBN No. PHE2526WSOB06461, NIT No. 36-UBN No. PHE2526WSOB06462,

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/13375/2025

हवाई सफर का आनन्द ले रहे हैं बच्चों के चेहरे पर मुस्कान

भीलवाड़ा । पहली बार हवाई सफर का आनन्द ले रहे हैं बच्चों के चेहरे पर मुस्कान नजर आ रही थी । इसके पीछे इनकी मेहनत और इनके टीचर का प्रोत्साहन है। अस्मिता प्रजापत, नीलम जांगिड, राधा माली, तनु दरोगा, संतरा बलाई है जिन्होंने हवाई सफर करना तो दूर पहली बार हवाई जहाज को देखकर रोमांचित हो गए। दरअसल ये सभी वो बच्चे है जिन्होंने 90 अंक से अधिक हासिल किये है।

इनकी ओर से उपलब्धि हासिल करने पर रा उ मा वि नंदराय के टीचर अजय कुमार और कार्य वाहक प्रधानाचार्यं शंकर लाल जाट की ओर हवाई सफर कराने का वादा किया गया था। जो अब पूरा कर दिया।

मेहनत का सबसे मीठा इनाम : यह सपना साकार हुआ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नंदराय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य शंकर लाल जाट और अध्यापक अजय कुमार की अनूठी सोच से। दोनों ने ठान लिया था – 90 से ऊपर अंक लाने वाले बच्चों को किताबों से बाहर की दुनिया दिखाई जाएगी।उनकी इस पहल ने गाँव के बच्चों के सपनों को उडान दी और मेहनत को नई पहचान।

जहाँ विश्वास ने दिया सुकून : यात्रा की शुरुआत सोमनाथ मंदिर से

भीलवाड़ा के छह छात्रों ने पहली बार किया हवाई सफर।

हुई। घंटियों की गूँज और लहरों की आवाज़ के बीच बच्चों ने पहली बार आध्यात्मिकता को महसूस किया। तनु ने धीमे से कहा – इतना शांत माहौल तो कभी नहीं देखा।

साहस की असली परिभाषा : दीव पहुँचकर जब युद्धपोत पर कदम रखा तो बच्चों की आँखें चौड़ी हो गईं। वीर शहीदों की कहानियाँ सुनकर राधा बोली – अब समझ आया कि देश की रक्षा करना कितना बड़ा काम है।

आधुनिक भारत की झलक : अहमदाबाद में जब वे साबरमती रिवरफ्रंट पर पहुँचे, तो नीलम ने मोबाइल से तस्वीर खींचते हुए कहा – गाँव की गलियों से यहाँ तक... यह सफर ही तो जिंदगी है। और जब अटल सेतु पर खडे हुए, तो बच्चों को लगा कि भारत की इंजीनियरिंग ताकत को उन्होंने अपनी आँखों से देख लिया।

घर वापसी पर गर्व : तीन दिन बाद जब यह टोली वापस लौटी तो स्कूल में तालियों से गूँज उठा। हर कोई इन बच्चों को देखकर गर्व महसूस कर रहा था।गाँव के बुज़ुर्गों ने कहा – हमने तो कभी सोचा भी नहीं था कि हमारे गाँव के बच्चे जहाज़ में उडेंगे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, P.W.D. DN. VALLABHNAGR

No.:- 767 Date: 10.09.2025

Notice Invision Bid No. 10/2025-26

NIB No.: PWD2526A3200

Bids for Various works are invited from interested bidders upto 12.09.2025 9.00 AM to 22.09.2025 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal ("http://eproc.rajasthan.gov.in" and "http://sppp.rajasthan.gov.in") of the state, and department website. The approximate value of procurement of 7 Works is Rs. 390.63 Lacs.

UBN No - 1. PWD2526WSOB11969, 2. PWD2526WSOB11970, 3. PWD2526WSOB11971 4. PWD2526WSOB11972, 5. PWD2526WSOB11973, 6. PWD2526WSOB11974 5. PWD2526WSOB11976

(Achal Gupta) Executive Engineer P.W.D. Dn. Vallabhnagar

DIPR/C/13581/2025

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक :– न.नि.भ. / विद्युत / 2025–26 / 10928 दिनांक :– 09.09.2025

ई–निविदा सूचना–

नगर निगम, भरतपुर द्वारा विद्युत सम्बन्धित 1 कार्य, जिसकी अनुमानित लागत 166.65 लाख रू0 है, कराये जाने हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रकिया से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि के अनुमानित लागत पर संवेदक द्वारा (2%/0.5%) राशि पृथक–पृथक रूप से खाते में RTGS/NEFT के माध्यम से जमा कराना होगा। निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है

UBN Number:- DLB2526WSOB17285

अधिशाषी अभियंता (विद्युत) नगर निगम, भरतपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 10381

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी(ERCC/RCC 15)/2025/ई-12571

ई-नीलामी विज्ञिप्त संख्या- (ERCC/RCC 15)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञिप्त से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारी लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 44 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी की वेबसाइट https://rajminorrccercc.enivida.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/13694/2025 (महेश माथुर) निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक :...... दिनांक :......

संशोधन ई-निविदा सूचना संख्याः 05/2025-26

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26, जो पत्र क्रमांक 1566-1577 दिनांक 14.08.2025 से जारी हुई है। जिसके प्रकाशन बावत इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 1575 दिनांक 14.08.2025 के द्वारा डी.पी.आर. को समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु भिजवाया गया है। जो डीआईपीआर के आदेश क्रमांक DIPR/C/11969/2025 दिनांक 21.08.2025 तथा एसपीपी पोर्टल पर एनआईबी कोड सं. PWD2526A2640 से प्रकाशित हुई हैं। उक्त निविदा का इस कार्यालय के पत्रांक 1722 दिनांक 26.08.2025 से संशोधित प्रकाशन RO No. 12801 दिनांक 04.09.2025 से हुआ है। जिसकी तिथियों में निम्नानुसार पुनः संशोधन किया जाता है।

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथियां	संशोधित तिथियां
फार्म मिलने/ जमा कराने की तारीख	दिनांक 19.08.2025 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 10.09.2025 को सायं 6.00 बजे तक	दिनांक 19.08.2025 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 23.09.2025 को सायं 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	दिनांक 11.09.2025 अपरान्ह 3.00 बजे	दिनांक 24.09.2025 अपरान्ह 3.00 बजे

नोट- निविदा की शेष शर्ते यथावत् रहेगी।

DIPR/C/13497/2025 (के. के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

जयपुर चारदीवारी के सुभाष चौक इलाके में जर्जर इमारत फिर बनी 'काल का ग्रास'

जर्जर मकान ढहने से बुजुर्ग महिला की मौत, सास को बचाने के प्रयास में बहू घायल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के परकोटे स्थित सुभाष चौक इलाके में गुरुवार को तेज धमाके के साथ एक जर्जर मकान फिर ढह गया। मकान के मलबे में दबने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी, जबकि अपनी सास को बचाने की कोशिश में बहु गंभीर घायल हो गयी। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग सास को बचाने के प्रयास में बहू उसके ऊपर लेट गई। जिससे सास-बहु दोनों ही मकान के मलबे में दब गए। तेज धमाके की आवाज सुन आसपास के स्थानीय लोग घटना स्थल पर जमा हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और रेस्क्यू टीम ने राहत कार्य शुरु करते हुए मलबे में दबी दोनों महिलाओं को बाहर निकाल तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। जहां पर चिकित्सकों ने बुजुर्ग महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में बहू घायल हो गई।

सुभाष चौक इलाके में जर्जर मकान ढहने से हुए हादसे के बाद हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया और पीड़ितों से घटना की जानकारी ली। फोटो-राष्ट्रदूत

हादसे की सूचना के बाद हैरिटेज महापौर कुसुम यादव और कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी रहे आर.आर.तिवाड़ी भी घटनास्थल पर पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

तेज धमाके की आवाज सुन मदद को दौड़े युवा

सुभाष चौक थाना अधिकारी लिखमाराम ने बताया कि सुभाष चौक इलाके में स्थित झिलाई हाउस में गुरुवार सुबह सात बजे जर्जर मकान तेज धमाके के साथ जमीदोंज हो गया। बताया जा रहा है कि मकान मालिक प्रदीप शाह कुछ ही दूरी पर अपने दूसरे घर में परिवार सहित रहता है। प्रदीप ने निगरानी करने के लिए घन्नी बाई (60) को ये मकान रखा था।

धन्नीबाई अपनी बहू सुनीता (35) के बच्चों के साथ इस हवेली में रहती थी। हादसे के वक्त दोनो बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। स्थानीय निवासी पांच फीट का गेट कूद कर जर्जर मकान के अंदर पहुंचे और रेस्क्यू शुरु किया। आठ -दस युवा ने एक साथ लेकर सास और बहू को मलवे से बाहर निकाल और तुरंत अस्पताल के लिए रवाना किया।

नगर निगम प्रशासन के हाथ-पांव फूले

अल सुबह जर्जर मकान के ढह जाने की सूचना पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई। जिसके बाद पुलिस जाप्ता और नगर निगम हेरिटेज के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद मकान मालिक प्रदीप शाह और नगर निगम हैरिटेज के अधिकारी नोटिस कार्रवाई पर बहस करते नजर आए।

नगर निगम हैरिटज उपायुक्त सीमा चौधरी ने इस बिल्डिंग को गिराने वाला नोटिस दिखाया। उनका दावा है कि मकान मालिक को ये नोटिस 12 अगस्त को दिया गया था। कुछ देर बहस होने के बाद मकान मालिक प्रदीप शाह मौके से फरार हो गया।

जर्जर भवन से कुछ ही दूरी पर रहने वाले रिश्तेदार तरुण महावर ने बताया कि परिवार में सास, बहू और उसके दो बच्चे है। पति के निधन के बाद से वो इस जर्जर मकान में रहने लग थे। हादसे के वक्त दोनो बच्चे घर के बाहर ही खेल रहे थे। बच्चों ने बताया कि तेज धमाके की आवाज सुन जैसे ही वो अंदर आए तो देखा दादी और मम्मी दोनो मलवे के नीचे दबे हुए है और मम्मी बचाओं-बचाओं की आवाज लगा रहीं थी। पास ही में रहने वाले आठ -दस युवकों ने राहत कार्य शुरु कर दोनो को बाहर निकाल सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। जहां पर चिकित्सकों ने घन्नी बाई (60) को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है की सुनीता के दोनो पैरों में गंभीर चोट आई है।

- मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने मलबे में फंसी दोनों महिलाओं को बड़ी मुश्किल से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया
- निगम प्रशासन ने 12 अगस्त को जारी किया गया था नोटिस, परंतु मकान मालिक नोटिस मिलने की बात से करता रहा इनकार, बाद में मौके से फरार हुआ
- यह मकान, नगर निगम द्वारा चिन्हित जर्जर इमारतों में शामिल था , परंतु भूखंड मालिक को नोटिस देने के 1 माह बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई, इस बारे में अफसर चुप्पी साधे हुए हैं।

विधायक बालमुकुंदाचार्य की आर्थिक मदद

हादसे की जानकारी मिलने के बाद हवा महल क्षेत्र के विधायक बाल मुकुंदाचार्य भी घटना स्थल पर पहुंचे और वहां का जायजा लिया। जिसके बाद विधायक ने भूखे- प्यासे दोनो बच्चों को अल्पहार करवाया। धन्नी देवी की मौत की खबर सुनते ही बाल मुकुंदाचार्य अस्पताल पहुंचे और सुनीता के हाथ में पचास हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि दी। उधर कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी रहे आर.आर. तिवाड़ी भी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ितों से जानकारी ली।

'प्रधानमंत्री मोदी बांसवाड़ा में देंगे परमाणु ऊर्जा परियोजना की सौगात'

- 2800 मेगावाट बिजली उत्पादन वाली 45 हजार करोड़ रुपए की यह परियोजना, प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि : राठौड़

डूंगरपुर/जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को बांसवाड़ा में 45 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इस परियोजना से 2800 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा, जिससे राजस्थान को ऊर्जा सुरक्षा, निवेश और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

राठौड़ ने इसे राज्य के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस परियोजना से बांसवाड़ा सहित आसपास के जिलों में आधारभूत विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, राज्य के वरिष्ठ नेता और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के प्रयासों को कमजोर करने वाली विघटनकारी ताकतों को किसी भी कीमत पर बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन समाज को तोड़ने वाले प्रयासों का सामाजिक और कानूनी रूप से विरोध जरूरी है।

डूंगरपुर में प्रेसवार्ता के दौरान राठौड़ ने आत्मनिर्भर भारत अभियान, सेवा पखवाड़ा और जीएसटी सुधारों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों और कुटीर उद्योगों के बल पर भारत आज वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति में है।

जीएसटी और आयकर में राहत से आमजन को सस्ता जीवनयापन और छोटे व्यापारों को नई ताकत मिली है। राठौड़ ने भजनलाल सरकार द्वारा धर्मांतरण रोकथाम और सामाजिक सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि राज्य में विकास और सामाजिक समरसता भाजपा की प्राथमिकता है।

शिविर में 1418 पट्टों का वितरण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत चलाये जा रहे शहरी सेवा शिविर के दौरान गुरूवार को प्रदेष में 1 हजार 418 पट्टे दिये गये। जिसमें से नगरीय निकायों में 1 हजार 175 पट्टे, विकास प्राधिकरणो, नगरीय विकास न्यासों में विभिन्न प्रकार के 243 पट्टे दिए गये।

नगरीय निकायों में कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत पट्टों के 703 प्रकरण, 69ए के अन्तर्गत जारी पट्टों के 86 प्रकरण, नाम हस्तान्तरण के 544 प्रकरण, भवन मानचित्र के 225 प्रकरण, निकाय/न्यास/प्राधिकरण की स्वयं की योजना के अंतर्गत 196 पट्टे जारी, कच्ची बस्ती नियमन के अन्तर्गत 47 पट्टे जारी, लीज होल्ड से फ्री होल्ड के 67 पट्टे जारी, बकाया लीज जमाकर जारी फ्री होल्ड लीज मुक्ति के 51 प्रकरण, अपंजीकृत पट्टों को पुर्नवैध कर पंजीकरण कराने के 47 प्रकरण, पूर्व में जारी पट्टों के समर्पण के पश्चात् पुनः पट्टा जारी करने के 29 प्रकरण, खांचा भूमि आवंटन के 4 प्रकरण। इसी के साथ ही जन्म-मृत्यु/विवाह पंजीयन के 4 हजार 467 प्रकरण, स्ट्रीट लाईट लगाने/मरम्मत के 2 हजार 980 प्रकरण, निराश्रित पशुओं को पकड़ने के 354 प्रकरण, ईडब्यूएस प्रमाण-पत्र के 172 प्रकरण, फायर एनओसी के 94, ट्रेड लाईसेन्स के 9 प्रकरण, साईनेज लाईसेन्स के 13 प्रकरण निपटाए।

भारतीय संस्कृति का संरक्षण और प्रसार समय की आवश्यकता : दिया कुमारी

वैदिक संस्कृति एवं महिला सम्मेलन में शामिल हुईं उपमुख्यमंत्री

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित ''वैदिक संस्कृति एवं महिला सम्मेलन'' में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह आयोजन कला, साहित्य, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सांस्कृतिक सृजन पखवाड़ा के अंतर्गत राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं ऐके इंफ्रा के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत उपमुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित ''वैदिक संस्कृति एवं महिला सम्मेलन'' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति और मूल्य-व्यवस्था हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं, जो हमें सदियों से जोड़ती आई है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि इन पहलों ने देश को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान दी है। हमारा टैलेंट अद्वितीय है, जिसे अवसर मिलने पर भारत विश्व को बहुत कुछ दे सकता है, उन्होंने कहा। सम्मेलन में विद्वानों ने वैदिक परंपरा में महिलाओं की भूमिका, व्रत-त्योहारों की धार्मिक पद्धितयों और पूजन के महत्व पर व्याख्यान दिए। पारंपरिक गीतों और मंत्रोच्चारों से माहौल भावनात्मक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। इस अवसर पर राजस्थान संस्कृत अकादमी की निदेशक डॉ. लता श्रीमाली, प्रो. लक्ष्मी शर्मा, डॉ. सुनीता श्रीमाली, बियानी कॉलेज के निदेशक प्रो. संजय बियानी, छात्राएं और बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

'एक ओर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा, दूसरी ओर अधिकारी उदासीन'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दूरसंचार विभाग के अधिकारी का कर्नाटक तबादला करने से जुडे मामले में अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि एक ओर केन्द्र व राज्य सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढाओ का नारा दे रही है, तो दूसरी ओर उसके अधिकारी लडकियों की जरूरतों के प्रति उदासीन बने हुए हैं। इसके साथ ही अदालत ने केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश को रद्द करते हुए याचिकाकर्ता को मार्च, 2026 तक मौजूदा जगह पर बनाए रखने को कहा है। जस्टिस एसपी शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश पुष्कर नारायण शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि एक उप-मंडल अभियंता का दूसरे राज्य में तबादला करने से पूरा परिवार प्रभावित होगा। उसकी बेटी 12वीं कक्षा में पढ़ रही है और शैक्षिणक माहौल प्रदान करने के लिए याचिकाकर्ता ने परीक्षा तक मौजूदा स्थान पर बनाए रखने की गुहार की है।

याचिका में अधिवक्ता शोभित व्यास ने बताया कि विभाग ने याचिकाकर्ता का तबादला राजस्थान सर्किल से कर्नाटक सर्किल में कर दिया।

शहरी सेवा शिविर में मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को पट्टे, चैक और प्रमाण पत्र वितरित किए

शहरी सेवा शिविरों से जरूरतमंदों तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आमजन को त्वरित राहत मिले और योजनाओं का लाभ सरलता से प्राप्त हो। इसके लिए पूरे प्रदेश में शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का मौके पर निस्तारण हो रहा है और लोगों को सरकार की योजनाओं से जोड़कर सीधे लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को आदर्श नगर स्थित अंबेडकर भवन सामुदायिक केन्द्र में आयोजित शहरी सेवा शिविर में पहुंचे और वहां लाभार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम स्वनिधि और सीएम स्वनिधि योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वकर्मा योजना के माध्यम से भी कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा दे रही है।

शिविर के दौरान मुख्यमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत सुरेश मीना, छोटूलाल प्रजापत, मुकेश कुमार और जयंती खत्री को चैक सौंपे। सीएम स्वनिधि योजना के तहत मोहम्मद फरीद को भी चैक प्रदान किया गया। इसके अलावा आवासीय पट्टे, नामांतकरण, तथा जन्म, मृत्यु और विवाह प्रमाण पत्र भी लाभार्थियों को प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जयपुर के आदर्श नगर स्थित अंबेडकर भवन सामुदायिक केन्द्र में शहरी सेवा शिविर में लाभार्थियों को पट्टे व प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर महापौर कुसुम यादव भी मौजूद थी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पीएम स्वनिधि योजना से संबंधित पुस्तक का विमोचन किया। साथ ही उन्होंने सामुदायिक केन्द्र परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम में नगर निगम हैरिटेज मेयर कुसुम यादव, पूर्व विधायक अशोक परनामी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे जरूरतमंद लोगों को इन सेवा शिविरों तक पहुंचने में मदद करें ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें।

डमी स्कूल शिक्षा प्रणाली के लिए कलंक हैं, एसआईटी निरीक्षण कर कार्रवाई करें : हाईकोर्ट

अदालत ने कहा कि ,''यदि विद्यार्थी स्कूल में गैर हाजिर है और उसी समय कोचिंग सेंटर में पढ़ रहा है तो दोनों संस्थानों पर कार्रवाई करें''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि डमी स्कूल भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए कलंक है और इन स्कूलों का प्रसार शिक्षा व्यवस्था के लिए गहरे संकट का संकेत है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार और सभी शिक्षा बोर्ड को कहा है कि वे एसआईटी गठित कर स्कूलों और कोचिंग संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण करें। इस दौरान यदि विद्यार्थी स्कूल में गैर हाजिर है और उसी समय कोचिंग सेंटर में पढ़ रहा है तो दोनों संस्थानों पर कार्रवाई करे।

अदालत ने कहा कि सीबीएसई और राजस्थान बोर्ड मान्यता प्राप्त स्कूलों का निरीक्षण करें और यदि वहां शिक्षक व छात्रों की उपस्थिति कम मिले तो उन पर कार्रवाई के साथ ही स्कूल की मान्यता समाप्त करने को लिए आदेश जारी किए जाए। अदालत ने विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए नियम बनाने का कहते हुए आदेश की कॉपी मुख्य सचिव, एसीएस शिक्षा और सभी बोर्ड को भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश एलबीएस कान्वेंट स्कूल, दी लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल व इनके विद्यार्थियों की ओर से दायर याचिकाओं पर दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता स्कूल अपने विवाद को लेकर सीबीएसई के समक्ष अपना अभ्यावेदन दें और बोर्ड छात्र हितों को देखते हुए उसे तय करें। अदालत ने इस दौरान स्कूल के विद्यार्थियों को दूसरी स्कूल में शिफ्ट नहीं करने को कहा है।

शिक्षा बनी लाभ का व्यापार

अदालत ने कहा कि प्रदेश में अनेक स्कूल हैं, जो कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को डमी प्रवेश देते हैं। इन स्कूल में विद्यार्थियों को नियमित आने की जरूरत नहीं रहती, ताकि वे स्कूल के समय में कोचिंग सेंटर में नीट, जेईई आदि की पढाई कर सके। ऐसे में शिक्षा कोचिंग सेंटर और स्कूलों के लिए लाभ का व्यापार बन गई है।

अदालत ने कहा कि निजी स्कूल अभिभावकों के अनुरोध और कोचिंग सेंटर की मिलीभगत से डमी एडमिशन लेते हैं। ऐसी स्कूलों का प्रसार शिक्षा व्यवस्था के लिए संकट का संकेत है और शिक्षा प्रणाली के लिए कलंक के समान है।

अभिभावक, बच्चों पर नहीं थोपे इच्छा

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि नीट और जेईई आदि की सीमित सीटों के कारण हर विद्यार्थी का इनमें चयन मानवीय रूप से असंभव है। ऐसे में अभिभावक डॉक्टर और इंजीनियर बनने की इच्छा विद्यार्थी पर थोपने के बजाए उन्हें अपना करियर चुनने की आजादी दें। अदालत ने कहा कि यह सही समय है जब शिक्षा बोर्ड इस मुद्दे पर गौर करे और सख्त नियम बनाए, जिसमें कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए नियमित उपस्थिति जरूरी हो।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने बताया कि याचिकाकर्ता का सीबीएसई ने निरीक्षण कर कुछ कमियां बताते हुए एक साल के लिए मान्यता समाप्त कर दी और स्कूल को सीनियर सैकण्डरी से सैकण्डरी में बदल दिया। अदालत के आदेश पर पेश अभ्यावेदन पर भी राहत नहीं दी गई। जबकि समान मामले में एक स्कूल पर पांच लाख का हर्जाना लगाते हुए कमियां दूर करने की छूट दी गई।

सी.बी.एस.ई. की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ताओं ने नियमों की अवहेलना की थी। वहीं स्कूल में डमी छात्र, रिकॉर्ड में हेराफेरी सहित तय अनुपात में शिक्षक आदि भी नहीं थे।

प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक का लोकार्पण कल

जयपुर (कासं)। जयपुर पीस फाउण्डेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर नरेश दाधीच की सद्यः प्रकाशित पुस्तक ''महात्मा गांधीः एक अत्यन्त संक्षिप्त परिचय'' का लोकार्पण समारोह 20 सितम्बर को सुबह 11:30 बजे कॉस्ट्यूशन क्लब जयपुर में आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि ए.आई.सी.सी. महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि पत्रकार नीरजा चौधरी रहेंगी।

'आदेश की पालना के लिए क्या किया'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर के उच्चैन पंचायत समिति के प्रधान से जुड़े मामले में पंचायती राज विभाग के एसीएस और आयुक्त से शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि मामले में दिए अदालती आदेश की पालना के लिए उनकी ओर से क्या प्रयास किए गए। अधिकारी अपने स्पष्टीकरण में प्रकरण को लेकर अदालती आदेश की खंडपीठ या सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की कार्रवाई का भी विवरण दें। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश हिमांशु की अवमानना याचिका पर दिए।

पी.एम. स्वनिधि योजना की अवधि मार्च-2030 तक बढ़ी : रवि जैन

शहरी सेवा शिविर 2025 में लोक कल्याण मेला के माध्यम से 50 हजार लंबित आवेदनों का होगा निस्तारण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की गहन समीक्षा की गई। निदेशालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के महाप्रबंधक एवं सभी सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रीय बैंकों के राज्य प्रमुखों ने भाग लिया।

जैन ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को पुनर्गठित कर इसकी अवधि मार्च 2030 तक बढ़ा दी गई है। केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सभी नगरीय निकायों में लोक कल्याण मेला आयोजित किया जाएगा, जिसे वर्तमान में चल रहे शहरी सेवा शिविर 2025 में सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के दौरान लगभग 50 हजार लंबित आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा, साथ ही नए आवेदनों का भी त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में गुरूवार को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में रवि जैन ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति को निर्देशित किया कि सभी बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए बैंक-वार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और इसके शत-प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक जुईकर प्रतीक चन्द्रशेखर, परियोजना निदेशक एल.एल. पहाड़िया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वंचित बच्चों तक खिलौनों के साथ खुशियां भी पहुंचाएगा नमो टॉय बैंक : बिरला

कोटा में 'नमो टॉय बैंक' का शुभारंभ

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कोटड़ी रोड़, गुमानपुरा स्थित परिधान उपहार केंद्र पर 'नमो टॉय बैंक' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों के चेहरे की मुस्कान हम सबके लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन से प्रेरणा लेकर हमारा संकल्प है कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र का कोई भी बच्चा वंचित न रहे और हर घर में खुशी और आत्मसम्मान का वातावरण बने। बिरला ने कहा कि बच्चों द्वारा बच्चों के लिए शुरू हुए इस टॉय बैंक के माध्यम से विद्यालयी बच्चें अपने खिलौनों के साथ-साथ खुशियां भी उन मासूमों तक पहुंचाएंगे, जो संसाधनों से वंचित हैं, पर खुशियों के उतने ही हकदार हैं जितने वे स्वयं हैं। हमारे बच्चों की मुस्कान में ही भारत का उज्ज्वल भविष्य बसता है। नमो टॉय बैंक उसी सोच का साकार रूप है। नमो टॉय बैंक के लिए शहर के स्कूली बच्चों ने हजारों की संख्या में अपने पुराने खिलौने भेंट किए है, मैं इसमें सहभागी बने सभी बच्चों, उनके शिक्षकों और अभिभावकों का भी हृदय से धन्यवाद करता हूं। इस दौरान शिवज्योति ग्रुप के महेश गुप्ता, सहोदय कॉम्पलेक्स के अध्यक्ष प्रदीप सिंह गौड़, प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्कूलों के संचालक, प्रतिनिधि व विद्यार्थी मौजूद रहे।

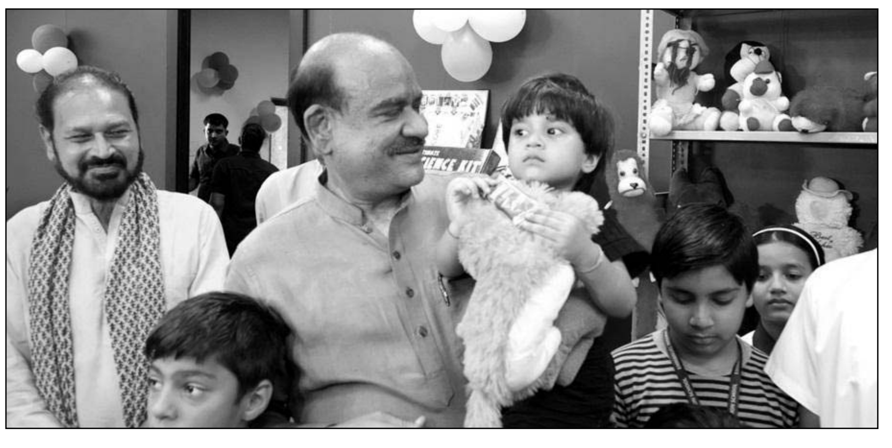

कोटा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'नमो टॉय बैंक' का शुभारंभ किया है।

■ **बच्चों की मुस्कान में ही भारत का उज्ज्वल भविष्य बसता है। नमो टॉय बैंक उसी सोच का साकार रूप है। नमो टॉय बैंक के लिए शहर के स्कूली बच्चों ने हजारों की संख्या में अपने पुराने खिलौने भेंट किए है, मैं इसमें सहभागी बने सभी बच्चों, उनके शिक्षकों और अभिभावकों का भी हृदय से धन्यवाद करता हूं।**

सेवा और संवेदना की भावना मजबूत करेगा टॉय बैंक-लोकसभा अध्यक्ष ने कहा इस पहल के माध्यम से बच्चों में सेवा, नेतृत्व और संवेदनशीलता जैसे मानवीय मूल्य विकसित होंगे, जो उनके जीवन को दिशा देने के साथ समाज को भी मजबूत करेंगे। यह केवल खिलौनों का संग्रह नहीं, बल्कि सेवा, करुणा और साझेदारी की उस संस्कृति का विस्तार है, जो हमारे बच्चों को बचपन से ही समाज के प्रति जिम्मेदार बनाएगी।

वंचितों की तकलीफ दूर करने की कोशिश हो-विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि यह पहल स्पीकर बिरला की संवेदनशीलता को परिभाषित करती है कि किस तरह एक जनप्रतिनिधि समाज के हर वर्ग की चिंता करता है। यह केवल खिलौने भेंट की पहल नहीं है, बल्कि बचपन से ही बच्चों में संवेदना और साझा करने का संस्कार जगाने का प्रयास है।

तेज रफ्तार कार ने बुजुर्ग को उड़ाया

जोधपुर, (कासं)। खाना खाने के बाद सडक़ पर टहलने निकले एक बुजुर्ग को कार ने टक्कर मार दी। इसके बाद बुजुर्ग को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। गत 14 सितंबर को हुई इस घटना के बाद अब इसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में मृतक के छोटे भाई लक्ष्मी नारायण गौड़ ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया मैं और बड़े भाई चंद्रशेखर गौड़ (60) का परिवार साथ में रहते हैं। गत 14 सितंबर को रात करीब नौ बजे बड़े भाई चंद्रशेखर घर पर खाना खाकर सडक़ पर पैदल टहलने के लिए निकले थे। जो देर रात तक नहीं लौटे। आसपास पता करने पर जानकारी मिली कि वह एम्स हॉस्पिटल में भर्ती हैं। इलाज के दौरान 15 सितंबर को उनकी मौत हो गई। लक्ष्मीनारायण के मुताबिक जब उन्होंने पुलिस और आसपास के लोगों से घटना के बारे में पता किया तो एक दुकान में सीसीटीवी फुटेज मिला। इसमें भाई चंद्रशेखर गौड़ को कार से टक्कर मारने की घटना कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि सडक़ के किनारे चंद्रशेखर टहल रहे हैं। इतने में ही पीछे से एक सफेद रंग की कार तेजी आती है। पैदल चल रहे बुजुर्ग को टक्कर मारकर कर ड्राइवर फरार हो जाता है। मामले की जांच कर रहे चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के एएसआई अनिल कुमार सिंघल ने बताया कि आदिनाथ नगर निवासी कार ड्राइवर पंकज सिंह राठौड़ को 17 सितंबर को पकड़ा गया था। उसे मुचलके पर छोड़ा गया है। आरोपी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। हालांकि कार को जब्त कर पुलिस जांच में जुट गई है। बता दे कि चंद्रशेखर मूल रूप से ब्यावर जिले में जैतारण के पास बेडक़ला गांव के रहने वाले थे।

जीएसटी में सुधार 21वीं सदी का सबसे बड़ा टैक्स रिफॉर्म : राव राजेंद्र सिंह

जीएसटी में कटौती जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक : धनकड़

पावटा । भारतीय जनता पार्टी जिला जयपुर देहात उत्तर नेक्स्ट जेन जीएसटी जिला संयोजक सी ए कृष्ण सैनी व सीए नटवर शर्मा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस जयपुर ग्रामीण लोकसभा से सांसद राव राजेंद्र सिंह व विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड एवं बानसूर विधायक देवीसिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। इस दौरान जयपुर ग्रामीण लोकसभा से सांसद राव राजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी में हुए ऐतिहासिक सुधार से देश का हर वर्ग बेहद खुश है। जीएसटी के सरलीकरण से देश की जनता कें जीवन में गुणवत्ता का सुधार होने के साथ-साथ देश की आर्थिक ताकत को मजबूत करने में मदद मिलेगी। वे बुधवार को एक निजी होटल में जीएसटी रिफॉर्म पर बोल रहे थे। सांसद राव राजेंद्र सिंह ने जीएसटी में हुए सुधार को 21वीं सदी का सबसे बड़ा टैक्स रिफॉर्म बताया।

भाजपा जिला जयपुर देहात की प्रेस कॉन्फ्रेंस जयपुर ग्रामीण लोकसभा से सांसद राव राजेंद्र सिंह की मौजूदगी में हुई।

उन्होंने कहा कि जीएसटी कटौती नहीं ये सबसे बड़ा सुधार हैं। नए बदलावों के लागू होने से टैक्स प्रक्रिया की जटिलताएं कम होंगी, कर प्रशासन अधिक सुगम होगा और डिजिटल नवाचारों के माध्यम से पारदर्शिता व विश्वास को सुदृढ़ किया जाएगा। इन सुधारों से विशेष रूप से छोटे व्यापारियों, उद्यिमयों और कारोबारी वर्ग को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। जिले की अर्थव्यवस्था व रोजगार के अवसरों में सकारात्मक वृद्धि होगी। वही विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने बताया कि केन्द्र की मोदी सरकार ने जीएसटी में व्यापक सुधार किया है। इस ऐतिहासिक व साहसिक कदम से देश के करोड़ों देशवासियों को सीधा लाभ होगा। धनकड ने जीएसटी की दर में भारी कटौती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति, जनता के प्रति जवाबदेही व विकास के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इन कर सुधारों के बाद, 12 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के तहत आने वाले 99 प्रतिशत सामान अब 5 प्रतिशत के दायरे में आ गए हैं। इसी तरह, 28 प्रतिशत कर स्लैब के तहत आने वाली 90 प्रतिशत वस्तुएं 18 प्रतिशत के दायरे में आ गई हैं। आज देश के प्रधानमंत्री के हर फैसले जनता के हित के लिए समर्पित है ।यह दुर्लभ व नामुमकिन था कि कम समय में दो बड़े कर सुधार लागू किए जायें, लेकिन यह वही दृढ़ इच्छाशक्ति व विश्वास है जिसने आज मोदी सरकार को आम आदमी के बीच विश्वास का प्रतीक बना दिया। आज प्रधानमंत्री ने जो वादा किया था, उसे पूरा किया और यही है मोदी की गारंटी। वही जिला जयपुर देहात उत्तर नेक्स्ट जेन जीएसटी जिला संयोजक सी ए कृष्ण सैनी व सीए नटवर शर्मा ने बताया कि नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स पर एक आउटरीच और इंटरेक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया ।

नगला गरगरा गांव में पैंथर का हमला

बयाना/भरतपुर। बयाना उपखंड की ग्राम पंचायत खानखेड़ा के अंतर्गत आने वाले नगला गरगरा गांव में बीती रात एक पैंथर के हमले से सनसनी फैल गई। पैंथर ने सबसे पहले एक घर के बाहर बाड़े में बंधे मवेशियों पर हमला किया। मवेशियों की चीख-पुकार सुनकर हजारी गुर्जर नामक युवक जब बाहर आया, तो पैंथर ने उस पर भी जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हजारी की चीख सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर पैंथर जंगल की ओर भाग निकला। घायल युवक को तत्काल बयाना अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना के बाद से गांव में भय का माहौल है और लोग अपने बच्चों और मवेशियों को लेकर चिंतित हैं।

ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में पैंथर की गतिविधियों पर नजर रखने और उसे पकड़ने की मांग की है। यह क्षेत्र पहले भी वन्यजीवों की आवाजाही के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन इस तरह का हमला लंबे समय बाद हुआ है। वन विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

सर्राफा बाजार में आग से अफरातफरी

दमकल गाड़ी पहुंची आधा घंटा देरी से

■ **आस पास के दुकानदारों मोहल्ला वालों की सक्रियता से पाया आग पर काबू**

भरतपुर। भरतपुर शहर के मुख्य बाजार सर्राफा बाजार की एक दुकान में भीषण आग लग जाने से अफरातफरी फैल गई। गुड्डू पंडित की कॉस्मेटिक सामान की दुकान में लगी आग पर मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। दमकल वाहन आग बुझाने के लिए आधा घंटा देरी से पहुंचे तब तक आग विकराल हो रही थी आस पास के दुकानदारों एवं मोहल्ला वालों ने अपने स्तर से आग बुझाने के प्रयास किए। मौके पर लोगो की भारी भीड़ जमा हो गई। आस पास के दुकानदारों एवं पडोसियों की सक्रियता से आग पर काबू पाया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता। था आस पास की दुकानों को भी आग का खतरा हो सकता था।

दुकानदार चंद्रशेखर ने बताया कि दुकान में रखी सवा लाख से अधिक की नकदी भी जल गई। आग से दुकान में लाखों रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है। आग की सूचना पर ट्रैफिक पुलिस एवं कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची।

भरतपुर में सर्राफा बाजार के बाहर स्थित एक ज्वेलरी की दुकान में आग लग गई। दुकान मालिक को 7 से 8 तक नुकसान हुआ है। जब दुकान मालिक दुकान खोलने के लिए आया तो, उसे पड़ौसियों ने बताया कि दुकान में जोरों से ब्लास्ट जैसी आवाज आ रही है। साथ ही धुआं भी निकल रहा है। दुकान की शटर खोलने पर पता लगा की दुकान में आग लगी हुई है।

शटर उठाते ही दुकान से निकली आग की लपटें: दुकान मालिक सुरेश चंद शर्मा ने बताया कि उनकी दुकान सर्राफा बाजार के बाहर अम्बे ज्वेलरी के नाम से स्थित है। उनकी लिली ज्वेलरी की दुकान है। आज सुबह करीब 11 बजे जब वह दुकान खोलने के लिए आये तो, उन्हें पड़ौसियों ने बताया कि उनकी दुकान से कुछ फटने की आवाज आ रही है। साथ ही धुआं भी निकल रहा है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा शुरु

भीलवाड़ा । नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का शुभारंभ 17 सितंबर को किया गया है महापौर राकेश पाठक ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के जन्म दिवस से राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के जन्मदिवस तक उनके विचारों के अनुरूप स्वच्छता ही सेवा अभियान आयोजित किया जा रहा है,आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश अनुसार दिनांक 17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शहर की सफाई व्यवस्था में और अधिक सुधार किया जाएगा एवं शहर के 145 गंदे स्थानों को चिन्हित किया जाकर अभियान के दौरान उनकी पूर्ण सफाई की जाएगी, आम जनता में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, 25 सितंबर को आम जनता द्वारा एक घंटा श्रमदान स्वच्छता हेतु किया जाएगा ,अभियान के दौरान सफाई कार्मिकों की मेडिकल जांच भी करवाई जाएगी। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ सांसद दामोदर अठावाल एवं विधायक अशोक कोठारी द्वारा किया गया इस अवसर पर निगम के पार्षद गण, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेशनल हाईवे 158 पर बाधक बन रहे मकान पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाया

अधिकारियों ने पुलिस और कई अन्य विभागों के साथ मिलकर हाईवे के निर्माण में बाधा बन रहे अवैध मकानों और ढांचों को गिराया।

भीलवाड़ा । लंबे समय से अधूरी पडी नेशनल हाईवे 158 परियोजना के तहत बना रोड आसींद, मांडल और ब्यावर के बीच मौत का रोड के रूप में कुख्यात हो चुका था।

अब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने गंभीरता से लिया है। गुरुवार को प्रशासन के अधिकारियों ने पुलिस और कई अन्य विभागों के साथ मिलकर एक बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान, हाईवे के निर्माण में बाधा बन रहे अवैध मकानों और ढांचों को गिराया गया।

इस कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। आसींद विधायक जब्बर सिंह सांखला ने भी इस अधूरे हाईवे के मुद्दे को विधानसभा में उठाया था। सड़क सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए इस हाईवे का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करना जरूरी है, और प्रशासन की यह सख्ती इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अग्र प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी

पावटा। अग्रवाल समाज पावटा की बैठक गुरुवार को पावटा कस्बा स्थित विश्वनाथ मंदिर में अग्रवाल समाज पावटा संरक्षक वीरेंद्र कुमार बंसल की अध्यक्षता एवं अग्रवाल समाज पावटा अध्यक्ष बलदेव गोयल, उपाध्यक्ष पंकज जिंदल, महामंत्री यतीश बंसल, कोषाध्यक्ष अमित पंसारी की मौजूदगी में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अग्रवाल समाज पावटा संरक्षक वीरेंद्र कुमार बंसल ने की। बैठक में आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती एवं अग्र प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि यह समारोह साथ हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए आगामी 22 सितंबर, सोमवार को सुबह 5 बजे प्रभात फेरी व शाम 4 बजे मोदी मंदिर से शोभायात्रा ज्यों कि नगर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचेगी।

जहां अग्र प्रतिभा सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समिति के विभिन्न पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इनमें मंच संचालन, अतिथि स्वागत, भोजन व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी शामिल है।

नगला हरचंद गांव में पिछले एक माह से बाढ़ के हालात

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के नगला हरचंद गांव में पिछले एक माह से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले से राजस्थान के डीग होते हुए पानी गांव तक पहुंच गया है, जिससे गांव के सभी मुख्य रास्ते बंद हो गए हैं और गांव में भी पानी प्रवेश कर चुका है। हालत यह है कि लोग अपने घरों की छतों पर रहने को मजबूर हैं। गांव के लोग आवश्यक कार्य के चलते या पशुओं को चारा खिलाने के लिए ही पानी में प्रवेश करते हैं।स्कूल जाने वाले बच्चों को परिजन कंधों पर बैठकर स्कूल छोड़ने जाते हैं।

गांव का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है और लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। प्रशासन और सरकार के प्रतिनिधियों से गुहार लगाने के बाद कुछ पंपों के सहयोग से पानी निकासी का काम शुरू हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह प्रयास कम है क्योंकि लगातार पानी आ रहा है। ग्रामीण हरिकेश ने बताया कि एक माह से गांव उत्तर प्रदेश की ओर से आया पानी गांव में घुस गया है ।

घरों में पानी प्रवेश करने के साथ साथ मुख्य रास्ते पर कमर कमर तक तक पानी भरा हुआ है। जिससे ग्रामीणों की दिक्कतें बढ़ने लगी हैं । ज्यादातर की आजीविका कृषि कार्यों पर ही निर्भर है । बाढ़ से फसलें पहले भी तबाह हो गई हैं । गांव के लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

शांतिभंग के आरोप में 14 गिरफ्तार

रूपनगढ़। रूपनगढ़ पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर की जेल से जमानत होने पर जश्न मनाकर गांव में शांति भंग करने पर 14 गैरसायल को गिरफ्तार किया। रूपनगढ थाना प्रभारी सत्यवान सिंह मीणा ने बताया कि बुधवार को सूचना प्राप्त हुई कि पुलिस थाना रुपनगढ़ में दर्ज एक मुकदमा में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा दिपेन्द्र सिंह उर्फ दीपू पुत्र किशन सिंह निवासी सिगंला पुलिस थाना रुपनगढ़ जिला अजमेर जो थाना का हिस्ट्रीशीटर है की न्यायालय से रिहा होने पर सोशल मिडिया ग्रुप के समर्थक एवं साथीगण अपने लग्जरी वाहनो को लेकर अजमेर से उसके घर तक आकर वाहनो के काफिले से लोगो को भयभीत करने का प्रयास किया। जिस पर पुलिस द्वारा हिस्ट्रशीटर के घर पर निगरानी कर मालूमात करने पर लग्जरी वाहन खड़े मिले तथा दीपेन्द्र सिंह उर्फ दीपू को जमानत मिलने का जश्न मनाने की तैयारी करने लगे तो वहां पर पहुंचकर पुलिस ने सभी से यहां रात्रि के समय एकत्रित होने का कारण पूछा तो जोर जोर से चिल्लाने लगे। जिस पर पुलिस ने गैरसायल मनीष जाट पुत्र छोटूराम जाट निवासी पानवां कला पुलिस थाना नरैना जिला जयपुर,गैरसायल राजेश चौधरी पुत्र गुलराज जाट उम्र 26 साल निवासी काली डुगंरी पुलिस थाना गांधीनगर जिला अजमेर, गैरसायल नरसी बावरी पुत्र धन्नाराम बावरी गैर सायल को गिरफ्तार किया।

शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण, लाभार्थियों को पट्टे बांटे

भीलवाड़ा । शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी व जिले के प्रभारी सचिव राजन विशाल गुरुवार को जिले के दौरे पर रहे। इस अवसर पर उन्होंने बनेड़ा क्षेत्र के महुआ खुर्द में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर एवं नगर निगम परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया।

अवलोकन के दौरान प्रभारी सचिव ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों पर पहुंचकर शिविर में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से अब तक की प्रगति तथा आमजन को दिए जा रहे लाभ के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने लाभार्थियों से भी संवाद कर योजनाओं की स्थिति जानी और कहा कि राज्य सरकार व प्रशासन का शिविर आयोजित करने का उद्देश्य प्रत्येक पात्र लोगों को घर-घर तक लाभ पहुंचाना है। विशाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में पूर्ण पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें।

लाभार्थियों को पट्टे किये वितरित, प्री कैंप आयोजित करने के दिए निर्देश : उन्होंने कहा कि प्री-कैंप आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा प्रतिदिन का लक्ष्य तय कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने लाभार्थियों को मौके पर ही पट्टे वितरित किये और शिविरों के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने भी शिविरों की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। शिविर निरीक्षण के दौरान नगर विकास न्यास के सचिव श्री ललित गोयल, न्यास ओएसडी चिमनलाल, नगर निगम आयुक्त हेमाराम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गरीबी और बीमारी में निक्षय पोषण योजना ने दिया रामा रावत को सहारा

भीलवाड़ा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार चल रहे "सेवा पर्व पखवाड़ा" के तहत आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों ने जरूरतमंद परिवारों की जिंदगी में नई रोशनी जगाई है। शिवनगर, गागेडा निवासी रामा रावत भी उनमें से एक हैं, जिन्हें गरीबी और बीमारी की मार के बीच निक्षय पोषण योजना ने जीने का नया सहारा दिया। शिविर के दौरान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने स्वयं रामा को पोषण किट भेंटकर संबल प्रदान किया।

शिविर में जिला कलेक्टर संधू ने कहा कि टीबी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, इसे दवा और पोषण से पूरी तरह हराया जा सकता है। सेवा पर्व पखवाड़े दौरान प्रशासन का लक्ष्य है कि जरूरतमंद परिवारों के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचे और किसी भी परिवार को अभाव का सामना न करना पड़े। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा के अनुसार रामा रावत लंबे समय से खांसी और कमजोरी से जूझ रहे थे।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने स्वयं रामा को पोषण किट भेंटकर संबल प्रदान किया।

■ **शिविर में जिला कलेक्टर संधू ने कहा कि टीबी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, इसे दवा और पोषण से पूरी तरह हराया जा सकता है। सेवा पर्व पखवाड़े दौरान प्रशासन का लक्ष्य है कि जरूरतमंद परिवारों के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचे**

परिवार का पालन-पोषण करने वाला इकलौता सहारा होने के बावजूद बीमारी ने उनकी स्थिति दयनीय बना दी थी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर गागेडा पर सीएचओ जितेन्द्र कुमार से परामर्श के बाद बलगम की जांच करवाई गई, जिसमें गुलाबपुरा सीएचसी पर आधुनिक मशीन से पुष्टि हुई कि वे टीबी से पीडित हैं। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत गागेड़ा उप स्वास्थ्य केन्द्र पर उनका डॉट्स उपचार प्रारंभ किया। रामा की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से उन्हें पर्याप्त पोषण नहीं मिल पा रहा था। इस स्थिति को देखते हुए जिला कलेक्टर जसमीत संधू एवं बीसीएमओ गुलाबपुरा डॉ. सौरभ कुमार की उपस्थिति में निक्षय मित्र बनकर ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान रामा रावत को आटा, चावल, दाल, तेल व अन्य खाद्य सामग्री से युक्त पोषण किट उपलब्ध कराई गई।

यह पहल न केवल उनके स्वास्थ्य सुधार का साधन बनी, बल्कि परिवार को भी संबल मिला। जिले में निक्षय पोषण योजना के माध्यम से टीबी मरीजों को लगातार लाभान्वित किया जा रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और टीबी उन्मूलन की दिशा में ठोस प्रगति हो रही है। लाभान्वित रामा रावत ने कहा कि गरीबी और बीमारी ने जीवन कठिन बना दिया था, पर सरकार की निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं और प्रशासन द्वारा मिली पोषण किट ने मुझे नया आत्मविश्वास दिया है। अब मैं संतुलित आहार लेकर पूरी मजबूती से इस बीमारी से लड़ सकूँगा। पहले से काफी स्वस्थ महसूस कर रहा हूँ और समाज में भी इस पहल का प्रचार कर दूसरों को जागरूक करूँगा। रामा ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह सहयोग उनके लिए नई जिंदगी का वरदान साबित हुआ है।

श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान शांतिनाथ की आराधना

भीलवाड़ा। अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में गुरूवार को श्राद्ध पक्ष में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान शांतिनाथ की आराधना का रंग जमा तो पूरा वातावरण आध्यात्मिक उर्जा से परिपूर्ण हो गया। आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित साप्ताहिक अनुष्ठान आराधना में महासाध्वी मण्डल ने शांतिनाथ भगवान की स्तुति में ऋषि रघुनाथ महाराज द्वारा रचित "शांतिनाथजी को कीजो जाप, करोड भवा रा काटे पाप" छंद का जाप का जाप कराया।

सैकड़ो श्रावक-श्राविकाओं ने शुद्ध भावों के साथ इस श्लोक का जाप किया तो पूरा वातावरण पवित्र एवं पावन हो गया ओर असीम पॉजिटिव एनर्जी का संचार हुआ। श्राद्ध पक्ष के दौरान श्रद्धा की अनुभूति हुई। इस छंद का जाप कर प्रार्थना की गई कि पितरों की कृपा हम पर बनी रहे ओर सबके जीवन में साता रहे। ये स्तुति जीवन में सुख,शांति व आनंद प्रदान करने वाली होती है। जीवन में शांति ओर साताकारी वातावरण चाहिए तो भगवान शांतिनाथ की स्तुति करते रहे। अनुष्ठान के शुरू में महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में श्री व्रज पंज्जर स्तोत्र की आराधना की गई।

जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. द्वारा भगवान शांतिनाथ की स्तुति में रचित "साता किजो श्री शांतिनाथ प्रभु शिव सुख दीजो जी" प्रार्थना भी हुई। श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर आचार्य शिवमुनिजी म.सा. के 84वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय आयोजन के अंतिम दिन अनुष्ठान आराधना के साथ गुणानुवाद भी किया गया। हुक्मगच्छाधिपति शांत क्रांति संघ के आचार्य श्री विजयराजजी म.सा. की जयंति भी मनाते हुए गुणानुवाद किया गया। महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने कहा कि ऐसे महान संत जिनशासन का गौरव बढ़ाते है ओर उनका जितना गुणगान करे कम होगा।

आईसीसी मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट भारतीय टीम के फेवरेट हैं। जब भी मैं टॉस की मेजबानी करता हूं, तो वह हमेशा वहां मौजूद रहते हैं। – रमीज रजा

पाक खिलाड़ी, मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को लेकर भारत पर लगया आरोप, सूर्यकुमार यादव को लेकर कही ये बात।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ब्योर्न बोर्ग

टेनिस के दिग्गज ब्योर्न बोर्ग ने कहा है कि "बेहद आक्रामक" प्रोस्टेट कैंसर का पता चलने के बाद, वह "दिन-ब-दिन, साल-दर-साल" इस बीमारी से लड़ रहे हैं। 69 वर्षीय बोर्ग ने अपनी आत्मकथा के अंतिम अध्याय में इस खबर की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी बीमारी "अपने सबसे उन्नत चरण" में है, लेकिन वह "हर दिन विंबलडन फाइनल की तरह लड़ेंगे"। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी ब्योर्ग ने 25 साल की उम्र में अप्रत्याशित रूप से संन्यास लेने से पहले 11 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते थे, जिनमें लगातार पांच विंबलडन खिताब भी शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप के इतिहास में 1984 और 1988 में भारत ने शुरुआती जीत दर्ज की हैं। 1995 और 2000 में पाकिस्तान ने वापसी करते हुए भारत को हराया।

कौन होगा बीसीसीआई का नया अध्यक्ष अमित शाह के साथ मीटिंग में होगा साफ

नई दिल्ली, 18 सितंबर। भारतीय क्रिकेट के लिए 28 सितंबर को बड़ा दिन है। क्योंकि इस दिन बोर्ड के शीर्ष पदाधिकारियों का चुनाव होना है। सबसे बड़ा मुद्दा अध्यक्ष पद को लेकर है। क्योंकि रोजर बिन्नी का कार्यकाल खत्म हो चुका है और अब अंतरिम चेयरमैन राजीव शुक्ला हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,20 सितंबर को दिल्ली में सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों के साथ बीसीसीआई के अधिकारियों की मीटिंग होनी है। इसी दिन फैसला हो जाएगा कि कौन अगला चेयरमैन होगा। हालांकि, ऐलान 28 सितंबर को होने की संभावना है। ये अनौपचारिक बैठक गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर होगी, जहां बीसीसीआई

के अगले नेतृत्व की अंतिम रुपरेखा तय होने की उम्मीद है। 2022 में भी इसी तरह की एक बैठक में पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन ने तत्कालीन बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली पर पिछले तीन सालों के उनके प्रदर्शन को लेकर तीखी अलोचना की थी। गांगुली उस समय एक और कार्यकाल के लिए बीसीसीआई के चेयरमैन पद पर बने रह सकते थे, लेकिन बैठक में अंततः रोजर बिन्नी को इस पद के लिए चुना गया। गांगुली को उस बैठक में फिर से आमंत्रित किया जाएगा या नहीं, ये केवल अनुमान का विषय है। लेकिन अटकलें अभी भी उनके और उनके पूर्व साथी हरभजन सिंह के नाम को लेकर हैं। कर्नाटक के पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर रघुराम भट्ट के बारे में भी कुछ चर्चा हुई है। इसके अलावा पूर्व भारतीय विकेटकीपर किरण मोरे का नाम भी लिस्ट में शामिल है। जिनको बीसीसीआई अध्यक्ष पद की कुर्सी मिल सकती है। किरण मोरे भले ही एजीएम में शामिल प्रतिनिधियों में शामिल न हों, लेकिन इसके लिए भी प्रावधान है।

एशिया कप 2025 : सुपर-4 में टकराएंगे भारत-पाक

नई दिल्ली, 18 सितंबर। भारत के बाद अब पाकिस्तान टीम भी एशिया कप 2025 के सुपर-4 में पहुंच गई है। अपने आखिरी ग्रुप मैच में पाकिस्तान की भिड़ंत यूएई से थी। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर ये मुकाबला खेला गया, जिसे पाकिस्तान ने अपने नाम कर लिया। अब 20 सितंबर से एशिया कप 2025 के सुपर राउंड की शुरुआत होने वाली है।

भारत बनाम पाकिस्तान

एशिया कप की 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया था। दोनों ग्रुप से टॉप- 2 टीम को सुपर-4 में जगह मिलेगी। वहां सभी चार टीमें एक दूसरे का मुकाबला करेंगी। भारतीय टीम सुपर-4 के अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगी। ये मुकाबला 21 सितंबर को खेला

जाएगा। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर भारतीय समय अनुसार रात 8 बजे इस मुकाबले की शुरुआत होगी। ये सुपर-4 में पाकिस्तान का भी पहला ही मैच होगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को भी मुकाबला हुआ था। ग्रुप ए में रहने की वजह से दोनों टीमों की टक्कर हुई थी। दुबई में खेले गए उस मुकाबले को भारत ने आसानी से 7 विकेट से जीत लिया था। पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए सिर्फ 127 रन बनाए। उनके बल्लेबाजों के पास भारत की स्पिन गेंदबाजी का कोई जवाब ही नहीं था। भारतीय टीम ने 16वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया था।

वहीं एशिया कप 2025 का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। इस मैच में भी भारत और पाकिस्तान की टक्कर हो सकती है। सुपर-4 में टॉप-2 पर रहने वाली टीमो के बीच एशिया कप का फाइनल होगा। अभी तक ग्रुप बी से सुपर-4 में जगह बनाने वाली टीमों का नाम पक्का नहीं हो पाया है। बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका में से कोई दो अगले राउंड में पहुंचेंगी। भारतीय टीम सुपर-4 के अपने दो अन्य मुकाबले 24 और 26 सितंबर को खेलेगी।

ध्रुव जुरेल और देवदत्त पडिक्कल ने भारतीय पारी को संभाला

लखनऊ, 18 सितंबर। ध्रुव जुरेल (नाबाद 113) और देवदत्त पड़िक्कल (नाबाद 86) रनों की जुझारू पारियों के दम पर भारत ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनधिकृत टेस्ट मैच का तीसरे दिन गुरुवार को स्टंप्स के समय तक चार विकेट पर 404 रन बना लिये है। हालांकि वह अभी भी ऑस्ट्रेलिया ए के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 129 रन पीछे है। भारत ए टीम ने कल के एक विकेट पर 116 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत का दूसरा विकेट नारायण जगदीशन (64) के रूप में गिरा। उन्हें जेवियर बार्टलेट ने विकेटकीपर जॉश फिलिपे के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल ने साई सुदर्शन के साथ तीसरे विकेट लिये 76 रन जोड़े। कूपर कॉनली ने साई सुदर्शन (73) को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर आठ रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुये। इसके बाद ध्रुव जुरेल ने देवदत्त पड़िक्कल के साथ अविजित 181 रनों की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ए ने चार विकेट पर 404 रन बना लिये है और ध्रुव जुरेल (नाबाद 113) तथा देवदत्त पड़िक्कल (नाबाद 86) क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया ए के लिए जेवियर बार्टलेट, कोरी रॉकीचॉली, लियन स्कॉट और कूपर कॉनली ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 532 के स्कोर पर घोषित कर दी थी।

सिंधु, सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में

शेनझेन, 18 सितम्बर। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पी वी सिंधु और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने ली-निंग चाइना मास्टर्स 2025 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने गुरूवार को केवल 33 मिनट में सीधे गेमों में चीनी ताइपे के चियु सियांग चीह और को 21-13, 21-12 से पराजित किया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन के रेन जियांग यू और झी हाओनान से होगा। पीवी सिंधु ने राउंड ऑफ 16 में वर्ल्ड नंबर 6 थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय स्टार ने शेनझेन एरिना, शेनझेन में 41 मिनट में 21-15, 21-15 से सीधे गेमों में जीत दर्ज की।

मेफेयर पोलो और अरावली पोलो टीमें जीती

जयपुर, 18 सितम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर जयपुर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें अरावली पोलो टीम ने जयपुर पोलो टीम को 3 के मुकाबले 9 गोल से हराया। जयपुर पोलो टीम की ओर से अंगद कलान ने 1, महाराज पद्मनाभ सिंह ने 2 गोल किए। अरावली पोलो टीम की ओर से दीप सिंह ने 3 ओर जोन मार्टिन, हुर्र अली ओर कुलदीप सिंह ने 2- 2 गोल किए। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर नेवी कानोता पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें मेफेयर पोलो टीम ने नेवी कानोता पोलो टीम को 5 के मुकाबले 12 गोल से हराया। मेफेयर पोलो टीम की ओर से प्रणव कपूर ने 1, सवीर मेहराज, शमशीर अली ने 3- 3 गोल किए। बतिस्ता ने अपनी टीम के लिए 5 गोल कर जीत पक्की कर दी। नेवी कानोता पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह कानोता ने 1ओर गोंज़ालो यानज़ोन ओर सलीम ने 2- 2 गोल किए।

रोहन राजभर, ओसनिक ग्रोवर, सोहन जैफ, धर्मवीर सैनी, पुखराज कुमार के शतक

जयपुर 18 सितम्बर, आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में राज्य अंडर 23 प्रतियोगिता में जयपुर, उदयपुर, जालोर, भीलवाड़ा, राजसमंद, अजमेर, पाली, सीकर, बाड़मेर ,हनुमानगढ़, अलवर, श्रीगंगानगर, नागौर व सिरोही जीती। रोहन राजभर, ओसनिक ग्रोवर, सोहन जैफ, धर्मवीर सैनी, पुखराज कुमार के शतक। भुवन शर्मा, सचिन यादव, राहुल गर्ग, रौनक ग्रोव, मुकेश कुमार र का आल राउंडर प्रदर्शन। महेंद्र चौधरी, इमरान, हर्षित दक, हिमांशु नेहरा, नितिन गुप्ता, तनवीर कुमार, नयन मैडा की शानदार गेंदबाजी रही।

एशिया कप के ड्रामे के बीच, एसीसी ने अधूरी वार्षिक आम बैठक फिर से बुलाई

दुबई, 18 सितम्बर। पिछले कुछ दिनों में दुबई और लाहौर में मैदान के अंदर और बाहर खेला गया एशिया कप का नाटकीय घटनाक्रम अब इस महीने के अंत में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक के दौरान बोर्डरूम में स्थानांतरित हो सकता है। एसीसी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम), जिसे कुछ महीने पहले ढाका में अचानक स्थगित कर दिया गया था, अब 30 सितंबर को दुबई में पुनर्निर्धारित की गई है।

एशिया कप फाइनल के दो दिन बाद होने वाली इस बैठक में, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी करेंगे, जोरदार हंगामा होने की उम्मीद है - मौजूदा चैंपियनशिप से जुड़े मुद्दों और ढाका में 24 जुलाई को होने वाली बैठक में अधूरे रह गए कार्यों को लेकर।

एजीएम का एजेंडा अभी जारी नहीं किया गया है, लेकिन एशिया कप ने पहले ही कई मुद्दे सामने ला दिए हैं - हाथ मिलाने का विवाद, मैच रेफरी विवाद और पाकिस्तान के हटने की धमकी - जिन पर विचार-विमर्श किया जाना है। एक और विवाद भी छिड़ सकता है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि एशिया कप कौन जीतता है, ट्रॉफी कौन प्रदान करता है, और समारोह का आयोजन कैसे होता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से कौन भाग लेगा, यह भी एक कारक हो सकता है। महिला वनडे विश्व कप उसी दिन गुवाहाटी में शुरू हो रहा है, और बीसीसीआई सदस्यों के उद्घाटन समारोह में व्यस्त रहने की उम्मीद है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि एसीसी बैठक में बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसे नामित किया जाता है।

यह निर्णय दो दिन पहले, 28 सितंबर को मुंबई में बीसीसीआई की अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में लिया जाएगा। वर्तमान में, राजीव शुक्ला और आशीष शेलार एसीसी में बीसीसीआई के नामित प्रतिनिधि हैं। दोनों ने ढाका बैठक में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया था। 30 सितंबर के एजेंडे में सबसे महत्वपूर्ण विषय एसीसी उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। बीसीसीआई द्वारा इस प्रक्रिया का विरोध करने के बाद ढाका में यह मामला अनसुलझा रह गया था। इस बार, चुनाव होगा, जिसमें अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के महासचिव मुबाशिर उस्मानी के दावेदार होने की उम्मीद है।

एसीसी एजीएम को देखते हुए, आईएलटी20 के आयोजकों ने इसकी नीलामी स्थगित कर दी है। यह 30 सितंबर को दुबई में होनी थी और अब इसे 1 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दिया गया है और दुबई ही इसका आयोजन स्थल रहेगा।

भारत आखिरी ग्रुप मैच में ओमान से भिड़ेगा

अबु धाबी, 18 सितंबर। भारत शुक्रवार को शेख जायद स्टेडियम में एशिया कप टी20 के ग्रुप-ए के आखिरी मुकाबले में ओमान से भिड़ेगा, जो शाम के अंधेरे में मंडराता हुआ बाघ है। सुपर 4 का टिकट पहले ही उनकी जेब में है।

गत चैंपियन टीम ने ग्रुप चरण में मानसून की तरह तूफानी प्रदर्शन किया है - पहले यूएई को रनों से भिगोया, फिर सात विकेट शेष रहते पाकिस्तान को धूल चटाई। अब वे तीन में से तीन जीत के कगार पर हैं और आगे की कड़ी टक्कर से पहले अपने पंजे तेज करने को बेताब हैं।

शीर्ष क्रम में, युवा अभिषेक शर्मा एक धधकते धूमकेतु की तरह बल्लेबाजी कर रहे हैं, जिससे पावरप्ले में भारत को रॉकेट जैसा ईंधन मिल रहा है। शुभमन गिल की विलो ने जहाज को स्थिर पतवार की तरह चलाया है, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने बीच के ओवरों में त्योहार की रोशनी जैसे चमकदार स्ट्रोक लगाए हैं। उनके पीछे संजू सैमसन, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल हैं - बेंच इतनी गहरी है कि अरब सागर को छू सकती है। गेंदबाजी में, कुलदीप यादव ने छल के जाल बिछाए हैं, वरुण चक्रवर्ती ने किसी जादूगर की तरह गेंदबाजी की है, और जसप्रीत बुमराह भारत के शस्त्रागार में वज्रपात की तरह हैं। दो भारी हार के बाद पहले ही बाहर हो चुका ओमान, उम्मीदों से भरे दिल के साथ एक कमजोर टीम के रूप में उतरेगा। कप्तान जतिंदर सिंह, अगर अपनी लय फिर से हासिल कर लेते हैं, तो जोश भर सकते हैं, जबकि आमिर कलीम और शाह फैसल को अपनी टीम को बचाए रखने के लिए अपनी क्षमता से ज्यादा प्रदर्शन करना होगा। शेख जायद की पिच बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने का वादा करती है - शुरुआत में स्ट्रोक बनाने वालों के लिए अच्छी, और जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ेगा।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 18 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 280 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं। नभय अग्रवाल ने 72, कौशलेंद्र ने 67 और दिवित ने 50 रनों का योगदान दिया। वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वर्धमान क्रिकेट एकेडमी 24 ओवर में 51 रन पर ऑल आउट हो गई। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से जयदीप यादव ने 3, यशवर्धन सक्सेना ने 3 और पुनीत सिंह ने दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच कौशलेंद्र को चुना गया।

नीरज आठवें, सचिन यादव चौथे, वाल्कॉट ने जीता स्वर्ण

टोक्यो, 18 सितम्बर। गत चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के भाला फेंक फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन किया। 84.03 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ वह आठवें स्थान पर रहे। सचिन यादव 86.27 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बाद चौथे स्थान पर रहे। पेरिस ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम का प्रदर्शन भी उतना ही खराब रहा, उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.75 मीटर रहा और वह 10वें स्थान पर रहे।

इससे पहले, चोपड़ा, जिन्होंने इस सीजन में पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया था, ने क्वालीफिकेशन राउंड के दौरान 84.85 मीटर के एक थ्रो के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली थी। चोपड़ा का क्वालीफिकेशन प्रदर्शन लगातार पांचवां ऐसा मौका है जब उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिए सिर्फ़ एक प्रयास की जरूरत पड़ी। इससे पहले उन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक, 2022 और 2023 विश्व चैंपियनशिप, और 2024 पेरिस ओलंपिक में एकल-थ्रो के साथ क्वालीफाई किया था। जर्मनी के जूलियन वेबर भी अपने दूसरे प्रयास में स्वतः योग्यता अंक प्राप्त करके फाइनल में पहुंच गए। वेबर ने 82.29 मीटर थ्रो से शुरुआत की और फिर 87.21 मीटर तक पहुंच गए। भारत के सचिन यादव और पाकिस्तान के अरशद नदीम ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यादव ने तनावपूर्ण प्रतीक्षा के बाद बमुश्किल फाइनल में जगह बनाई, जबकि नदीम ने अपने अंतिम प्रयास में अपना स्थान पक्का किया। पेरिस 2024 में नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता। लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में दोनों के लिए स्थिति निराशाजनक रही।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशोर्न वाल्कॉट का 83.00 मीटर के अपने अंतिम प्रयास से पहले ही विश्व चैंपियन बनना तय हो गया। 2012 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता वाल्कोट 88.16 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चैंपियन हैं, जो उनके सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 87.38 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता।

यूएसए के कर्टिस थॉम्पसन ने 86.67 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। उनके और अमेरिकी एथलेटिक्स के लिए यह एक बड़ा क्षण है क्योंकि इससे एक दशक से भी ज्यादा पुराना सूखा खत्म हुआ।

मून ने महिला पोल वॉल्ट में बरकरार रखा अपना खिताब

टोक्यो, 18 सितंबर। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बुधवार को जापान नेशनल स्टेडियम में एक और दिन शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। अमेरिका की केटी मून ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में अपना खिताब बरकरार रखा और इटली के मटिया फुरलानी ने पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में खिताब जीता। 34 वर्षीय मून ने अपने अंतिम प्रयास में 4.90 मीटर की छलांग लगाकर लगातार तीसरी बार विश्व महिला पोल वॉल्ट खिताब जीतकर अपनी विरासत को और मजबूत किया। चार साल पहले इसी स्थान पर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने हमवतन सैंडी मॉरिस को हराया था, जिन्होंने 2017 के बाद से अपना चौथा विश्व चैंपियनशिप रजत पदक 4.85 मीटर की छलांग लगाकर जीता। स्लोवेनिया की टीना सुतेज ने 4.80 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता।

वेस्टइंडीज ने नेपाल दौरे के लिए टीम की घोषणा की

एंटीगा, 18 सितंबर। वेस्टइंडीज ने इस महीने शारजाह में नेपाल के साथ होने वाली तीन अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों की श्रृंखला के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा कर दी है। इस श्रृंखला के दौरान कैरेबियाई टीम ने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया है। इनमे कप्तान शाई होप, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ और बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स शामिल है।

इस श्रृंखला में स्पिनर अकील होसेन कप्तान के रूप में टीम की अगुवाई करेंगे, जबकि नियमित खिलाड़ी फैबियन एलन, जेसन होल्डर और काइल मेयर्स 27 सितंबर से शुरू होने वाले तीन मैचों के दौरान टीम का समर्थन करेंगे। इस श्रृंखला के दौरान पांच खिलाड़ी बल्लेबाज अकीम ऑगस्टे, ऑलराउंडर नवीन बिदाईसी, स्पिनर जिशान मोटारा, तेज गेंदबाज रेमन सिमंड्स और विकेटकीपर आमिर जंगू अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण की कतार में हैं।

वेस्टइंडीज क्रिकेट के निदेशक माइल्स बास्कोम्बे ने टीम के चयन को लेकर कहा कि यह श्रृंखला टीम को अगले साल की शुरुआत में भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप से पहले प्रभावित करने के अवसर प्रदान करेगी। नेपाल दौरे के लिए वेस्टइंडीज टीम इस प्रकार है:- अकील होसेन (कप्तान), फैबियन एलन, ज्वेल एंड्रयू, एकीम अगस्टे, नवीन बिडाइसे, जेडीया ब्लेड्स, कीसी कार्टी, करीमा गोर, जेसन होल्डर, अमीर जांगू, काइल मेयर्स, ओबेद मैककॉय, ज़िशान मोटारा, रेमन सिमंड्स, शमर स्प्रिंगर।

मिलानो कॉर्टिनो 2026 के लिए 85% स्टेडियम तैयार : आईओसी

जिनेवा, 18 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) समन्वय आयोग ने कहा कि मिलानो कॉर्टिना 2026 शीतकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए 85 प्रतिशत आयोजन स्थल तैयार हैं। मिलान, कॉर्टिना, वाल्टेलिना, फिएमे घाटियों और वेरोना में शीतकालीन ओलंपिक छह से 22 फरवरी 2026 तक होंगे, इसके बाद छह से 15 मार्च तक पैरालिंपिक का आयोजन होगा। समन्वय आयोग की अध्यक्ष क्रिस्टिन क्लोस्टर ने बुधवार को आयोग के छठे और अंतिम दौरे के बाद मिलान में संवाददाता सम्मेलन में कहा, लगभग 85 प्रतिशत आयोजन स्थल पहले से ही मौजूद हैं। अगर हम आंकड़ों पर सटीक नजर डालें, तो ये खेल भी प्रभाव डाल रहे हैं। उत्साह बढ़ रहा है और अब तक के काम पर हमें गर्व है। कॉर्टिना में स्लाइडिंग सेंटर उम्मीदों से बढ़कर है। मिलान ओलंपिक विलेज पूरी तरह से तैयार है और आठ लाख से अधिक टिकटों की बिक्री राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उत्सुकता को दर्शाती है। अगले महीने का ध्यान जागरूकता बढ़ाने, प्रशंसकों को जोड़ने और खेलों से पहले होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों और उपलब्धियों को बढ़ावा देने पर होगा। हम अब परिचालन तैयारी के एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें खेलों के दौरान सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण कार्यक्रम और सिमुलेशन कार्यक्रम निर्धारित हैं।

सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ चुनाव को लेकर फिर विवाद, फर्जी साइन से हुए चुनाव

जयपुर, 18 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सियासी घमासान लगातार बढ़ता जा रहा है। सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ के चुनाव को लेकर कोर्ट में दायर हुई याचिका के बाद अब जिला क्रिकेट संघ के मौजूदा पदाधिकारियों ने पूर्व में हुए चुनाव को फर्जी बताते हुए पूर्व कार्यकारिणी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ के जॉइंट सेक्रेटरी जितेंद्र उपाध्याय ने गुरुवार को आरोप लगाते हुए कहा है कि साल 2018 में सवाई माधोपुर हुए संघ के चुनाव में फर्जी साइन और दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने दावा किया कि चुनाव में स्पोर्ट्स काउंसिल की ओर से मनोनीत सदस्य भवानी सिंह के फर्जी हस्ताक्षर करके चुनाव करवाया गया। जिसके खिलाफ जिला क्रिकेट संघ पुलिस में शिकायत दर्ज करेगा। इस पूरे मामले से चर्चा में आए भवानी सिंह ने कहा कि मेरे नाम का दुरुपयोग किया गया है। मेरे फर्जी साइन करवाकर चुनाव करवाए गए। मेरे नाम का एक शपथ पत्र भी दिया है। जिसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगा।

बता दें कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी कन्वीनर दीन दयाल कुमावत फिलहाल सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ से पदाधिकारी है। जिसको लेकर कोर्ट में मामला विचाराधीन है। ऐसे में एडहॉक कमेटी के एक्सटेंशन से पहले हुए इस विवाद का असर अगले कुछ दिनों में एडहॉक कमेटी के पदाधिकारियों पर भी नजर आ सकता है।

पीकेएल-12 : 18वें मिनट में समाधी की चार अंक की रेड ने बंगाल वारियर्स पर जयपुर पिंक पैंथर्स की जीत पक्की की

जयपुर, 18 सितंबर। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 39वें मुकाबले के 18वें मिनट तक बंगाल सिर्फ चार अंक से पीछे थे। देवांक मैट पर नहीं थे और इस लिहाज से बंगाल के लिए मुश्किल के पल थे। वापसी की संभावना थी लेकिन अली समाधी ने चार अंक की रेड के साथ 45-41 के अंतर से जयपुर की जीत पक्की कर दी।

जयपुर को सात मैचों में चौथी जीत दिलाने में नितिन (13) और समाधी (12) की अहम भूमिका रही। बंगाल के लिए देवांक (16) ने भी सुपर-10 लगाया और आशीष (6) ने हाई-5 लगाया। बंगाल वापसी कर सकती थी लेकिन समाधी की रेड ने उसका काम तमाम कर सात मैचों में पांचवीं हार को मजबूर किया। देवांक ने आर्यन को आउट कर सबसे तेजी से 400 रेड प्वाइंट लाने

का रिकार्ड बनाया लेकिन नितिन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ बंगाल की खुशी थोड़ी कम कर दी। अगली रेड पर वह हालांकि लपक लिए गए। समाधी ने हालांकि मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद देवांक ने दो अंक की रेड के साथ बंगाल को फिर आगे कर दिया। फिर समाधी का शिकार कर बंगाल ने लीड दोगुनी कर दी। जयपुर ने हालांकि सुपर टैकल की स्थिति में देवांक को लपक स्कोर 5-6 कर दिया।

जयपुर ने देवांक को लपक आलआउट के साथ 15-9 की लीड ले ली। बीते पांच मिनट में जयपुर ने 3 के मुकाबले 11 अंक लिए। आलइन के बाद बंगाल ने दो अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। जयपुर ने लगातार दो बार देवांक को लपक हिसाब बराबर किया। इधर, नितिन लगातार अंक ले रहे थे। जयपुर ने जल्द ही 20-13 की लीड ले ली। नितिन ने 12वीं रेड में सुपर-10 पूरा कर बंगाल को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। नितिन ने अगली रेड पर बंगाल को आलआउट की ओर धकेला लेकिन विश्वास ने उसे बचा लिया। हाफटाइम तक जयपुर 24-18 से आगे थे। ब्रेक के बाद जयपुर ने आलआउट लेते हुए 27-19 की लीड ले ली। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए। फिर समाधी ने चार अंक की रेड के साथ जयपुर की जीत पक्की कर दी। इसके बाद बंगाल की टीम जयपुर के काफी करीब आई लेकिन समाधी के चार अंक की रेड के कारण तीन अंकों से हार को मजबूर हुई।

जयपुर में प्रतिष्ठित आईएसएसओ नेशनल गेम्स 2025-26 का हुआ आगाज

जयपुर, 18 सितंबर। जयपुर में प्रतिष्ठित आईएसएसओ नेशनल गेम्स 2025-26 का गुरुवार (18 सितंबर) से आगाज हुआ। भव्य उद्घाटन समारोह के साथ इस पांच दिवसीय रोमांचक खेल प्रतिस्पर्धाओं की शुरुआत हुई। यह मंच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवा खेलों की भावना को बढ़ाने का एक प्रमुख अवसर है। 22 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता की मेजबानी जयपुर स्थित जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल कर रहा है। इस वर्ष, जेपीआईएस ने तीन रोमांचक श्रेणियों-अंडर-19 बालक फुटबॉल, अंडर-17 बालक बास्केटबॉल और अंडर-17 बालिका बास्केटबॉल - की मेजबानी का दायित्व संभाला है, जो कौशल, जोश और खेल कौशलों का शानदार प्रदर्शन करने का

वादा करती हैं। भारत और विदेश के 50 से अधिक अग्रणी विद्यालयों से आए 1000 से अधिक छात्र-खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ यह प्रतियोगिता कड़ी प्रतिस्पर्धा और असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की बांसवाड़ा यात्रा की तैयारी पर निर्देश दिये

प्रधानमंत्री 25 सितंबर को माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र का शिलान्यास करेंगे

जयपुर, 18 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को बांसवाड़ा से देश को एक लाख 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाएं समर्पित करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र का शिलान्यास भी करेंगे, जो राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शर्मा ने प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों को लेकर सभी विभागों को समन्वय से काम कर समय पर समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, यातायात, पार्किंग और सुरक्षा जैसे सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री इस अवसर पर बीकानेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस, जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस और उदयपुर सिटी-चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री पीएम-कुसुम योजना के लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों को लेकर गुरूवार को उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को समय पर समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन का सीधा प्रसारण राज्य के सभी जिला मुख्यालयों, नगर निकायों और ग्राम पंचायतों तक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऐतिहासिक अवसर से जुड़ सकें।

- **प्रधानमंत्री बीकानेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत, जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत तथा उदयपुर-चंड़ीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की सफलता के लिए, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, यातायात, पार्किंग व सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।**

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उदयपुर संभागीय आयुक्त और बांसवाड़ा जिला कलेक्टर वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

प्र.मंत्री मोदी ने नेपाल की प्र.मंत्री कार्की से बात की

नई दिल्ली, 18 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने शांति और स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर ट्वीट किया, नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही, मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

- **प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी।**

यह बातचीत, 8 सितंबर को हिंसक झड़पों और विरोध प्रदर्शनों की वजह से संसद भंग होने के बाद सुशीला कार्की की ओर से नेपाल में अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के कुछ दिनों बाद हुई है। इससे पहले मंगलवार को नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सिंह दरबार स्थित सुशीला कार्की से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की थी। नेपाल के विदेश मंत्रालय द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए पोस्ट के अनुसार, बैठक के दौरान राजदूत श्रीवास्तव ने नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में कार्की की नियुक्ति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बधाई संदेश दिया।

राज्य कर विभाग ने विश्वकर्मा में 9.59 करोड़ रूपए की जीएसटी चोरी पकड़ी

फर्जी चालान तथा ई-वे बिल से खरीद दिखाने वाला मास्टर माइंड महेन्द्र खंडेलवाल गिरफ्तार

जयपुर, 18 सितंबर। राज्य कर विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन में, राज्य में पनप रहे बोगस, फेक फर्मो तथा कारोबारियों पर राजस्व क्षति रोकने के लिए प्रवर्तन शाखा प्रथम की टीम द्वारा राजधानी जयपुर स्थित विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीयल एरिया की आयरन एवं स्क्रेप कारोबार में संलिप्त दो फर्मों, बाबा मैटल्स तथा खण्डेलवाल एण्टरप्राईजेज पर एक साथ सर्च/सर्वे की कार्यवाही की गई।

मुख्य आयुक्त राज्य कर विभाग ने बताया कि कार्यवाही से पूर्व विभाग ने जीएसटी पोर्टल पर दोनों फर्मों के खरीद फरोख्त संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया तथा अपने गुप्त स्त्रोतों से इन फर्मों की व्यापारिक गतिविधियों की सूचना जुटाई गयी। कार्यवाही के दौरान पाया गया कि दोनों फर्मों का संचालन एक मास्टरमाइंड महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा किया जा रहा है। विभागीय जांच में स्पष्ट हुआ कि महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा अपनी दोनों फर्मों में कूटरचित बोगस बिलों के आधार पर कुल 53 करोड़ 27 लाख रूपये की खरीद दिखाकर 9करोड़ 59 लाख रूपये की राजस्व हानि की गई है। मास्टरमाइंड महेन्द्र खण्डेलवाल सुनियोजित योजना के तहत, राज्य के बाहर स्थित आयरन एवं स्क्रेप के बोगस कारोबारियों से संबंध स्थापित किये तथा दिल्ली, उत्तरप्रदेश, आगरा स्थित बोगस फर्मो से बिलों की खरीद कर अनुचित आगत कर (आईटीसी) का लाभ लेकर राजस्व की हानि की।

- **मास्टर माइंड महेन्द्र खंडेलवाल ने अपनी दो फर्मों में कूटरचित बोगस बिलों के आधार पर कुल 53 करोड़ 27 लाख रूपये की खरीद दिखाकर 9 करोड़ 59 लाख रूपयों की राजस्व हानि की।**

उन्होंने बताया कि जब विभाग ने इन फर्मो में माल की खरीद के लिए निर्मित ई-वे बिलों की गहनता से पड़ताल की तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आये। ई-वे बिल में जिन वाहनों का नम्बर दर्ज किया गया था। उन वाहनों का फर्मो के घोषित व्यवसाय स्थल, गोदाम आदि पर आगमन होना नही पाया गया। यहीं नही इनमें से कई वाहनो का संचालन तो राज्य के बाहर अन्यत्र होना पाया गया। इस प्रकार मास्टरमाइंड महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा आगत कर दुरूपयोग (आईटीसी मिसयूज) की सोची समझी रणनीति के तहत माल की वास्तविक आपूर्ति प्राप्त किये बिना ही कूटरचित ई-वे बिलों का निर्माण किया गया और केवल कागजी संव्यवहार के द्वारा बोगस बिलों से खरीद दिखाकर मिथ्या आगत कर का लाभ प्राप्त कर राजस्व की क्षित कारित की है।

कुमार पाल गौतम ने बताया कि सर्च कार्यवाही के पश्चात् बोगस कारोबारी महेन्द्र खण्डेलवाल विभाग को चकमा देकर एकाएक भूमिगत हो गया। मास्टरमांइड ने अपना मोबाइल फोन बन्द कर लिया और रोज नये ठिकाने बदलता रहा। विभाग के बार-बार सम्मन जारी करने पर भी पेशी पर उपस्थित नही हुआ। जिस पर मुख्य आयुक्त के सुपरविजन में प्रवर्तन शाखा प्रथम की टीम गठित की गई और मास्टरमाइंड के सभी संभावित ठिकानों, रिश्तेदारो के घरों पर राउण्ड दा क्लॉक हुलिया बदलकर रैकी करवायी गयी। टीम के कई सदस्य बोगस ग्राहक बनकर आयरन एवं स्क्रेप कारोबारियों से सम्पर्क करते रहे। इसी बीच, टीम को अपने गुप्त स्त्रोतों से किसी सामाजिक कार्यक्रम में मास्टरमाइंड के उपस्थित होने के सूचना मिली, जिस पर टीम के दो सदस्य कैटरिंग वाले बनकर कार्यक्रम में शामिल हो गये और बाकी टीम को सूचित कर अभियुक्त महेन्द्र खण्डेलवाल को आरजीएसटी/सीजीएसटी एक्ट 2017 के प्रावधानों के तहत 9करोड़ 59 लाख रूपये की राजस्व चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार कर आर्थिक अपराध न्यायालय में पेश किया गया। अभियुक्त को 29 सितंबर तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। विभाग द्वारा सम्पूर्ण प्रकरण की गहनता से जाँच की जा रही है।

सीवर की "मैनुअल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। मेरा मत है कि जुर्माना संबंधित अधिकारियों से वसूला जाए और वे बताएं कि निर्देशों का पालन क्यों नहीं हुआ।

सरकार ने जवाब में कहा कि यह केवल ओपन ड्रेनेज का डीसिल्टिंग कार्य था, जिसमें कोई जहरीली गैस नहीं होती, और इसलिए यह मैनुअल स्कैवेंजिंग की परिभाषा में नहीं आता। न्यायमित्र ने सरकार द्वारा किए गए इस बचाव पर हैरानी जताई।

पी.डब्ल्यु.डी. के वरिष्ठ अधिवक्ता ने यह दावा किया कि यह केवल ढके हुए नालों की सिल्ट निकासी का कार्य था, जिसे आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा था, इसलिए अधिकारियों की कोई गलती नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बावजूद, ठेकेदारों को सुधारात्मक कदम उठाने के लिए 17 मई 2025, 17 अगस्त 2025 और 21 अगस्त 2025 को पत्र जारी किए गए हैं। पी.डब्ल्यु.डी. ने यह भी कहा कि खुले नाले की सफाई के लिए श्रमिकों को नियुक्त नहीं किया गया था और वे मैनुअल स्कैवेंजिंग (हाथ से गंदगी साफ करने) में संलग्न नहीं थे, इसलिए 2013 के अधिनियम के प्रावधान इस मामले में लागू नहीं होते हैं। कोर्ट ने कहा, इस चरण पर, हम एफआईआर दर्ज करने से फिलहाल परहेज़ कर रहे हैं, क्योंकि अभी तक कोई अप्रिय घटना नहीं घटी है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि न तो अधिकारी और न ही उनके द्वारा नियुक्त ठेकेदार किसी भी श्रमिक को बिना सुरक्षा उपकरणों के नाले, साफ पानी की नाली या सीवर में प्रवेश करने दें। मामले से जुड़ी याचिका में संलग्न फोटोग्राफ्स स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि ऐसा कार्य किया गया है। अत: इस कार्य के लिए लागत के रूप में 5 लाख का जुर्माना लगाना उचित होगा। इसलिए, हम निर्देश देते हैं कि पी.डब्ल्यु.डी. यह राशि चार सप्ताह के भीतर राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के पास जमा करे।

हम यह भी स्पष्ट कर देते हैं कि केवल पी.डब्ल्यु.डी. ही नहीं, बल्कि अन्य संबंधित अधिकारियों को भी अब नींद से जागना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का शब्दश: और भावना सहित पालन किया जाए।

हम यह भी साफ़ शब्दों में चेतावनी देते हैं कि यदि भविष्य में इस प्रकार की घटना दोहराई गई, तो इस न्यायालय को भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

कैबिनेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिले फीडबैक का भी विश्लेषण किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से सरकार आमजन से सीधा संवाद कर रही है और योजनाओं की जमीनी हकीकत समझने का प्रयास कर रही है।

इसके अतिरिक्त, राज्य में ऊर्जा संयंत्रों एवं "राइजिंग राजस्थान" सम्मेलन के तहत हुए विभिन्न करारों को मूर्त रूप देने के लिए भू आवंटन और रियायतों से जुडी नीतियों पर भी चर्चा संभव है। सरकार इन निवेश प्रस्तावों को जल्द से जल्द अमल में लाने की दिशा में सक्रिय है। कैबिनेट बैठक में सेवा नियमों में संशोधन जैसे प्रशासनिक विषयों पर भी विचार किया जा सकता है। इनमें कर्मचारियों से जुड़े नियम, प्रोन्नति, स्थानांतरण और नियुक्तियों से संबंधित बदलाव शामिल हो सकते हैं।

सरकार की यह कैबिनेट बैठक कई अहम निर्णयों का आधार बन सकती है, जिससे राज्य के विकास और प्रशासनिक सुधारों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

मुस्लिम द्वारा मैसूर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायाधीश बी. आर. गवई के समक्ष उल्लेखित किया गया, क्योंकि उद्घाटन कार्यक्रम 22 सितंबर को होना है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के लिए मामला सूचीबद्ध किये जाने के लिये सहमति दे दी।

15 सितंबर को, कर्नाटक उच्च न्यायाल के मुख्य न्यायाधीश विभु बखरू और न्यायमूर्ति सी. एम. जोशी की खंडपीठ ने उन याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिनमें कहा गया था कि बानू मुश्ताक की उपस्थिति से लोगों की भावनाएं आहत होंगी, क्योंकि उन्होंने पहले "हिंदू विरोधी" बयान दिए हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि मुश्ताक एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं तथा इस प्रकरण में संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 में दी गई गारंटी आहत नहीं होती हैं। यह निर्विवाद है कि यह उत्सव हर वर्ष राज्य सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है और उद्घाटन के लिए किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को बुलाया जाता है। पूर्व में वैज्ञानिक, शिक्षाविद, लेखक, स्वतंत्रता सेनानी उद्घाटन कर चुके हैं। प्रतिवादी संख्या 4 (बानू मुश्ताक) एक प्रतिष्ठित लेखिका हैं और 2025 की "बुकर पुरस्कार" विजेता हैं। वे वकील और सोशल ऐक्टिविस्ट भी हैं।

कोर्ट ने यह भी कहा कि उन्होंने कई सार्वजनिक पदों पर कार्य किया है। वे हासन नगर परिषद की सदस्य, चामराजेंद्र अस्पताल विज़िटर्स बोर्ड की अध्यक्ष, राज्य पुस्तकालय प्राधिकरण की सदस्य, हासन जिला समता वेदिके और महिला विकास मंच की अध्यक्ष रह चुकी हैं। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि "किसी व्यक्ति का किसी विशेष धर्म का पालन करना और किसी अन्य धर्म के त्योहार में भाग लेना, भारतीय संविधान के तहत प्रदत्त अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता।"

'मुझे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्हें वोट नहीं मिल रहे तो इसमें भाजपा का दोष नहीं है। पार्टी नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार चुनाव हार रहे हैं और जनता द्वारा ठुकराए गए नेता हैं। उनकी बढ़ती हताशा ने उन्हें केवल झूठे और आधारहीन आरोपों की राजनीति तक सीमित कर दिया है।

तुरंत ही एक प्रेस क्रॉन्फ्रेंस बुलाकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, "बार-बार चुनाव हारने वाले, जनता द्वारा ठुकराए गए नेता, जिनके नेतृत्व में कांग्रेस लगभग 90 चुनाव हार चुकी है, उनकी हताशा और निराशा दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। कांग्रेस ने आरोपों की राजनीति को अपना गहना बना लिया है।" ठाकुर ने आगे कहा कि जब चुनाव आयोग कांग्रेस से अपने ही लगाए गए आरोपों के सबूत मांगता है, तब वो पीछे हट जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की "झूठे और निराधार आरोप लगाने की आदत" हो गई है।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी संविधान समझते हैं? उन्होंने कहा, वह सुप्रीम कोर्ट गए, कोर्ट ने निर्देश भी दिए। उन्होंने कोई कदम उठाया क्या? उन्हें न कानून समझ में आता है, न सुप्रीम कोर्ट के निर्देश।

इधर बिहार के रोहतास में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अगर गलती से भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो बिहार के हर जिले में सिर्फ घुसपैठिए होंगे।

सीबीआई ने अनिल अंबानी व राणाकपूर के खिलाफ चार्जशीट पेश की

नई दिल्ली, 18 सितंबर। सीबीआई ने उद्योगपति अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ उद्योगपति समूह की कंपनियों आरसीएफएल और आरएचएफएल, यस बैंक और बैंक के पूर्व सीईओ राणा कपूर के परिवार की कंपनियों के बीच कथित धोखाधड़ी वाले लेनदेन को लेकर गुरुवार को आरोप पत्र दाखिल किया। अधिकारियों ने बताया कि इन लेनदेनों से बैंक को 2,796 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

मुंबई की एक विशेष अदालत के समक्ष दायर अपने आरोपपत्र में संघीय एजेंसी ने कहा है कि अंबानी, अनिल धीरूभाई अंबानी (एडीए) समूह के अध्यक्ष और रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के निदेशक हैं, जो आरसीएफएल और आरएचएफएल की होल्डिंग कंपनी है। एडीए समूह की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी उपलब्ध नहीं हो सकी।

अंबानी के अलावा, केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राणा कपूर, बिंदु कपूर, राधा कपूर, रोशनी कपूर, आरसीएफएल, आरएचएफएल (अब ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड), आरएबी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, इमेजिन एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, ब्लिस हाउस प्राइवेट लिमिटेड, इमेजिन हैबिटेट प्राइवेट लिमिटेड, इमेजिन रेसिडेंस प्राइवेट लिमिटेड और मॉर्गन क्रेडिट्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया है।

- **यह कार्यवाही यस बैंक के 2796 करोड़ रु. के भ्रष्टाचार मामले के तहत की गई है**
- **जब यह घोटाला हुआ था तब राणाकपूर यस बैंक के सीईओ व प्रबंध निदेशक थे।**

सीबीआई ने बैंक के मुख्य सतर्कता अधिकारी की शिकायत पर 2022 में यस बैंक के तत्कालीन प्रबंध निदेशक और सीईओ कपूर, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के खिलाफ दो मामले दर्ज किए थे।

'अमेरिकन टैरिफ में जल्दी ही अच्छी खबर मिल सकती है'

नई दिल्ली, 18 सितंबर। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका के साथ शुल्क मुद्दों का समाधान अगले आठ से दस सप्ताह में हो जाएगा। रूस से तेल खरीदने के कारण भारतीय उत्पादों पर अमेरिका ने 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है और माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में टैरिफ कम करने पर बात बन सकती है। कम से कम 25प्रतिशत अतिरक्त टैरिफ खत्म किया जा सकता है।(नागेश्वरन ने भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम में यहां कहा, दोनों सरकारों के बीच बातचीत चल रही है।

चारधाम हैलिकॉप्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई थी। केन्द्र सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्वयं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ दिल्ली और देहरादून में इस मुद्दे पर कई दौर की वार्ता की। डीजीसीए ने मार्ग में आने वाले सभी हेलीपैड, हेलिकॉप्टरों और ऑपरेटरों की तैयारी की समीक्षा भी की थी। डीजीसीए चारधाम सेक्टर पर हेलिकॉप्टर उड़ाने वाले पायलटों के नियमित प्रशिक्षण और रूट चेक अनिवार्य करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही ज्यादा ऊंचाई पर उड़ान, प्रतिकूल मौसम से निपटने और चालक दल से सदस्यों के प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि सिर्फ इस सेक्टर पर पहले से क्वालिफाइड पायलट को ही लगाया जाना चाहिये।

यात्रा के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले सभी हेलिकॉप्टरों की गहन जांच करने और निर्माता द्वारा सुझाये गये मरम्मत शिड्यूल का सख्ती से पालन करने की हिदायत भी दी गयी है।

साध्वी प्रज्ञा सहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसले को चुनौती दी है।

यह सुनवाई मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड की बेंच के समक्ष हुई। याचिका में कहा गया है कि जांच में हुई गलतियों या कुछ त्रुटियों के आधार पर आरोपियों को बरी नहीं किया जा सकता। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि विस्फोट की साजिश रचते समय गोपनीयता बरती गई थी, इसलिए प्रत्यक्ष साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं।

इससे पहले, 16 सितंबर को महाराष्ट्र के मालेगांव में साल 2008 में हुए विस्फोट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ अपील दाखिल करने का अधिकार हर किसी को नहीं है। यह अधिकार उन्हीं को है, जो ट्रायल में गवाह रहे हों या सीधे तौर पर पीड़ित पक्ष से जुड़े हों।

दरअसल, 31 जुलाई को विशेष एनआईए कोर्ट ने मालेगांव ब्लास्ट मामले के सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया था। इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित भी शामिल थे।

'मैं सभी धर्मों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। अनुपातहीन प्रतिक्रियाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह गंभीर भी है, क्योंकि टिप्पणियों को पूरी तरह से गलत जानकारी के साथ वायरल किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश के नाम पर पूरी तरह से संदर्भ से बाहर बातें कही जा रही हैं।

उन्होंने कहा, "किसी ने मुझे कल बताया कि मैंने जो टिप्पणी की थी, उसे सोशल मीडिया पर पेश किया गया है... मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ।"

अब भारत को अपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई है। अब तक, खराब अर्थव्यवस्था और कमजोर हालत के कारण पाकिस्तान हाशिए पर था।

भारत अब शायद और मजबूती से इज़रायल और रूस की तरफ झुक जाए। भारत को उस स्थिति के लिए भी तैयार रहना होगा, जिसमें इस्लामिक देशों का पूरा समूह भविष्य के किसी भी भारत-पाक संघर्ष में पाकिस्तान के साथ खड़ा हो जाए।

तथापि, सबसे बड़ी चिंता यह होगी कि भविष्य में अगर भारत और पाकिस्तान के बीच कोई संघर्ष होता है तो मध्य-पूर्व के देशों का वास्तविक रुख क्या होगा। उदाहरण के लिए, अगर भविष्य में पहलगाम जैसी कोई आतंकी घटना होती है, तो क्या भारत पहले से हमला करने का विकल्प अपने पास रख पाएगा? भविष्य के किसी संघर्ष में पाकिस्तान को सऊदी अरब का समर्थन भारत के लिए बड़ी परेशानी बन सकता है। सऊदी अरब की वित्तीय मदद का मतलब होगा कि पाकिस्तान संकट की स्थितियों से पहले से कहीं ज्यादा ताकत से निपट सकेगा। वैसे भी, सऊदी अरब कई वर्षों से पाकिस्तान को आर्थिक सहारा देता आया है।

पहले कदम के रूप में भारत के लिए समझदारी यह होगी कि वह रूस के साथ तेल और ऊर्जा स्त्रोतों के नेटवर्क की ओर और अधिक झुके। भविष्य में पाकिस्तान के साथ किसी संघर्ष में अगर सऊदी अरब पाकिस्तान का डिफैंस पार्टनर बनकर खड़ा हुआ तो वह भारत की तेल सप्लाई रोक सकता है। इसलिए भारत को कहीं और से वैकल्पिक तेल और गैस आपूर्ति नेटवर्क तैयार करना चाहिए, भले ही लागत अधिक हो।

- **साउदी अरब व अन्य खाड़ी देशों से ऑयल की सप्लाई संदिग्ध हो सकती है। पाकिस्तान से अगले युद्ध में, अतः भारत को ऑयल के अन्य स्रोतों, जैसे रूस, ब्राज़ील, आदि से ज्यादा खरीद करनी होगी।**
- **भारत को अपनी औद्योगिक क्षमता में प्राइवेट पार्टियों को पूरा प्रवेश देना होगा। क्योंकि, प्राइवेट व सरकारी क्षमताओं का पूरा सहयोग ही भारत को स्वावलम्बी बना सकता है, सेना की ताकत को "अपडेट" रखने में और कोई विकल्प नहीं है।**

चाहे भारत को यह पसंद आए या नहीं, लेकिन उसे हथियारों और रक्षा सामग्री की सप्लाई के लिए इज़रायल के साथ और गहरे रक्षा संबंध बनाने पड़ सकते हैं। भारतीय और इज़रायली रक्षा कंपनियों को मजबूरन आपसी रिश्ते मजबूत करने होंगे।

इस घटनाक्रम के बाद, भारत को देश की रक्षा और सैन्य ढांचे से जुड़े सभी कार्यक्रमों को दोगुना करना होगा। खासकर, चीन द्वारा बीजिंग की सैन्य परेड में हथियारों और गोला-बारूद का विशाल प्रदर्शन करने के बाद, भारत के लिए अपनी रक्षा पर खर्च बढ़ाना बेहद जरूरी हो गया है।

इसका मतलब है कि विकास और वृद्धि की पूरी रणनीति में बदलाव लाना होगा। भारत को अब अपना सैन्य-औद्योगिक ढांचा (मिलिटरी इण्डस्ट्रियल कम्बाइन) खड़ा करने की दिशा में तुरंत आगे बढ़ना चाहिए। वे दिन गए, जब देश सिर्फ विदेशों से हथियार और रक्षा उपकरण खरीदकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता था। अब इन्हें देश में ही बनाना होगा, ताकि रक्षा क्षेत्र की ज़रूरतों को उद्योग और निर्माण क्षेत्र की ताकत से पूरा किया जा सके।

यह केवल बेहतरीन कारें और उपभोक्ता सामान बनाने की बात नहीं है। इन्हें छोटे हथियारों से लेकर सबसे आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आधारित हथियारों तक की घरेलू निर्माण क्षमता से जोड़ना होगा।

ढिलाई के दिन अब खत्म हो चुके हैं। भारत अब तक सूचना प्रौद्योगिकी और उससे जुड़े क्षेत्रों में अपनी ताकत का बखान करता रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि हम अभी तक " लो स्किल" (कम कौशल वाले) और सुपरफिशियल सर्विसेज़ सैक्टर तक ही सीमित रहे हैं। भारत को अब अपने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस टूल्स और एआई आधारित क्षमताएं खुद विकसित करनी होंगी, जो उसे असली बढ़त दिला सकें।

साउदी अरब का पाक को गुपचुप समर्थन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बार, पाकिस्तान, जो एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न इस्लामी राष्ट्र है, को अब सऊदी अरब से एक औपचारिक रक्षा गारंटी मिल गई है, जो न केवल वित्तीय रूप से बेहद शक्तिशाली देना है, बल्कि तेजी से अपने भू-राजनीतिक प्रभाव को भी बढ़ा रहा है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यह समझौता सऊदी अरब को पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा छतरी तक पहुंच का मार्ग भी प्रदान कर सकता है, जो इस क्षेत्र के नाज़ुक शक्ति संतुलन के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है।

यह समझौता एक तनावपूर्ण पृष्ठभूमि में आया है। कुछ ही महीने पहले, पहलगाम में लश्कर-ए-तैयबा की शाखा "द रेसिस्टेंस फ्रंट" द्वारा 26 लोगों की हत्या कर दी गई थी। भारत ने जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान व पीओके में स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। इसके बाद पाकिस्तान ने प्रतिकार किया और दोनों देश टकराव की कगार पर पहुंच गए। इस संदर्भ में, सऊदी-पाकिस्तान संधि इस्लामाबाद को वह "रणनीतिक भरोसा देती है जिसकी उसे लंबे समय से तलाश थी। रियाद के समर्थन से सशक्त महसूस करते हुए, पाकिस्तान कश्मीर या अन्य किसी मुद्दे पर भारत की सहनशीलता की परीक्षा लेने के लिए अधिक स्वतंत्र महसूस कर सकता है, क्योंकि वह जानता है कि अब उसका खाड़ी सहयोगी देश विधिक रूप से उसके पक्ष में खड़ा रहेगा। यह कदम सऊदी अरब, जो इस्लामी दुनिया में एक प्रभावशाली शक्ति है, को दक्षिण एशिया के अस्थिर संघर्षों में खींच सकता है।

भारत के लिए, यह समझौता एक दुविधा प्रस्तुत करता है। रियाद भारत का पाँचवाँ सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जबकि नई दिल्ली सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा भागीदार है। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, निवेश और भारतीय प्रवासी समुदाय जैसे क्षेत्रों में गहरे संबंध हैं। वर्षों से, भारत की विभिन्न सरकारों ने इस्लामाबाद के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद रियाद से संबंधों को सावधानीपूर्वक बनाए रखा है।

हालाँकि, यह समझौता भारत को एक मुश्किल स्थिति में डालता है। एक ओर, भारत एक महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्तिकर्ता और आर्थिक भागीदार को नाराज़ नहीं कर सकता, वहीं दूसरी ओर, उसे इस कठोर सच्चाई का सामना करना होगा कि सऊदी अरब, जिसे कभी भारत का निकटतम खाड़ी सहयोगी माना जाता था, अब पाकिस्तान की रक्षा के लिए विधिक रूप से बाध्य है।

- **हाल ही में दोहा में हुए इस्लामिक देशों के शिखर सम्मेलन में नाटो जैसा सामरिक सैनिक ग्रुप बनाने के प्रस्ताव पर हुई बातचीत में शायद साउदी अरब-पाकिस्तान गठबंधन की नींव रखी गई थी।**
- **भारत, इस घटनाक्रम से विचलित है और इसीलिए अपने अधिकृत प्रेस नोट में भारत सरकार ने इस बात का उल्लेख किया है कि सरकार देश की सुरक्षा व हित के लिए सदा कटिबद्ध है।**

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर बेहद सतर्क प्रतिक्रिया दी। "हमने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक पारस्परिक रक्षा संधि पर हस्ताक्षर की रिपोर्ट देखी है। सरकार को इस घटनाक्रम की जानकारी थी कि इस पर विचार चल रहा है। हम इस घटनाक्रम के हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर प्रभाव का अध्ययन करेंगे। भारत सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी क्षेत्रों में समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस संतुलित प्रतिक्रिया के पीछे, साउथ ब्लॉक के अधिकारी स्वीकार करते हैं कि यह संधि इस्लामाबाद के लिए एक कूटनीतिक विजय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ा, आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सद्भावना को एक ठोस सुरक्षा छतरी में बदल लिया है। इसका समय भी भारत के ऑपरेशन सिंदूर आउटरीच को प्रभावित करता है, जिसमें भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल सहित, भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संबंधों को रियाद जैसे प्रमुख भागीदारों के सामने उजागर करने की कोशिश की थी। दशकों तक, रियाद का इस्लामाबाद को सऊदी अरब का सैन्य समर्थन प्राय: अप्रत्यक्ष और लेन-देन आधारित था। लेकिन इस सप्ताह की संधि एक औपचारिक सैन्य गठबंधन की दिशा में निर्णायक बदलाव है। पाकिस्तान को यह प्रतिष्ठा और भारत के जवाबी हमलों के विरुद्ध एक ढाल प्रदान करता है। वहीं सऊदी अरब के लिए, यह संकेत है कि वह क्षेत्रीय भू-राजनीति में अब अधिक सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है, विशेष रूप से हाल ही में दोहा में हुई इस्लामी शिखर बैठक के बाद, जहाँ एक नाटो जैसे गठबंधन की चर्चा हुई थी। भारत के लिए, आगे का रास्ता कठिन रहेगा। उसे रियाद के साथ अपने महत्वपूर्ण संबंधों को बनाए रखना होगा, साथ ही एक अधिक आत्मविश्वासी और संरक्षित पाकिस्तान से निपटने की तैयारी भी करनी होगी।

"एकता और शांति" की भाषा से सजे इस समझौते का असली संदेश स्पष्ट है, "अब इस्लामाबाद संकट की घड़ी में रियाद पर भरोसा कर सकता है। नई दिल्ली के लिए, यह न केवल एक कूटनीतिक झटका है, बल्कि दक्षिण एशिया की नाज़ुक सुरक्षा संरचना में एक नई दरार की शुरुआत है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908